राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

वर्ष 07, अंक 120, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बीडीओ साहब आखिर कब रुकेगा ग्राम पंचायत बरहपुर में किसके सहारे भ्रष्टाचार हो रहा ...02

सर्जिकल ब्लेड से एकतरफा प्यार के हमले में कानपुर की युवती घायल, आरोपी पुलिस के हवाले..11

जाति-आधारित भेदभाव से निपटने के लिए जारी यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) विनियम, 2026 पर रोक लगा दी है. अदालत ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव से निपटने के लिए बनाए गए इन नियमों के दुरुपयोग होने की संभावना है. भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ मृत्युंजय तिवारी, विनीत जिंदल और राहुल देवन द्वारा दायर तीन रिट याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें इन विनियमों की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है. ये नए विनियएम अब 19 मार्च तक स्थगित रहेंगे. इस तिथि तक केंद्र सरकार और यूजीसी को सुप्रीम कोर्ट के नोटिस का जवाब देना होगा।

इस बीच 2012 के विनियम लागू रहेंगे, इस नए दिशानिर्देशों को इन्हीं के स्थान पर लाया गया था. ज्ञात हो कि इन विनियमों का 'ऊंची' जातियों के कुछ समूहों और दक्षिणपंथी विचारधारा के लोगों ने विरोध किया था. गुरुवार की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा है कि इन नियमों की समीक्षा की जानी चाहिए. उन्होंने कहा, 'कुछ प्रतिष्ठित जूरी की एक समिति होनी चाहिए, दो-तीन ऐसे लोग हों जो सामाजिक मूल्यों और समाज की समस्याओं को समझते हों. पूरा समाज कैसे आगे बढ़ेगा, अगर हम ऐसा माहौल बनाएंगे तो लोग कैंपस के बाहर कैसे व्यवहार करेंगे, इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए.' याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील देते हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इन विनियमों में 'सामान्य' वर्ग के लोगों के खिलाफ भेदभाव को शामिल नहीं किया गया है. उन्होंने कहा, 'जब धारा 3(e) पहले से मौजूद है, तो 3(c) की क्या जरूरत है? इस धारा का उद्देश्य से कोई तार्किक संबंध नहीं है.. यह मानकर चलता है कि केवल एक विशेष वर्ग ही जाति-आधारित भेदभाव का सामना करता है.' हालांकि नई गाइडलाइन में जिन वर्गों का जिक्र था, भारत में वे वर्ग वास्तव में जातिगत भेदभाव का सामना करते हैं।

यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) विनियम, 2026 की धारा 3(c) के अनुसार, 'जाति-आधारित भेदभाव' का अर्थ है 'अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ केवल जाति या जनजाति के आधार पर किया गया भेदभाव.' सुनवाई के दौरान सीजेआई कांत ने कहा, 'विनियमों की भाषा प्रथमदृष्टया अस्पष्ट है.. दुरुपयोग की संभावना है.. कोई विशेषज्ञ इनके पुनर्गठन की सलाह दे सकता है.' उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह भी पूछा, 'हमने जातिविहीन समाज की दिशा में जो भी उपलब्धियां हासिल की हैं, क्या हम अब पीछे की ओर जा रहे हैं?'

सीजेआई ने यह भी सवाल उठाया कि विनियमों में अलग-अलग जाति समूहों के लिए अलग छात्रावास प्रस्तावित करने की बात क्यों कही गई है. उन्होंने कहा, 'भगवान के लिए ऐसा मत कीजिए! हम सब साथ रहते थे.. अंतरजातीय विवाह भी होते हैं.' ज्ञात हो कि ये नए नियम 2019 में दाखिल एक याचिका के बाद लाए गए थे, जिसे पायल तड़वी और रोहित वेमुला की मांओं- अबेदा सलीम तड़वी और राधिका वेमुला ने दायर किया था. याचिका में उन्होंने पहले के समानता संबंधी नियमों के क्रियान्वयन पर सवाल उठाए थे. दोनों शोधार्थियों ने कई बार जातिगत भेदभाव झेलने के बाद आत्महत्या कर ली थी।

देवरिया कसया मार्ग निर्माण को लेकर धन स्वीकृत

देवरिया। देवरिया कसया मार्ग के निर्माण हेतु उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट से 292 करोड़ 66 लाख रुपये की स्वीकृति मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों एवं जनपद के जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। भाजपा नेता अजय उपाध्याय ने कहा कि यह स्वीकृति क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। मार्ग के निर्माण से देवरिया से कसया तक आवागमन सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक होगा, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। पूर्व मीडिया प्रभारी अम्बिकेश पाण्डेय ने कहा कि यह निर्णय सरकार की जनहित एवं विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सड़क निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहतर होगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर गोविन्द मणि, रत्नेश्वर गर्ग, रजनीश तिवारी, अखिलेश मिश्रा, पुनीत सिंह, विकास पाण्डेय, नवीन तिवारी, राकेश दूबे सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिहार के 'सरकारी बाबू' सोच समझ कर करें सोशल मीडिया पर पोस्ट, नीतीश कैबिनेट का बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना- बिहार सरकार ने सरकारी सेवकों के सोशल मीडिया उपयोग को लेकर बड़ा और सख्त फैसला लिया है. राज्य कैबिनेट की बैठक में तय किया गया कि फेसबुक, ट्विटर (एक्स), टेलीग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग करने वाले सरकारी कर्मचारियों और पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. सरकार ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी, विवादित पोस्ट या सरकारी नीतियों पर व्यक्तिगत राय देने को गंभीर कदाचार माना जाएगा।

सोशल मीडिया अकाउंट से पहले लेनी होगी अनुमति

नए प्रावधानों के अनुसार, कोई भी सरकारी सेवक सोशल मीडिया पर खाता बनाने से पहले अपने सक्षम पदाधिकारी से अनुमति लेगा. गुमनाम या फर्जी नाम से अकाउंट चलाने पर भी रोक लगाई गई है. सरकार ने साफ किया है कि कर्मचारी सोशल मीडिया के जरिए किसी तरह का व्यक्तिगत लाभ नहीं ले सकेंगे. सरकारी कार्यों से जुड़ा कंटेंट शेयर करना प्रतिबंधितकार्यस्थल से जुड़े वीडियो बनाना, लाइव स्ट्रीमिंग करना या किसी भी सरकारी गतिविधि को सोशल मीडिया पर साझा करना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है. किसी भी प्रकार की आधिकारिक प्रक्रिया, दस्तावेज या चर्चा को सार्वजनिक मंच पर लाना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा.

नीतियों, अदालतों के आदेशों पर निजी राय नहीं

सरकारी सेवकों को निर्देश दिया गया है कि वे सरकारी नीतियों, निर्णयों या सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय के आदेशों पर सोशल मीडिया में व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करेंगे. वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ अपशब्द या विरोधात्मक पोस्ट करना भी दंडनीय होगा।

ट्रोलिंग और विवादित पोस्ट पर सख्ती

सरकार ने कहा है कि सोशल मीडिया के माध्यम से किसी को ट्रोल करना, भड़काऊ या विभाजनकारी पोस्ट करना सेवा आचार संहिता का उल्लंघन होगा. ऐसे मामलों में विभागीय कार्रवाई तय है।

आचार नियमावली में संशोधन

यह प्रावधान बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के तहत लागू किया जाएगा. नियम 9 के उपनियम (2) के बाद नया उपनियम (3) जोड़े जाने का प्रस्ताव है, जो मीडिया प्लेटफॉर्म और इंस्टेंट मैसेजिंग एप्लीकेशन के उपयोग से जुड़ा होगा. अपर मुख्य सचिव बी. राजेंद्र के अनुसार, सरकार इस विषय को लेकर गंभीर है और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के जरिए प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखना चाहती है।

उंगलियां काटी, गला रेता, सिर पर पत्थर से वार... देहरादून में 12वीं की छात्रा की बेरहमी से हत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. गुरुवार को दिनदहाड़े विकासनगर कोतवाली क्षेत्र में एक 12वीं की छात्रा की बेरहमी से हत्या कर दी गई. छात्रा के शरीर पर धारदार हथियार से कई वार किए गए थे. उंगलियां काटी गई थीं, चेहरे पर से नाक का हिस्सा गायब था, गला रेता हुआ था और सिर पर पत्थर से वार कर कूंचा गया था. छात्रा के साथ की गई हैवानियत को देख लोग सहम गए. आनन-फानन में लोगों ने पुलिस को सूचना दी. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच-पड़ताल में जुट गई. दरअसल, मामला विकासनगर कोतवाली क्षेत्र का है. गुरुवार दोपहर के समय ढालीपुर शक्ति नहर के पास से गुजर रहे लोगों को नहर किनारे खून से लथपथ एक लड़की की लाश पड़ी दिखाई दी. लोगों ने लाश के पास जाकर देखा तो सहम गए. बड़ी बेरहमी से लड़की का कत्ल किया गया था. लोगों ने बिना समय गंवाए पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही विकासनगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस को घटनास्थल से मिला हंसिया

इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर जांच-पड़ताल में जुट गई. पुलिस को घटनास्थल पर एक बाइक और हंसिया मिला. पुलिस ने आशंका जताई कि इसी हंसिए से लड़की पर बेरहमी से वार किया गया था. वारदात के समय हत्यारे ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं. लड़की के हाथों की उंगलियां कटी हुई थीं, चेहरे पर से नाक का हिस्सा गायब था. गला भी बुरी तरह रेता गया था. यही नहीं उसके सिर पर पत्थर से वार किया गया था, जिससे सिर का हिस्सा पिचक गया था।

चचेरे भाई के साथ दवा लेने गई थी छात्रा

पुलिस जांच में पता चला कि छात्रा ढालीपुर की रहने वाली थी और 12वीं कक्षा में पढ़ती थी. बीते बुधवार शाम वह अपने चचेरे भाई के साथ दवा लेने के लिए बाइक पर निकली थी. देर रात तक जब वह घर वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई. देर रात से सुबह तक छात्रा और उसके चचेरे भाई को परिजन तलाशते रहे. इसी बीच गुरुवार सुबह के समय कुछ स्थानीय लोगों ने छात्रा के परिजनों को बताया कि ढालीपुर शक्ति नहर नहर किनारे एक लड़की की लाश पड़ी है।

चचेरे भाई ने दुकान से खरीदा था हंसिया

चूंकि छात्रा की लाश मिली और चचेरा भाई गायब था तो पुलिस की शक की सूई उसी पर गई. पुलिस ने जांच और तेज की तो छात्रा एक पेट्रोल पंप के CCTV में चचेरे भाई के साथ बाइक पर दिखाई दी. पुलिस के मुताबिक, चचेरे भाई ने हाल ही में एक दुकान से हंसिया खरीदा था. इसी हंसिए से छात्रा पर ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया. स्स्क अजय सिंह ने बताया कि चचेचे भाई ने वारदात क्यों अंजाम दिया, ये जांच का विषय है. अभी वो भी गायब है. आशंका है कि छात्रा की हत्या के बाद उसने भी ढालीपुर शक्ति नहर में कूदकर जान दे दी. इसी वजह से SDRF टीम नहर में सर्च ऑपरेशन चला रही है।

बंगाल के बाद अब तमिलनाडु, SIR को लेकर सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को आदेश, कहा- लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी लिस्ट जारी करें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तमिलनाडु के लोगों को हो रही परेशानियों को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया को लेकर अहम निर्देश जारी किए हैं. कोर्ट ने कहा कि लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी लिस्ट में जिन लोगों के नाम हैं, उनकी सूची ग्राम पंचायत भवन, हर उप-डिवीजन के तालुका कार्यालय और शहरी क्षेत्रों के वार्ड कार्यालयों में प्रदर्शित की जाए.

सूची में शामिल लोगों को सूची प्रदर्शित होने की तारीख से 10 दिनों के भीतर स्वयं या अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से दस्तावेज जमा करने की अनुमति होगी. सूची में विसंगति (डिस्क्रेपेंसी) का संक्षिप्त कारण भी दर्ज होगा. आपत्तियां सब-डिवीजन स्तर के कार्यालयों में दाखिल की जा सकेंगी. ये निर्देश तमिलनाडु में SIR को चुनौती देने वाली याचिकाओं को लेकर दिए गए. इससे पहले इसी के तरह के आदेश सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में SIR को लेकर जारी किए गए थे।

लॉ एंड ऑर्डर पर सुप्रीम कोर्ट ने कही ये बात

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट बेंच ने कहा, 'तमिलनाडु में DGP और पुलिस कमिश्नर को यह पक्का करने का निर्देश दिया जाता है कि कोई लॉ एंड ऑर्डर की समस्या न हो और यह पक्का किया जाए कि लॉ एंड ऑर्डर अच्छी तरह से बना रहे और पूरी प्रक्रिया आसानी से हो।

सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी में इस आदेश को तमिलनाडु पर भी लागू करने की मांग की गई थी. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि नियम तमिलनाडु पर भी लागू होने चाहिए. सीजेआई के हवाले से कहा गया, 'एक बार जब हमने बंगाल के लिए कुछ यूनिफॉर्म गाइडलाइंस बना दीं तो कोई कारण नहीं है कि उन्हें तमिलनाडु में लागू न किया जा सके. इसलिए किसी आदेश की जरूरत नहीं होगी।

बंगाल को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे निर्देश

द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) उन पिटीशनर्स में से एक है जिन्होंने कोर्ट में SIR को चैलेंज किया है. इसने तर्क दिया है कि SIR कराने का फैसला गैर-संवैधानिक है, इलेक्शन कमीशन के अधिकारों से बाहर है, और रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट, 1950 (ROPA) और रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टर्स रूल्स, 1960 के खिलाफ है. इसने तर्क दिया है कि SIR संविधान के आर्टिकल 14, 19, 21, 325 और 326 का उल्लंघन करता है और इससे असली वोटर्स को बड़े पैमाने पर वोट देने से वंचित किया जा सकता है. इस महीने की शुरुआत में, सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में SIR के लिए भी ऐसे ही निर्देश जारी किए थे, जिसमें चुनाव आयोग को पश्चिम बंगाल के उन 13.6 मिलियन वोटर्स की लिस्ट पब्लिश करने का निर्देश दिया गया था जिनके एन्यूमरेशन फॉर्म में लॉजिकल गड़बड़ियां हैं।

संक्षिप्त खबरें

पेड़ से लटकती मिली बीए के छात्र की लाश पुलिस ने लिया लाश को कब्जे में भेजा पोस्टमार्टम

बस्ती। बस्ती जिले केनगर थाना क्षेत्र में पंकज यादव (26) पुत्र रामसुभग यादव का शव पेड़ से लटका मिला। बुधवार सुबह नौगढ़ गांव के बाहर स्थित एक बाग में ग्रामीणों ने शव देखकर लोगों को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची नगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा दिया है। पंकज बीए प्रथम वर्ष का छात्र था। मंगलवार रात करीब आठ बजे वह घर से थोड़ी दूर पर गेहूं की सिंचाई कर रहा थाकाफी देर तक पंकज घर नहीं लौटा, तो परिजन उसकी तलाश करने निकले लेकिन उसका कुछ पता नही चला। बुधवार भोर में नौगढ़ गांव के बाहर बाग में ग्रामीणों ने एक पेड़ की डाल से रस्सी के सहारे लटकता हुआ शव देखा। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे नौगढ़ निवासी संजय यादव ने मृतक की पहचान अपने भाई पंकज यादव के रूप में की। थाना प्रभारी नगर भानु प्रताप सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया। थाना प्रभारी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों के बारे में कुछ कहा जा सकता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

यूजीसी (UGC) की नई गाइडलाइन पर सुप्रीम कोर्ट

बस्ती। बस्ती जिले में गुरूवार को कायस्थ सेवा ट्रस्ट जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए लाए गए यूजीसी के नए नियमों को वापस लिये जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजकर सरकार से इस मामले मे अपना पक्ष रखने की मांग किया है।कायस्थ सेवा ट्रस्ट संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव और जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि यद्यपि की सर्वोच्च न्यायालय ने यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अगली सुनवाई की तिथि 19 मार्च को है किन्तु खतरा अभी टला नहीं है। सरकार को स्वयं आगे आकर स्पष्टीकरण देना होगा जिससे भेदभाव पैदा करने वाला नियम पूरी तरह से वापस हो। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को ज्ञापन देने के दौरान मुख्य रूप से नवीन श्रीवास्तव, आलोक कुमार श्रीवास्तव, आदर्श श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त, दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव, प्रकाश मोहन श्रीवास्तव, विवेक कुमार, नीतेश श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, आलोक, अनिल कुमार श्रीवास्तव, नीतेश, विवेक, सन्तोष, विनय, देवेन्द्र, अभिमन्यु, आनन्द, राजू के साथ ही कायस्थ सेवा ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

मनरेगा बचाओ संग्राम लगातार जारी

सहरिया बस्ती में पहुंच कर कांग्रेसियों ने चलाया जागरूकता अभियान

ललितपुर। जिले के ब्लॉक जखौरा ग्राम दैलवारा की सहरिया बस्ती में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कांग्रेस जिला प्रभारी मुकुट सिंह ने मनरेगा बचाओ संग्राम के समर्थन में कहा कि मनरेगा देश के गरीब, मजदूर और ग्रामीण जनता की जीवन रेखा है। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करने की साजिश किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक मनरेगा की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। मनरेगा में न्यूनतम मजदूरी 400 करने की मांग कांग्रेस ने उठाई है क्योंकि इस महंगाई में दी जा रही वेतन बहुत कम है इससे गरीब परिवारों का मजदूरों का भरण पोषण नहीं हो पा रहा है। वहीं मनरेगा जिला प्रभारी जसपाल सिंह ने कहा कि मनरेगा मजदूरों को काम की गारंटी और सम्मानजनक जीवन का अधिकार देता है। सरकार द्वारा बजट में कटौती और नियमों में बदलाव गरीब विरोधी कदम हैं। मनरेगा बचाओ संग्राम के माध्यम से कांग्रेस पार्टी आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाएगी। कांग्रेस पार्टी मजदूर का शोषण और उत्पीडन् नहीं होने देगी वह मजदूरों के काम का अधिकार चाहती है। मजदूरों को करोड़ों कल में यह जीवन दायिनी बनी थी, आज अधिकारी को बदला जा रहा है जो मजदूरों के हक में नहीं है। बैठक में जिलाध्यक्ष डा.दयाराम रजक, जिला महिला अध्यक्ष नेहा तिवारी, जिला उपाध्यक्ष पंकज हुण्डैत, नगराध्यक्ष रामनरेश दुबे, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश रजक, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नागेश रजक, गप्पू सहरिया सुनील रजक आदि उपस्थित थे।

स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार के शक में पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

●शहर में कई जगह पर स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार का कार्य चल रहा है

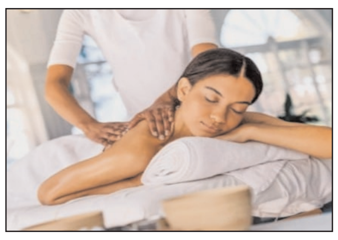

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के निर्देश में ऑपरेशन रक्षा के तहत एस0ओ0जी0 टीम स्वाट टीम व सर्विलांस टीम बस्ती की संयुक्त कार्यवाही में स्पा सेंटरों के विरुद्ध की गई विशेष कार्यवाही जनपद बस्ती। मुख्यालय पर विभिन्न अखबारों एवं सोशल मीडिया व मुखबिर खास के जरिये जानकारी सूचना प्राप्त हो रही थी कि स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार हो रहा है जिस सूचना जानकारी को पुलिस अधीक्षक बस्ती द्वारा त्वरित रूप से संज्ञान लेकर जनपदीय एस0ओ0जी0 टीम बस्ती स्वाट टीम बस्ती व सर्विलांस टीम बस्ती की एक विशेष टीम का गठन कर प्रभारी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में मालवीय रोड पर सत्येन्द्र होटल के बगल स्थित ब्लू हेवेन स्पा रोडवेज चौराहे पर स्थित रुद्रा स्पा बड़ेबन पर स्थित मिलाया स्पा हड़िया चौराहे पर स्थापित रुद्रा स्पा में नियमानुसार चेकिंग छापेमारी की गई जिसे संचालित करने वाले चार व्यक्तियों को नियमानुसार गिरफ्तार कर निरोधात्मक कार्यवाही किया गया एवं उनके स्पा सेंटरों से 14 महिलाओं को रेस्क्यू किया गया जिनके द्वारा पूछताछ के दौरान बताया गया कि वे सभी अलग-अलग जनपदों की रहने वाली हैं जिन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचवाया गया।पुलिस टीम द्वारा उक्त चारों स्पा सेंटरों से उनके अभिलेख लाइसेंस रजिस्टर सी0सी0टी0वी0 कैमरे एवं मोबाइल को लेकर गहन जांच की जा रही है जिसमें कमी पाए जाने पर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जायेगी।गिरफ्तार व्यक्तियों में राहुल कालिया पाण्डेय पुत्र कमल किशोर कालिया उम्र करीब 32 वर्ष निवासी ग्राम आलमपुर थाना पिलखुआ जनपद हापुड़ (उ0प्र0) दीपक यादव पुत्र राजेश यादव उम्र करीब 24 वर्ष निवासी ग्राम नेदुला थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीर नगर (उ0प्र0)विक्की चौहान पुत्र नौमी चौहान उम्र करीब 25 वर्ष निवासी ग्राम चक्सा हुसैन पचपेड़वा थाना गोरखनाथ जनपद गोरखपुर (उ0प्र0)मनोज कुमार जायसवाल पुत्र ओमप्रकाश जायसवाल उम्र करीब 39 वर्ष निवासी ग्राम सिधवारी थाना फरेंदा जनपद महराजगंज

सरकार जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए निकाली गई पैदल यात्रा

● पूरे देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए सशक्त कानून बनाने की उठी मांगदेश की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए जनसंख्या वृद्धि पर लगाना होगा लगाम दिग्विजय सिंह राना दिग्विजय सिंह राना के नेतृत्व में पैदल यात्रा के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा गया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले केगौर थाना क्षेत्र में हिन्दू विश्व महासंघ प्रदेश महामंत्री / जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि / वरिष्ठ भाजपा नेता दिग्विजय सिंह राना ने जनसंख्या वृद्धि दर को कम करने के लिए सशक्त कानून बनाने की मांग किया है दिग्विजय सिंह राना ने कहा यह सिर्फ एक पैदल यात्रा नहीं है बल्कि यह समाज के भविष्य के लिए उठाया गया एक मजबूत कदम है आज जब बहुत से लोग चुप रहना आसान समझते हैं जिस प्रकार सच्चे देशभक्तों ने सड़कों पर उतरकर साहस व युद्ध करके देश को आजाद कराया था ठीक उसी प्रकार पैदल यात्रा उसी साहस, संकल्प और जनहित की मिसाल लेकर सभी को कदम बढ़ाना चाहिए कदम भले ही थक जाएँ, लेकिन जब उद्देश्य समाज की भलाई हो तो हौसले कभी नहीं थकते।

बढ़ती जनसंख्या पूरे समाज और सरकार के लिए बड़ी समस्या है जनसंख्या वृद्धि के कारण ही देश की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और बेराजगारी समेत अन्य कई समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ रही है । जनसंख्या नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को सरकार और समस्त भारतीयों को उठाना चाहिए इस पर समाज को एक साथ मिलकर आवाज को सदन तक पहुंचाना चाहिए । जब तक देश में जनसंख्या नियंत्रण नही होगा तब देश का समुचित विकास नहीं होगा । बेरोजगारी दूर करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण होना बहुत जरूरी है । देश में बढ़ रही जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं को लेकर हर स्तर से लोगों को जागरूक करना चाहिए और जनसंख्या वृद्धि दर को रोकने के लिए लोगों को संकल्प दिलाना जरूरी है । दिग्विजय सिंह राना के नेतृत्व में पैदल यात्रा निकाल कर लोगों को जागरूक किया गया और जनसंख्या नियंत्रण के लिए सशक्त कानून बनाने के लिए राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जा रहा है ।

बलरामपुर में चौंकाने वाला साइबर फ्रॉडः बैंक खाते से निकल गए 87 लाख रुपये, पीड़ित को नहीं लगी भनक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। तुलसीपुर के चौकिया गोसाईडीह निवासी अनीसुर्रहमान के बैंक खाते से 87 लाख रुपये का डिजिटल लेनदेन हो गया और उन्हें पता भी नहीं चला। बैंक खाते से रुपये गायब होने पर पीड़ित ने अज्ञात के विरुद्ध साइबर क्राइम थाना में मुकदमा दर्ज कराया है।पीड़ित ने बताया कि उनका एक्सिस बैंक में खाता है। 20 से 25 नवंबर 2025 के बीच बैंक खाते से लगभग 87 लाख रुपये का अवैध तरीके से डिजिटल लेनदेन हुआ है। खाते से खिदमत-ए-खल्के, विमलेश कुनूर, ट्रिनिटी ई-कामर्स व गिरननाज ट्रेडर्स सहित कई व्यक्तियों व संस्थाओं के खाते में धनराशि भेजी गई है।पीड़ित के मुताबिक न तो किसी को अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड, मोबाइल भुगतान पिन अथवा इंटरनेट बैंकिंग से संबंधित कोई जानकारी दी थी और न ही किसी लेनदेन की अनुमति दी है। साइबर धोखाधड़ी का असर इतना गंभीर रहा कि पीड़ित के बैंक खाते से जुड़े लेनदेन को लेकर देश के विभिन्न राज्यों में साइबर अपराध से संबंधित कई शिकायतें दर्ज हो गई हैं।पीड़ित का बैंक खाता संदेह के घेरे में आ गया है। इसके चलते उसका बैंक खाता एक लाख 50 हजार रुपये की ऋणात्मक शेष राशि में चला गया है। इससे पीड़ित की आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। पीड़ित ने मामले की शिकायत राष्ट्रीय अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी दर्ज कराई थी। साथ ही बैंक को सूचना देकर खाते से संबंधित विवरण, लेनदेन ब्योरा व अन्य दस्तावेज भी पुलिस को उपलब्ध कराए हैं।साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक आरपी यादव ने बताया कि मामले में अज्ञात व्यक्तियों व संस्थाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की छानबीन की जा रही है। अवैध रूप से स्थानांतरित धनराशि की बरामदगी और आरोपितों की पहचान के लिए संबंधित बैंकों व एजेंसियों से सहयोग लिया जा रहा है।

टक्कर लगने के बाद पूरी रात मौके पर पड़ा रहा था रोहित यादव

अगले दिन अस्पताल पहुंचाने पर चिकित्सकों ने किया था मृत घोषित

ललितपुर। पुलिस चौकी राजघाट क्षेत्रांतर्गत रानीपुरा निवासी कृष्ण भान सिंह पुत्र संतोष यादव ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती 8 दिसंबर 2025 की रात करीब 11 बजे उसका भाई रोहित यादव पुत्र संतोष न्यू मार्केट राजघाट से मोटर साइकिल संख्या एम.पी. 09 एन.ई. 2069 से घर वापस आ रहा है, जहां राजघाट रोड परियोजना पूर्व माध्यमिक विद्यालय राजघाट मोड से गुजरने वाले गये अज्ञात वाहन ने रोहित यादव को जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद रोहित यादव घायलावस्था में वहां पड़ा रहा। अगले दिन रोहित को घायल अवस्था में 9 दिसम्बर को परिजनों को सूचित किया गया। परिजनों ने मौके पर पहुंच कर उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने रोहित को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125 (बी) व 106 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

आपरेशन रक्षा के तहत अमेठी में सघन अभियान, बाल श्रम में लिप्त 03 नाबालिगों को कराया गया मुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। शासन के निर्देशानुसार बच्चों के दुर्व्यापार एवं बाल श्रम से संबंधित अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से जनपद अमेठी में 'आपरेशन रक्षा' अभियान दिनांक 16 जनवरी 2026 से 30 जनवरी 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी संजय चौहान के निर्देशानुसार एवं उपजिलाधिकारी/प्रभारी जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री सात्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा जनपद के विभिन्न स्थानों पर सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। संयुक्त टीम में पुलिस विभाग, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष/सदस्य तथा चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) की टीम शामिल रही। अभियान के अंतर्गत मुसाफिरखाना कस्बे में निरीक्षण किया गया, जहाँ निरीक्षण के दौरान कुछ प्रतिष्ठानों/दुकानों पर नाबालिग बालक एवं बालिकाओं से कार्य कराए जाने का मामला सामने आया। छापेमारी के दौरान 02 बालिकाएं एवं 01 बालक बाल श्रम में लिप्त पाए गए। मौके पर उपस्थित टीम द्वारा संबंधित बच्चों के माता-पिता को बाल श्रम न कराने के लिए कड़ी चेतावनी दी गई तथा उन्हें बच्चों को उचित शिक्षा से जोड़ने हेतु प्रेरित किया गया। अभिभावकों द्वारा भविष्य में बाल श्रम न कराने का संकल्प भी लिया गया। वहीं, संबंधित प्रतिष्ठानों के मालिकों को कड़ी चेतावनी देते हुए भविष्य में बाल मजदूरी न कराने की हिदायत दी गई। अधिकारियों द्वारा स्पष्ट किया गया कि यदि भविष्य में किसी भी प्रतिष्ठान पर बाल श्रम कराते हुए पाया गया तो संबंधित के विरुद्ध बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। इस अभियान में बाल कल्याण समिति अमेठी, संबंधित थानों की पुलिस टीम, मानव तस्करी रोधक इकाई (एएचटीयू) तथा चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) अमेठी की टीम सक्रिय रूप से उपस्थित रही।

ग्राम उतेलवा में आयोजित ग्राम चौपाल में उपजिलाधिकारी ने की जन सुनवाई, समस्याओं का हुआ त्वरित निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विकास खण्ड जगदीशपुर अंतर्गत ग्राम उतेलवा में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम चौपाल में उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया द्वारा ग्रामीणों की समस्याएँ गंभीरता से सुनी गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ग्राम चौपाल के दौरान राजस्व, विकास एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे। ग्रामीणों द्वारा कुल लगभग 15 शिकायतें प्रस्तुत की गईं, जिनमें से 05 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।

उपजिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान उनके गांव में ही करना है, जिससे उन्हें अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए। ग्राम चौपाल के सफल आयोजन तथा समस्याओं के त्वरित समाधान से ग्रामवासियों में प्रसन्नता का माहौल रहा और उन्होंने शासन-प्रशासन की इस पहल की सराहना की। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि राघवेंद्र तिवारी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

जमीन पर अवैध कब्जा करने से रोकने पर मारपीट

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम मैनवार में रहने वाले विनोद रजक पुत्र बन्धु ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि वह दिव्यांग है, जिस पर वह अपने भाई वीरन की 0.75 डि. यानी 1.5 एकड़ की जमीन जो कि गांव मैनवार में है। जिस पर उसकी जमीन से लगी भवूदी पुत्र हल्कू की जमीन भी लगी है। आरोप है कि उक्त लोग पीड़ित की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं, जिसकी जानकारी होने पर वह अपने भाई के साथ मौके पर पहुंचा और विरोध किया तो उक्त लोगों ने गालियां देते हुए मारपीट कर दी। 27 जनवरी की शाम करीब 7 बजे वह अपने घर के बाहर बैठा था, तभी भवूदी का पुत्र तिलक आया और बिना कारण गालियां देते हुए मारपीट करने लगा और जमीन उसके नाम न करने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले की शिकायत चौकी बिरधा में की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कोडीन सिरप की अवैध बिक्री का भंडाफोड़, फार्मा संचालक गिरफ्तार, करीब 9 लाख रुपये फ्रीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केथाना कोतवाली पुलिस टीम ने कोडीन युक्त सिरप की अवैध बिक्री के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के बैंक खाते में जमा करीब 8 लाख 95 हजार रुपये भी फ्रीज कराए हैं। जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत ने बताया कि मामले की शुरुआत 8 दिसंबर 2025 को हुई थी, जब औषधि निरीक्षक अरविन्द कुमार ने थाना कोतवाली में तहरीर देकर जानकारी दी कि गणपति फार्मा, ग्राउंड फ्लोर, जामा मस्जिद रहमतगंज, गांधीनगर बस्ती का संचालक पंकज कुमार आपराधिक षड्यंत्र के तहत कोडीन युक्त सिरप की अवैध बिक्री कर रहा है। तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली में मु0अ0सं0 466/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 276, 277, 278, 318(4), 338, 336(3), 340(2) तथा एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(सी)/21(सी) में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

विवेचना के क्रम में थाना कोतवाली पुलिस टीम ने 28 जनवरी 2026 की रात करीब 8 बजकर 20 मिनट पर अभियुक्त पंकज कुमार पुत्र पुतुल साहनी को रोडवेज परिसर बस्ती से गिरफ्तार किया। पुलिस ने अवैध बिक्री से अर्जित धनराशि के रूप में अभियुक्त के खाते में जमा 8 लाख 95 हजार रुपये फ्रीज करा दिए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त पंकज कुमार, मोहल्ला ए-3/134 त्रिलोचन बाजार, थाना आदमपुर, जनपद वाराणसी का निवासी है। पुलिस के अनुसार मामले में अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली दिनेश चन्द्र चौधरी, निरीक्षक शुभनरायन दुबे, चौकी प्रभारी गांधीनगर उपनिरीक्षक सभाशंकर यादव और कांस्टेबल अभिषेक यादव शामिल रहे।

बीडीओ साहब आखिर कब रुकेगा ग्राम पंचायत बरहपुर में किसके सहारे भ्रष्टाचार हो रहा

●महिला रोजगार सेवक कुसुमलता निकली मनरेगा भ्रष्टाचार की मास्टर माइंड सचिव , टी ए , मनरेगा एपीओ व बीडीओ की लूट खसोट ग्राम पंचायत बरहपुर पर पड़ रही भारी01 पुराना फर्जी फोटो 04 मनरेगा कार्यों में हो रहा प्रयोग , बना जांच का विषय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले केहरैंया ग्राम पंचायत बरहपुर में महिला रोजगार सेवक कुसुमलता खुले आम मनरेगा एक्ट की धज्जियां उड़ा रही है । महिला रोजगार सेवक कुसुमलता 01 पुराना व फर्जी फोटो का इस्तेमाल ग्राम पंचायत बरहपुर में 04 आनलाइन चल रहे मनरेगा कार्यों में प्रयोग कर रही है । मनरेगा आनलाइन साइड पर 04 मनरेगा कार्यों में 01 ही पुराना व फर्जी फोटो अपलोड होने पर जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के भ्रष्टाचार की पोल खोल रहा है । सूत्रों की माने तो गर्मी के समय में मनरेगा कार्यों में प्रयोग किया गया फोटो वर्तमान समय में मिट्टी कार्य, खड़ंजा कार्य, इण्टरलांकिंग कार्य आदि कार्यों में प्रयोग किया जा रहा है लेकिन सचिव, टी ए, मनरेगा एपीओ व खण्ड विकास अधिकारी हरैया भ्रष्टाचारी महिला ग्राम प्रधान क्रान्ती देवी के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाए अपने - अपने हिस्से के कमीशन बाजी में लगे हुए हैं । महिला ग्राम प्रधान क्रान्ती देवी सभी जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों को कमीशन का लालच देकर सरकारी धन को लूटने के फिराक में जुटी है । महिला रोजगार सेवक उच्च अधिकारियों के आंख में धूल झोंककर उल्टा सीधा मनरेगा मजदूरों का फोटो अपलोड कर धीरे - धीरे आनलाइन जारी फर्जी मस्टर रोल को पूर्ण कर रही है और महिला ग्राम प्रधान से वाह वाही लूट रही है । महिला ग्राम प्रधान व महिला रोजगार सेवक के द्वारा की जा रही लूट खसोट की चर्चा जिले में तेज हो गई है । रोजगार सेवक कुसुमलता के द्वारा मनरेगा कार्यों में अपलोड किया जा रहा फर्जी फोटो ही ग्राम पंचायत बरहपुर के भ्रष्टाचार की परत खोल रहा है यदि जिम्मेदारों द्वारा ग्राम पंचायत बरहपुर के मनरेगा भ्रष्टाचार मामले का संज्ञान लिया तो ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक के लूट खसोट का पर्दाफाश हो सकता है और कई जिम्मेदारों पर गाज गिर सकती है । उक्त प्रकरण में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने कहा कि जांच कराकर जारी आनलाइन फर्जी मस्टर रोल जोरो होगा । और दोषी सचिव और प्रधान पर कार्रवाई होगी।

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा, पुलिस व एसएसबी की संयुक्त गश्त तेज

●हर चेक पोस्ट पर वाहनों व यात्रियों की सघन जांच, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किए जाने के उद्देश्य से बलरामपुर पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम द्वारा लगातार भ्रमण व पैदल गश्त करते हुए सभी प्रमुख चेक पोस्टों पर आने-जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में की जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर त्रिलोकपुर नाका (थाना पचपेड़वा), गुरुंग नाका, पटोली नाका (थाना हरैया) सहित अन्य चेक पोस्टों पर पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात है।

संयुक्त टीम द्वारा भारत-नेपाल सीमा के मुख्य मार्गों पर सतर्कता बरतते हुए प्रत्येक व्यक्ति व वाहन की गहन जांच की जा रही है। सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर पूर्ण विराम लगाने के उद्देश्य से सीमावर्ती थानों की पुलिस एवं एसएसबी के बीच निरंतर समन्वय स्थापित किया गया है। इसके साथ ही सीमा से सटे गांवों में ग्राम सुरक्षा समिति एवं संभ्रांत नागरिकों को जागरूक करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी, मानव व गौ-तस्करी, अवैध कटान तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस व उच्चाधिकारियों को देने के लिए प्रेरित किया गया है, ताकि असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सीमा क्षेत्र की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इंडो-नेपाल बॉर्डर पर चौकसी लगातार बनाए रखी जाएगी।

समाजसेविका कंचन गुप्ता बनी महिला नेतृत्व की प्रेरणादायी मिसाल

●नारी को अधिकारों के साथ कर्तव्यों से जोड़ने का दिया सशक्त संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। समाजसेविका एवं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष कंचन गुप्ता ने अपने विचारों, कार्यशैली और सामाजिक सक्रियता से महिला नेतृत्व की एक सशक्त, संतुलित और प्रेरणादायी छवि प्रस्तुत की है। रामगंज में आयोजित महिला सशक्तिकरण, जागरूकता एवं महिला संवाद सम्मेलन में उन्होंने नारी शक्ति को केवल अधिकारों तक सीमित न रखकर कर्तव्यों, संस्कारों और राष्ट्रधर्म से जोड़ने का प्रभावशाली संदेश दिया। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल रामगंज अध्यक्ष दीपक अग्रहरि द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में समाजसेविका कंचन गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। महिला अधिकार, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता पर उनके विचारों ने उपस्थित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि नारी किसी एक वर्ग या आंकड़े तक सीमित नहीं है, बल्कि वह संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। परिवार से लेकर समाज और राष्ट्र तक संस्कारों की मशाल नारी ही जलाती है।अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय इतिहास और परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। मां दुर्गा, माता सीता और रानी पद्मिनी जैसी वीरांगनाएं नारी शक्ति की प्रतीक हैं, जिन्होंने मर्यादा, त्याग और राष्ट्र रक्षा का मार्ग प्रशस्त किया।कंचन गुप्ता ने वर्तमान समय में नारी सम्मान से जुड़ी चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अमर्यादित आचरण और कानूनों के दुरुपयोग से समाज की सोच प्रभावित होती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सशक्त नारी वही है जो सत्य, मर्यादा और विवेक को अपना शस्त्र बनाए, न कि कानून का दुरुपयोग करे। अधिकारों के साथ कर्तव्यों की जागरूकता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने कहा कि जब नारी सशक्त होती है, तो परिवार मजबूत होता है, परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र अजेय बनता है। सम्मेलन में लगभग 200 महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रामकरण (महामंत्री) ने की। इस अवसर पर सुनीता अग्रहरि, मंजू, अर्चना, नीलम, प्राची सहित प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमूह ने कंचन गुप्ता के विचारों की सराहना करते हुए उन्हें महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

ललितपुर। थाना बार क्षेत्रांतर्गत ग्राम हीरापुर हनुपुरा में रहने वाली बागवेन्द्र पुत्र सुखमाल ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती 17 जनवरी को रात करीब 2 बजे उसके पिता सुखमाल पुत्र रज्जू लाल लोधी अपनी मोटरसाइकिल संख्या यूपी.94 ए.एफ. 4097 से स्टेशन अपने रिश्तेदार को छोड़कर घर हीरापुर लौट रहा था। वह मन्नू पेट्रोल पम्प के पास मृगासन देवी मंदिर के पास पहुंचे ही थे कि तभी अज्ञात वाहन ने तेजी व लापरवाही से चलाते हुए जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गये, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125 (बी) व 106 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

संक्षिप्त खबरें

क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन को लेकर तहसील प्रशासन सक्रिय अवैध खनन कर रहे दो ट्रैक्टरों को किया गया सीज

महराजगंज रायबरेली। क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन को लेकर तहसील प्रशासन सक्रिय हो गया है। गुरुवार को क्षेत्र कलंदरगंज के पास दिन में अवैध खनन कर रहे दो ट्रैक्टरों को पुलिस नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी के आदेश पर जब्त कर लिया है। अवैध खनन की शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी ने कोतवाली पुलिस को दिन दहाड़े खनन कर रहे दो ट्रैक्टरों को जब्त करने के निर्देश दिए हैं। नाम न छापने की शर्त पर स्थानीय लोगों ने बताया कि नवोदय विद्यालय के पीछे, कलंदरगंज क्षेत्र में कई दिनों से खनन माफिया दिनदहाड़े ट्रैक्टरों और मशीनों के ज़रिये मिट्टी खनन कर रहे हैं। मामले में पुलिस अनजान बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप यह भी है कि बिना पुलिस की जानकारी के दिन में अवैध खनन करना मुमकिन नहीं है। नायब तहसीलदार उमेश चंद्र त्रिपाठी के निर्देश पर खनन में लगे ट्रैक्टरों और खुदाई करने वाली मशीन को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। उपजिलाधिकारी गौतम सिंह ने बताया कि अवैध खनन कर रहे दो ट्रैक्टरों को सीज किया गया है। खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

नंदौली गाँव में 500 जरूरतमंदों को बांटे गए कंबल, 8 वर्षों से जारी सेवा अभियान की ग्रामीणों ने की सराहना

लखनऊ। मोहनलालगंज के नंदौली गाँव स्थित पंचायत भवन में सरल केयर फ़ाउंडेशन ट्रस्ट, बाबू सुंदर सिंह फ़ाउंडेशन और एमडी ट्रेड लाइन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 500 से अधिक जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। पिछले आठ वर्षों से निरंतर चल रहे इस सेवा अभियान के दौरान मुख्य अतिथि आनंद शेखर सिंह व रीना सिंह ने इसे सामाजिक जिम्मेदारी बताया, वहीं एमडी ट्रेड लाइन के प्रबंध निदेशक मुरलीधर आनंदीलाल शर्मा व ममता शर्मा ने इसे आत्मसंतोष का माध्यम कहा। सरल केयर फ़ाउंडेशन की अध्यक्ष रीता सिंह ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए भविष्य में भी सहायता जारी रखने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रीना सिंह, डॉ. के.के. सिंह, डॉ. आलोक शुक्ला और अधिवक्ता राजेश तिवारी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में ग्रामीणों ने संस्था के इस मानवीय कार्य की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

यूजीसी कानून के विरुद्ध स्वर्ण समाज ने राष्ट्रपति को संबोधित उप जिलाधिकारी बिसवां को सौंपा ज्ञापन

बिसवां/सीतापुर। भारत सरकार द्वारा 13 जनवरी 2025 को लागू विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) कानून को लेकर सवर्ण समाज में रोष व्याप्त है। इस संबंध में राष्ट्रपति महोदय एवं उपजिलाधिकारी बिसवां को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में यूजीसी नियमावली में कॉलेजों में जाति-आधारित भेदभाव की शिकायतों के लिए हेल्पलाइन, ऑनलाइन पोर्टल तथा इक्विटी कमेटी व इक्विटी स्क्वाड के गठन को अनिवार्य किए जाने पर आपत्ति जताई गई। ज्ञापनकर्ताओं का कहना है कि यह व्यवस्था योग्यता (मेरिट) के विरुद्ध है और इससे सामान्य वर्ग के छात्रों के झूठे मुकदमों में फंसने की आशंका बढ़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह नियम शैक्षणिक उत्कृष्टता के बजाय जाति-आधारित राजनीति को बढ़ावा देता है, जिससे सवर्ण समाज के छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्ञापन में दो सप्ताह के भीतर कानून वापस न लिए जाने पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, CJI जस्टिस सूर्यकांत बोले—अगले आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (GC) द्वारा जारी किए गए नए इक्विटी नियमों (UGC Equity Regulations, 2026) पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि जब तक इस मामले में कोई नया आदेश नहीं दिया जाता, तब तक वर्ष 2012 के त्रष्ट नियम ही लागू रहेंगे। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बुधवार को सुनवाई के दौरान दिया। GC के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि नियमों की भाषा अस्पष्ट है और इनके दुरुपयोग की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों के क्रियान्वयन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया।

कोर्ट की अहम टिप्पणी

सुनवाई के दौरान CJI जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब किसी नियम की व्याख्या स्पष्ट नहीं होती, तो उसका गलत इस्तेमाल संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में ऐसे प्रावधानों का लागू होना गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि किसी भी नियामक व्यवस्था का उद्देश्य समानता और न्याय सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि भ्रम और विवाद को जन्म देना।

2012 के नियम रहेंगे प्रभावी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में साफ किया कि त्रष्ट के 2012 के नियम ही फिलहाल प्रभावी रहेंगे। इसका मतलब यह है कि देशभर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में नए इक्विटी नियमों के तहत कोई नई व्यवस्था लागू नहीं होगी।

नए नियमों को लेकर विवाद

UGC के 2026 के नए नियमों में प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में इक्विटी कमेटी के गठन और भेदभाव से जुड़े मामलों की निगरानी के लिए विशेष तंत्र बनाने का प्रावधान था। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि नियमों के कई प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इससे संस्थानों की स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है, साथ ही मनमानी कार्रवाई की गुंजाइश भी बनती है।

केंद्र को समिति बनाने का सुझाव

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि इन नियमों की व्यापक समीक्षा के लिए शिक्षाविदों और विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाए, ताकि सभी पक्षों से विचार-विमर्श कर अधिक संतुलित और स्पष्ट नियम बनाए जा सकें।

अगली सुनवाई

मामले की अगली सुनवाई तक नए नियम लागू नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को उच्च शिक्षा क्षेत्र में एक अंतरिम राहत के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही, यह आदेश सरकार और त्रष्ट के लिए नियमों को अधिक स्पष्ट, व्यावहारिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

विगत 6 दिनों से जारी निर्माण कार्य, कोर्ट के स्थगन के क्रम में तहसीलदार ने रोका

पीड़ित 6 दिनों से पुलिस से काम रुकवाने की लगा रहा था गुहार

महराजगंज रायबरेली। माननीय न्यायालय के स्थगन के बावजूद हो रहे निर्माण को तहसीलदार के हस्ताक्षेप पर रोका गया आपको बताते चलें कि, मामला कस्बा स्थित भूमि संख्या 254 खेवट रकबा 0. 096 जो मकसूद अली आदि के नाम दर्ज कागजात है जिसको लेकर माननीय सिविल न्यायालय द्वारा मौके पर यथा स्थिति बनाए रखे जाने संबंधी आदेश पारित किया था किंतु शिकायतकर्ता का आरोप है कि स्थानीय पुलिस की मिली भगत से विपक्षी रामसुमिरन पुत्र ननकऊ लगातार विवादित भूमि पर निर्माण कर रहे हैं जिसको लेकर शिकायतकर्ता ने तहसील की मुखिया तहसीलदार मंजुला मिश्रा से किया तहसीलदार ने दोनों पक्षों को तलब कर मौके पर यथा स्थिति बनाए जाने के लिए निर्देशित किया तथा कहा कि स्थगन के बावजूद अगर किसी ने निर्माण किया तो विधिक कार्यवाही की जायेगी।

अनुरक्षण की कमी से डिरेल हुआ था डीजल इंजन

● देर रात पटरी पर चढ़ाया गया, डीज़ल इंजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के चकपंचम गांव के पास किलोमीटर संख्या एमसीएफ-04 के निकट बुधवार को डीजल इंजन ट्रैक की नियमित मरम्मत की कमी के कारण डिरेल हुआ था। इंजन को पटरी में चढाने के बाद ट्रैक की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। यह इंजन आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) में कोच लेने जा रहा था। दोपहर 14:32 बजे अचानक इंजन पटरी से उतर गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे महकमे में हड़कंप मच गया। इंजन के डिरेल होने के बाद उसे दोबारा पटरी पर लाने के प्रयास शुरू किए गए। मौके पर रेलवे के तकनीकी कर्मचारी और अधिकारी पहुंच गए। काफी देर तक प्रयास किए गए लेकिन शुरुआती कोशिशों में सफलता नहीं मिली। इसके बाद लखनऊ से एक्सीडेंटल रिलीफ ट्रेन को मौके पर बुलाया गया। काफी मशक्कत के बाद देर रात 23:21 बजे इंजन को पटरी पर चढ़ाया जा सका। इसके बाद इंजन को रात में ही लालगंज स्टेशन के आउटर पर लाया गया। अधिकारियों के अनुसार रात करीब 2:15 बजे इंजन को सुरक्षित रूप से आउटर पर खड़ा कर दिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में इंजन के डिरेल होने का कारण ट्रैक के नियमित अनुरक्षण में कमी माना जा रहा है। ट्रैक की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इसी वजह से इंजन पटरी से उतर गया।हालांकि विस्तृत जांच के बाद ही अंतिम कारण स्पष्ट हो सकेगा। घटना के बाद ट्रैक की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक के रखरखाव की समीक्षा भी की जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हो। फिलहाल डिरेल हुए इंजन स्टेशन के आउटर पर खड़ा है। स्टेशन मास्टर अमित राजवंशी ने बताया कि रेल इंजन को रात 23:21 पर पटरी पर चढ़ा लिया गया। उसे स्टेशन के आउटर पर खड़ा किया गया है। उधर आरेडिका के पीआरओ अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि घटना उनके फैक्ट्री परिसर की नहीं है। इस संबंध में पता लगाया जा रहा है।

मलिहाबाद के अटौरा में जल जीवन मिशन की खुली पोल: इंजीनियर ने कहा - 'तनख्वाह नहीं तो काम नहीं'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद (लखनऊ): उत्तर प्रदेश के लखनऊ जिले के मलिहाबाद विकासखंड के ग्राम अटौरा में जल जीवन मिशन योजना के तहत बनी पेयजल टंकी और पाइपलाइन की बदहाली ने ग्रामीणों का जीवन दूभर कर दिया है। प्राथमिक विद्यालय के बच्चे स्कूल पहुंचने के लिए गंदे, कीचड़ भरे पानी से गुजरने को मजबूर हैं, जबकि सड़कें पाइपलाइन के रिसाव से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं।ग्रामीणों के अनुसार, जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्थापित पानी की टंकी से जुड़ी पाइपलाइन में कई जगहों पर भारी रिसाव हो रहा है। इससे न केवल पानी की बर्बादी हो रही है, बल्कि सड़कों पर गड्ढे बन गए हैं और कीचड़ फैलने से आवागमन बुरी तरह प्रभावित है। खासकर स्कूल जाने वाले छोटे बच्चे इस गंदे पानी से होकर गुजरते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है।ग्राम प्रधान ने इस समस्या को लेकर कई बार लिखित आवेदन संबंधित अधिकारियों को सौंपा, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना की देखभाल जिम्मेदार इंजीनियर वरुण ने प्रधान और गांव वालों से अभद्र भाषा में बात की और साफ कहा, 'मुझे तनख्वाह नहीं मिल रही है, इसलिए कोई काम नहीं करूंगा। जब तक पेमेंट नहीं होगा, काम नहीं होगा। जो करना है कर लें। 'इस बयान से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। कई लोग इसे सरकारी योजनाओं के प्रति लापरवाही और जिम्मेदारी से पलायन का उदाहरण मान रहे हैं। एक ग्रामीण ने बताया, 'मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन का नाम तो सुना था, लेकिन यहां तो पानी की बजाय परेशानी पहुंच रही है। बच्चे स्कूल कैसे जाएंगे? सड़कें टूट चुकी हैं, कोई सुनवाई नहीं। 'स्थानीय लोग अब उच्च अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। उन्होंने जल निगम, जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि पाइपलाइन की मरम्मत तुरंत कराई जाए, रिसाव रोका जाए, सड़कों की बहाली हो और इंजीनियर की अभद्रता पर कार्रवाई की जाए ताकि योजना का वास्तविक उद्देश्य पूरा हो सके।यह मामला ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं की क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों को उजागर करता है, जहां इंफ्रास्ट्रक्चर की खराब मेंटेनेंस और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता से आम जनता सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है।

भीषण सड़क हादसा पिता पुत्र की मौत, बाइक सवार पत्नी और तीन वर्षीय बेटा घायल, रोलर जब्त चालक फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर के थानगांव थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। रेउसा-महमूदाबाद मार्ग पर सोहलिया गांव के सामने हुए भीषण हादसे में बाइक सवार पिता और उसके मासूम बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी और दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार महेशपुर गांव निवासी लवकुश (25) पुत्र सम्बारी गुरुवार दोपहर अपनी पत्नी बीनू (23) और दो पुत्रों संगम व पीयूष के साथ बाइक से ससुराल जा रहा था। दोपहर करीब 4 बजे जैसे ही उनकी बाइक सोहलिया गांव के सामने पहुंची, तभी सामने से आ रहे एक रोड रोलर से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि लवकुश और उसके 5 वर्षीय पुत्र संगम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पत्नी बीनू और छोटा पुत्र पीयूष गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थानगांव पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों को तत्काल सीएचसी रेउसा पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया पुलिस ने दुर्घटना में शामिल रोड रोलर को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और अचानक आमने-सामने की टक्कर माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी!!

मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही द्वाराएच0 डब्लू 0सी0 केद्रो का निरीक्षण

भदोही। मुख्य चिकित्सा अधिकारी भदोही डॉक्टर संतोष कुमार चक द्वाराएच0डब्लू0सी0, अभियां- का दिनांक 29.01.2026 को अपरान्ह् 15.30 बजे एच0डब्लू0सी0, अभियां का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त सी0एच0ओ0 द्वारा बताया गया कि पंचायत सहायक, श्री अमरेश मौर्या, शालु पाल एवं पुजा यादव के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने में कोई भी सहयोग नही किया जा रहा है। 140 लाभार्थीयों में से 76 का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है एवं 15 मृतक है। पंचायत भवन पट्टीबेजॉव - आज दिनांक 29.01.2026 को अपरान्ह् 16.10 बजे पंचायत भवन पट्टीबेजॉव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त सी0एच0ओ0 द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा आज 12 आयुष्मान कार्ड बनाये गये मधु बिन्द, पंचायत सहायक के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने में सहयोग नही किया जा रहा है। एच0डब्लू0सी0, मतेथु -2- आज दिनांक 29.01.2026 को अपरान्ह् 17.00 बजे एच0डब्लू0सी0, मतेथु द्वितीय- का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त सी0एच0ओ0 कु0 मोहनी वर्मा द्वारा बताया गया कि पंचायत सहायक की नियुक्ति उनके ग्राम सभा पर नही है। मोहनी वर्मा द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा था।

यूजीसी बिल का विरोध, बूथ अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

हमीरपुर :- सुमेरपुर क्षेत्र के टेढ़ा निवासी भाजपा बूथ अध्यक्ष ने मंडल अध्यक्ष पूर्वी को त्यागपत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि वह यूजीसी के लागू किए जाने से बेहद आहत है। भाजपा के टेढ़ा गांव के बूथ अध्यक्ष रोहित सिंह ने मंडल अध्यक्ष पूर्वी को भेजे इस्तीफे में स्पष्ट किया है कि उन्होंने अपने जीवन काल में हमेशा भाजपा को वोट दिया है लेकिन सरकार द्वारा ले गए यूजीसी से भावना आहत हुई है। हम अपने आने वाले पीढ़ी के बच्चों का भविष्य बर्बाद होते नहीं देखना चाहते हैं लिहाजा वह बूथ अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे रहे हैं। उन्होंने अपना त्याग पत्र सोशल मीडिया में भी वायरल किया है। जिसमें लोगों ने तरह-तरह की कमेंट्स किये है। बूथ अध्यक्ष का त्याग पत्र चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्वी मंडल अध्यक्ष रणवीर सिंह ने बताया कि बूथ अध्यक्ष का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। उसे समझा बुझाकर पार्टी में कार्य करने को तैयार किया जा रहा है।

घर के अंदर खून से लथपथ मिला युवक का शव,आत्महत्या की आशंका

● युवक घर पर अकेले ही रहता था, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के मधुकरपुर गांव में बृहस्पतिवार को एक युवक का शव उसके घर में पड़ा मिला। घटना से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजकुमार उर्फ गुड्डू (28) पुत्र स्वा छोटेलाल घर में अकेला रहता था। उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। आसपास के लोग उसे खाना-पानी देते थे। बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजे पड़ोसी उसके घर पहुंचे। कमरे की फर्श पर वह चित अवस्था में खून से लथपथ पड़ा था। उसकी बाई आंख और सिर के पीछे हिस्से से खून निकल रहा था। उंगलियों में भी चोट के निशान मिले। कमरे की छत पर साड़ी लटकी हुई थी। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की बहन सुनीता, निवासी मीर मीरानपुर गांव डलमऊ की सूचना पर कार्रवाई की गई। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट होंगे।

यूपी दिवस 2026 'इन्वेस्ट यूपी' स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

● निवेश के पथ पर यूपी की लंबी छलांग

विकसित भारत का आधार बनेगा उत्तर प्रदेशः वैश्य नटवर गोयल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के उत्तर प्रदेश दिवस 2026 के अवसर पर राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल में राज्य की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' का स्टॉल आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना। इस स्टॉल के माध्यम से उत्तर प्रदेश को देश के सबसे अग्रणी और आकर्षक 'इन्वेस्टमेंट हब' के रूप में प्रस्तुत किया गया। स्टॉल में राज्य की तेज़ी से बढ़ती निवेश क्षमता, मजबूत बुनियादी ढांचे और निवेश अनुकूल वातावरण को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस विजन के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य उत्तर प्रदेश को विकास के नए शिखर पर ले जाना है। गोयल ने कहा, 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए 'विकसित उत्तर प्रदेश' का निर्माण अनिवार्य है और यह प्रक्रिया अत्यंत तीव्र गति से जारी है।' उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश भारत की प्रगति का एक पूर्ण विकसित स्तंभ बनेगा। उत्तर प्रदेश को देश की धड़कन बताते हुए उन्होंने राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल को परिवर्तन के एक जीवंत प्रतीक के रूप में सराहा। अपने संबोधन में वैश्य नटवर गोयल ने कहा उत्तर प्रदेश को 45 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य का आईटी निर्यात 82, 000 करोड़ को पार कर चुका है और उत्तर प्रदेश तेजी से डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का उभरता हुआ केंद्र बन रहा है। इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए 'इन्वेस्ट यूपी' स्टॉल पर निवेशकों के लिए संभावनाओं का द्वार खोला गया। यहाँ मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, एमएसएमई, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में निवेश अवसरों को प्रमुखता से दर्शाया गया। साथ ही, आगंतुकों को राज्य की नीतियों, प्रोत्साहनों और निवेशक सहायता तंत्र की विस्तृत जानकारी भी दी जा रही है। स्टॉल पर बड़ी संख्या में निवेशकों, उद्यमियों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं एमएसएमई निवेशकों ने भ्रमण कर इन्वेस्ट यूपी अधिकारियों से संवाद किया और परियोजना स्वीकृतियों से लेकर जमीनी क्रियान्वयन तक मिलने वाले सहयोग की जानकारी प्राप्त की। आगंतुकों ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों, सिंगल विंडो पंजीकरण, निवेश प्रोत्साहनों तथा स्वीकृति प्रक्रियाओं को लेकर विशेष रुचि दिखाई।

जर्जर पुल के स्थान पर बनाए जा रहे नए पुल का निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से क्षेत्रीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। महराजगंज-इन्हौना मार्ग पर स्थित कैर नईया नाला पर पुराने, संकरे व जर्जर पुल के स्थान पर बनाए जा रहे नए पुल का निर्माण कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है, जिससे क्षेत्रीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि, यदि कार्यदाई संस्था ने निर्माण कार्य में शीघ्रता नहीं दिखाई तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों व कार्यदाई संस्था की होगी। आपको बता दें कि, कैर नईया नाला पर नए पुल का निर्माण कार्य अप्रैल 2025 में शुरू हुआ था। पुराने पुल को तोड़ने के बाद चार पिलरों को खड़ा करने का कार्य प्रारंभ किया गया। प्रत्येक पिलर को 17-17 मीटर तक जमीन के अंदर स्थापित किया जाना है, लेकिन लगभग 9 माह बीत जाने के बावजूद पिलर केवल 10 मीटर तक ही गाड़े जा सके हैं। अभी प्रत्येक पिलर को सात-सात मीटर और गहराई में ले जाना शेष है। शेष गहराई तक पिलरों को गाड़ने में कार्यदाई संस्था को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साइट पर मौजूद टेक्नीशियन करन सिंह के अनुसार मिट्टी अत्यधिक चिकनी होने के कारण पिलर चारों ओर से जकड़ जा रहे हैं, जिससे वे नीचे नहीं धंस पा रहे हैं। इंजीनियर ने बताया कि, पिलरों पर 50 टन तक अतिरिक्त भार डालने के बावजूद भी कोई खास सफलता नहीं मिली है। इस कार्य में क्रेन, जेसीबी मशीनों के साथ-साथ पानी निकालने के लिए 25 एचपी और 10 एचपी की दो मोटरें भी लगाई गई हैं, फिर भी समस्या जस की तस बनी हुई है। इंजीनियर के अनुसार आगामी शुक्रवार को डी-वाटरिंग का कार्य कराया जाएगा। यदि इसके बाद भी पिलर नीचे नहीं गए तो उन पर और अधिक अतिरिक्त भार बढ़ाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, कैर नईया नाला पुल का निर्माण कार्य अंबर कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कराया जा रहा है, जिसकी प्रगति बेहद धीमी बताई जा रही है। इसको लेकर सामाजिक कार्यकर्ता श्रीकांत त्रिपाठी, पूर्व प्रधान राम लखन यादव, पूर्व प्रधान गंगाराम, समाजसेवी द्वारिका सिंह, डॉ. टी.पी. यादव एवं पंडित समर बहादुर पांडेय ने चेतावनी दी है कि, यदि आगामी छह माह के भीतर पुल निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ तो क्षेत्रवासी बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कार्यदाई संस्था की होगी।

अज्ञात कारणों से तीन दुकानों में भीषण आग, लाखों रूपए का नुकसान

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित सरेनी रोड पर बुधवार रात तीन दुकानों में भीषण आग लग गई। आग से दो कॉस्मेटिक और एक कपड़े की दुकान पूरी तरह जल गई। दुकानों में रखा सारा सामान राख हो गया। घटना की जानकारी दुकानदारों को सुबह हुई। सूदनखेड़ा मोहल्ला निवासी कमलेश कुमारी और उनके पति छोटेलाल की अगल-बगल कॉस्मेटिक की दुकानें थीं। दोनों दुकानें टीन शेड में बनी थीं। अज्ञात कारणों से आग लग गई। सुबह राहगीरों ने धुआं उठता देखा। सूचना पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक सारा सामान जल चुका था। छोटेलाल ने करीब आठ लाख रुपये के नुकसान की बात कही। आग की चपेट में बगल की कपड़े की दुकान भी आ गई। यह दुकान बेचू का पुरवा गांव निवासी संदीप पुत्र वीरेंद्र की थी। संदीप ने बताया कि दुकान में करीब दस लाख रुपये का माल था। वह कर्ज लेकर ऊनी कपड़े भरे थे। सब कुछ जलकर नष्ट हो गया। दुकानदारों ने रंजिशन आग लगाए जाने की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कमलापुर चीनी मिल में बढ़ती अनियमितताएँ, कर्मचारी असंतोष और आंदोलन की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। कमलापुर शुगर फैक्ट्री एक बार फिर आरोपों और असंतोष के कारण चर्चा में है। फैक्ट्री में कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर संगठन की ओर से प्रबंधन से वार्ता की गई, जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि यदि यूनिट हेड और फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो कर्मचारियों और संगठन को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है। संगठन की ओर से यह भी कहा गया कि कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर पहले ही कई स्तरों पर संवाद, निवेदन और लिखित-अलिखित प्रयास किए जा चुके हैं। इसके बावजूद यदि समस्याएँ बनी रहती हैं, तो इसकी जिम्मेदारी फैक्ट्री प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों की मानी जाएगी। कमलापुर शुगर फैक्ट्री में लंबे समय से कर्मचारियों के साथ भेदभाव और नियमों की अनदेखी के आरोप लगाए जाते रहे हैं। स्थानीय लोगों और पूर्व से सेवारत श्रमिकों के साथ असमान व्यवहार, नियुक्तियों में पारदर्शिता की कमी, मेकअप स्टाफ और संविदा कर्मियों के चयन को लेकर सवाल तथा वर्षों से कार्यरत मजदूरों की अनदेखी जैसे मुद्दे लगातार सामने आते रहे हैं। आरोप है कि इनकी जगह बाहरी कर्मियों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे असंतोष की स्थिति बनी हुई है। यह स्थिति श्रम कानूनों की भावना के विपरीत मानी जा रही है और सामाजिक न्याय व स्थानीय रोजगार की अवधारणा पर भी प्रभाव डाल रही है। यह पहला अवसर नहीं है जब कमलापुर शुगर फैक्ट्री को लेकर विरोध दर्ज कराया गया हो। इससे पूर्व भी स्थानीय किसानों, श्रमिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और समाज के जागरूक नागरिकों द्वारा धरना-प्रदर्शन, ज्ञापन और शिकायतें की जाती रही हैं। हालांकि, इन प्रयासों के बाद भी प्रबंधन स्तर पर ठोस सुधारात्मक कदम न उठाए जाने के कारण असंतोष बना रहा। उल्लेखनीय है कि यह शुगर फैक्ट्री एनआर इंफकॉम कंपनी द्वारा सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से अधिग्रहित की गई थी। उस समय यह अपेक्षा की जा रही थी कि फैक्ट्री का संचालन पारदर्शी होगा, श्रमिकों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा और किसानों व स्थानीय समाज के हितों की रक्षा की जाएगी। लेकिन फैक्ट्री के पुनः संचालन की प्रक्रिया के दौरान प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं, जिससे इन अपेक्षाओं पर संदेह उत्पन्न हुआ है। संगठन की ओर से यह संकेत दिया गया है कि यदि समय रहते कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान, भेदभावपूर्ण नीतियों का अंत, नियमों के अनुरूप नियुक्तियाँ और श्रमिकों को उनके वैधानिक अधिकार सुनिश्चित नहीं किए गए, तो आंदोलन किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जिम्मेदारी फैक्ट्री प्रबंधन पर होगी। कमलापुर शुगर फैक्ट्री केवल एक औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों श्रमिकों, किसानों और स्थानीय परिवारों की आजीविका से जुड़ी हुई है। ऐसे में प्रबंधन से अपेक्षा की जा रही है कि वह संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ समस्याओं का समाधान करे, ताकि स्थिति किसी व्यापक जनआंदोलन की ओर न बढ़े।

शब्दों से युद्ध तक: 'अगला हमला' और बदलती वैश्विक रणनीति

[भयानक हमला: चेतावनी या आत्म-घोषित युद्ध?]

[ईरान सिर्फ बहाना? ट्रंप की धमकी के पीछे छिपा बड़ा खेल]

वॉशिंगटन की जमी हुई राजनीतिक हवा में जब यह वाक्य उछला– 'अगला हमला बहुत भयानक होगा '–तो वह महज़ चेतावनी नहीं रहा, बल्कि भविष्य के अंधेरे की ओर फेंका गया एक साया बन गया। डोनाल्ड ट्रंप के शब्द कभी सामान्य नहीं होते; वे संकेत होते हैं, इशारे होते हैं, और कई बार इतिहास की धुरी मोड़ देने वाली घोषणाएँ भी, जैसे जनवरी 2026 में ट्रूथ सोशल पर उनकी पोस्ट में 'द नेक्स्ट अटैक विल बी फ़ार वर्स!' का उद्घोष। 2026 की दहलीज़ पर खड़ी दुनिया, जो महामारी की थकान, जलवायु आपदाओं और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, इस वाक्य को सुनकर सिहर उठी। यह बयान युद्ध की औपचारिक घोषणा भले न हो, लेकिन उसकी गंध साफ महसूस होती है। यह डर भी पैदा करता है, भ्रम भी रचता है और पूरी मानवता को इस बेचैनी में डाल देता है कि अगली तबाही किस दिशा से आएगी। स्वाभाविक है कि इस धमकी की सुई सबसे पहले ईरान पर जाकर टिकती है। अमेरिका और ईरान के संबंध दशकों से अविश्वास, प्रतिबंधों और टकराव की आग में जलते रहे हैं। परमाणु महत्वाकांक्षाएँ, इज़रायल के साथ छद्म युद्ध और फारस की खाड़ी में बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ पहले ही हालात को बारूद बना चुकी हैं। ऐसे माहौल में ट्रंप का यह बयान, और उसके साथ क्षेत्र में बढ़ती अमेरिकी सैन्य मौजूदगी, किसी संकेत से कम नहीं। यह साफ झलक देता है कि ईरान को चेताया जा रहा है कि अगर परमाणु डील नहीं हुई, तो अगला हमला पिछले (जून 2025 के स्ट्राइक्स) से 'फ़ार वर्स' होगा।

ईरान की भीतरी हालत इस धमकी को और भी भयावह बना देती है। आर्थिक बदहाली, मुद्रा का गिरता मूल्य, बेरोजगारी और युवाओं के बीच पनपता असंतोष–इन सबके बीच सत्ता का कठोर रवैया समाज की जड़ों को कमजोर कर रहा है। ट्रंप की भाषा मानो यह संदेश देती है कि अमेरिका इन दरारों को रणनीतिक अवसर की तरह देख रहा है। लेकिन इतिहास बार-बार यही सवाल उठाता है–क्या बाहरी सैन्य दबाव किसी देश को सुधार सकता है, या वह केवल अराजकता को और गहरा करता है? अनुभव बताता है कि ऐसे हमलों का सबसे भारी बोझ हमेशा सत्ता पर नहीं, बल्कि आम नागरिकों के कंधों पर ही टूटता है। फिर भी ट्रंप की इस धमकी को केवल ईरान तक सीमित मानना एक गंभीर भूल होगी। उनकी राजनीति की सबसे पहचानने योग्य विशेषता यही है कि वह जानबूझकर अस्पष्ट रखी जाती है। रूस, जो यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिम से सीधे टकराव की स्थिति में है, आज भी अमेरिकी रणनीतिक सोच के केंद्र में बना हुआ है। चीन, जो ताइवान और दक्षिण चीन सागर में अपनी शक्ति का खुला प्रदर्शन कर रहा है, वॉशिंगटन के लिए एक दीर्घकालिक और निर्णायक चुनौती बन चुका है। वहीं उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम किसी भी क्षण हालात को विस्फोटक बना सकता है। हालांकि ट्रंप का यह स्पेसिफिक बयान ईरान पर केंद्रित है, लेकिन उनकी समग्र नीति (जैसे एनडीएस 2026) में चीन मुख्य थ्रेट है, और रूस/उत्तर कोरिया भी रडार पर बने हुए हैं। ऐसे परिदृश्य में 'अगला हमला' एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक खुला संदेश बन जाता है–जो भी अमेरिकी लाल रेखाएं पार करेगा, उसके लिए परिणाम सुरक्षित नहीं होंगे। आज के समय में युद्ध की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब लड़ाइयां केवल रणभूमि या सीमाओं तक सीमित नहीं रहीं। आर्थिक प्रतिबंध, साइबर हमले, सूचना युद्ध और कूटनीतिक दबाव आधुनिक युद्ध के सबसे प्रभावी हथियार बन चुके हैं। ट्रंप का यह बयान उसी मानसिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध का हिस्सा प्रतीत होता है। एक ही वाक्य वैश्विक बाजारों में भूचाल ला सकता है, तेल की कीमतों को आसमान पर पहुंचा सकता है और निवेशकों के भरोसे को डगमगा सकता है। आज शब्द मिसाइलों जितने ही घातक हो चुके हैं, और ट्रंप इस ताकत का इस्तेमाल करना भली-भांति जानते हैं। ट्रंप की इस रणनीति को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में 'ब्रिंकमैनशिप' कहा जाता है–यानी दुनिया को जानबूझकर कगार तक ले जाना, ताकि सामने वाला पहले पीछे हट जाए। यह रणनीति दिखने में प्रभावी लग सकती है, लेकिन इसमें जोखिम असाधारण रूप से ऊंचा होता है। कगार पर खड़े होकर संतुलन बिगड़ने में सिर्फ एक पल लगता है। यदि किसी संकेत को गलत समझ लिया गया, या किसी पक्ष ने जल्दबाजी में प्रतिक्रिया दे दी, तो सीमित टकराव भी पूर्ण युद्ध का रूप ले सकता है। खासकर तब, जब सामने खड़े देश भी तकनीकी और सैन्य रूप से सक्षम हों और पीछे हटने को तैयार न हों। ट्रंप स्वयं को शांति का सौदागर कहलाना पसंद करते हैं, लेकिन उनकी भाषा में शांति की नरमी कम और शक्ति का कठोर प्रदर्शन अधिक झलकता है। यही विरोधाभास उनकी राजनीति की स्थायी पहचान बन चुका है। उनका विश्वास है कि भय पैदा करके स्थिरता कायम की जा सकती है, जबकि इतिहास बार-बार साबित करता है कि डर अक्सर अस्थायी शांति और स्थायी संघर्ष को जन्म देता है। मध्य पूर्व पहले ही युद्ध, अस्थिरता और विभाजन की मार झेल रहा है। यदि वहां एक और बड़ा सैन्य टकराव भड़कता है, तो उसके झटके सीमाओं में नहीं रुकेंगे, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और सामूहिक सुरक्षा तंत्र को गहराई तक हिला देंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा नुकसान उस आम इंसान का होता है, जिसका किसी रणनीति, सत्ता या भू-राजनीतिक खेल से कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध की धमकियां नेताओं के भाषणों में जन्म लेती हैं, लेकिन उनकी कीमत नागरिक चुकाते हैं–घर उजड़ते हैं, रोज़गार छिन जाते हैं और डर रोज़मर्रा की जिंदगी का स्थायी साथी बन जाता है। ट्रंप की यह धमकी सुरक्षा का भरोसा नहीं देती, बल्कि अनिश्चितता और आशंका को और गहरा करती है। शायद यही कारण है कि इस बयान के बाद दुनिया के कई हिस्सों में बेचैनी और असहजता साफ महसूस की जा रही है। ट्रंप का वर्तमान निशाना मुख्य रूप से ईरान है, जहाँ 'मैसिव आर्मांडा' भेजे जाने की तैयारी दिखाई दे रही है और परमाणु डील की सख़्त माँग दोहराई जा रही है। यह बयान एक असहज करने वाली सच्चाई को उजागर करता है–2026 की दुनिया तकनीक, सूचना और ज्ञान में चाहे जितनी भी उन्नत क्यों न हो गई हो, उसकी मानसिकता अब भी युद्ध की पुरानी और भयावह परछाइयों से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सकी है। यदि सचमुच 'अगला हमला' हुआ, तो वह केवल भयानक ही नहीं होगा, बल्कि ऐसा गहरा घाव छोड़ेगा जिसे भरने में दशकों नहीं, शायद पीढ़ियाँ लग जाएँ। अब यह वैश्विक समुदाय पर निर्भर करता है कि वह भय और टकराव के रास्ते पर आगे बढ़ता है, या संवाद, संयम और विवेक का साहसिक विकल्प चुनता है।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

राष्ट्र की आत्मा शहीदों में बसती है और जब तक हम उन्हें स्मरण करते रहेंगे, तब तक भारत की चेतना जीवित रहेगी

30 जनवरी भारत के राष्ट्रीय कैलेंडर में केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि यह वह दिन है जो हमें हमारे राष्ट्र की आत्मा, उसके संघर्ष, उसके नैतिक मूल्यों और उन अनगिनत बलिदानों की याद दिलाता है जिनकी नींव पर आज़ाद भारत खड़ा है। यह दिन शहीद दिवस या सर्वोदय दिवस के रूप में मनाया जाता है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से जुड़ा है। 30 जनवरी 1948 को नई दिल्ली के बिरला हाउस में प्रार्थना सभा के दौरान महात्मा गांधी की हत्या कर दी गई थी। यह क्षण केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं था, बल्कि मानवता, सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने वाली चेतना को झकझोर देने वाला क्षण था। इसी कारण 30 जनवरी को भारत अपने सभी शहीदों को स्मरण करता है और उनके सर्वोच्च त्याग के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता है। महात्मा गांधी का जीवन और बलिदान भारत की स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। उन्होंने सत्य और अहिंसा को केवल राजनीतिक हथियार नहीं, बल्कि जीवन का मूल दर्शन बनाया। उनका विश्वास था कि हिंसा से प्राप्त विजय टिकाऊ नहीं होती, जबकि नैतिक बल से प्राप्त स्वतंत्रता समाज को स्थायी रूप से बदल देती है। जब 30 जनवरी 1948 को उन्हें हमसे छीन लिया गया, तब पूरा देश शोक में डूब गया। उस दिन भारत ने न केवल अपने राष्ट्रपिता को खोया, बल्कि एक ऐसे मार्गदर्शक को भी खो दिया जिसने दुनिया को यह सिखाया कि बिना हथियार उठाए भी साम्राज्य झुकाए जा सकते हैं। शहीद दिवस इसी ऐतिहासिक पीड़ा और प्रेरणा का प्रतीक है।

शहीद दिवस का उद्देश्य केवल अतीत को याद करना नहीं है, बल्कि वर्तमान और भविष्य को दिशा देना भी है। इस दिन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति राजघाट पर जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। सुबह 11 बजे पूरे देश में दो मिनट का मौन रखा जाता है। यह मौन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि आत्मचिंतन का क्षण है, जब हर नागरिक अपने भीतर यह प्रश्न करता है कि क्या हम उन आदर्शों पर चल रहे हैं जिनके लिए हमारे शहीदों ने अपना जीवन न्योछावर किया। यह मौन हमें शोर से भरी दुनिया में ठहरकर सोचने का अवसर देता है। भारत का इतिहास शहीदों की गाथाओं से भरा पड़ा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सीमाओं की रक्षा तक, हर युग में भारत की मिट्टी ने अपने सपूतों का लहू देखा है। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, सुभाष चंद्र बोस, लाला लाजपत राय जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी शासन के खिलाफ आवाज़ उठाई और अपने प्राणों की आहुति दी। सैनिकों ने सीमाओं पर खड़े होकर अपने परिवार, अपने सुख और अपने भविष्य को त्याग कर देश की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा। इन सभी शहीदों का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र केवल एक भूगोल नहीं है, बल्कि एक साझा चेतना है, जिसकी रक्षा के लिए व्यक्तिगत हितों का त्याग आवश्यक होता है।

शहीदों की प्रशंसा केवल उनके साहस और वीरता के लिए नहीं, बल्कि उनकी जिम्मेदारी और कर्तव्यबोध के लिए भी की जानी चाहिए। शहीद वे लोग थे जिन्होंने यह समझा कि देश के प्रति जवाबदेही केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में निभाई जाती है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। किसी ने फांसी का फंदा हंसते-हंसते स्वीकार किया, तो किसी ने बर्फीली चोटियों पर अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि था और व्यक्तिगत जीवन गौण। यही भावना उन्हें साधारण नागरिकों से असाधारण बनाती है। शहीद दिवस उन आत्माओं की स्मृति है जिन्होंने इसी मिट्टी के लिए सर्वोच्च त्याग किया और अंततः इसी मिट्टी में समाहित हो गए। उनकी राख, उनका लहू और उनकी स्मृतियां इस देश की धमनियों में बहती हैं। जब हम आज़ादी की हवा में सांस लेते हैं, तो उसमें उनके बलिदान की सुगंध भी घुली होती है। जब हम लोकतंत्र के अधिकारों की बात करते हैं, तो उसके पीछे उनकी कुर्बानियों की मजबूत दीवार खड़ी होती है। इसलिए शहीद दिवस केवल श्रद्धांजलि का दिन नहीं, बल्कि कृतज्ञता का दिन है।

महात्मा गांधी की शहादत हमें यह भी सिखाती है कि मतभेदों का समाधान हिंसा नहीं हो सकता। उन्होंने अपने जीवन में बार-बार कहा कि अहिंसा कायरों का नहीं, बल्कि साहसी लोगों का हथियार है। शहीद दिवस पर गांधीजी को याद करना हमें उनके इस संदेश की ओर लौटने का अवसर देता है। आज जब समाज में असहिष्णुता, वैमनस्य और हिंसा के स्वर तेज़ होते जा रहे हैं, तब गांधी का दर्शन और भी प्रासंगिक हो जाता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची देशभक्ति दूसरों को नीचा दिखाने में नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने में है। शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि केवल पुष्पांजलि अर्पित करने या मौन रखने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह श्रद्धांजलि तब पूर्ण होती है, जब हम ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। एक जिम्मेदार नागरिक बनना, कानून का सम्मान करना, समाज में सद्भाव बनाए रखना और देश की एकता व अखंडता की रक्षा करना ही शहीदों के बलिदान का वास्तविक सम्मान है। जब एक छात्र ईमानदारी से पढ़ाई करता है, जब एक किसान मेहनत से अन्न उगाता है, जब एक सैनिक सीमा पर सतर्क रहता है और जब एक नागरिक संविधान का सम्मान करता है, तब शहीदों का सपना साकार होता है।

शहीद दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि स्वतंत्रता स्थायी नहीं होती, उसे निरंतर सजगता से संभालना पड़ता है। जिन मूल्यों के लिए शहीदों ने बलिदान दिया, यदि हम उन्हें भूल जाएं, तो उनकी कुर्बानी अधूरी रह जाती है। इसलिए यह दिन आत्ममंथन का दिन है। यह हमें पूछने पर मजबूर करता है कि क्या हम सत्य, अहिंसा, समानता और न्याय जैसे मूल्यों को अपने जीवन में उतार रहे हैं। क्या हम एक ऐसे भारत का निर्माण कर रहे हैं, जिसकी कल्पना हमारे शहीदों ने की थी। अंततः 30 जनवरी का दिन हमें झुककर नमन करना सिखाता है। यह दिन अहंकार को त्याग कर कृतज्ञता को अपनाने का संदेश देता है। जब पूरा देश दो मिनट के मौन में एक साथ खड़ा होता है, तब वह मौन शब्दों से अधिक बोलता है। वह मौन कहता है कि हम अपने शहीदों को भूले नहीं हैं। वह मौन यह वादा करता है कि हम उनके सपनों के भारत को साकार करने का प्रयास करेंगे। शहीद दिवस हमें यह याद दिलाता है कि राष्ट्र की आत्मा शहीदों में बसती है और जब तक हम उन्हें स्मरण करते रहेंगे, तब तक भारत की चेतना जीवित रहेगी।

कांतिलाल मांडोत

विकासशील देशों में संसाधनों की कमी, पर्यावरण संकट और जलवायु परिवर्तन

वर्तमान में पृथ्वी तथा प्राकृतिक संसाधनों के विनाशकारी जलवायु परिवर्तन की गति तथा उसके प्रभाव में गति की तीव्रता तेजी से महसूस की जाती रही है। इसका और कोई कारण ना होकर मानव की अवांछित गतिविधियां ही हैं। जिनमें मूलतः वन का विनिष्टिकरण, जीवाश्म ईंधन का ताबड़तोड़ प्रयोग, नई कृषि नीति तथा पद्धति की तीव्रता से होते हुए उद्योगों की संरचना और कंक्रीट के जंगलों यानी शहरों का विस्तारीकरण बड़े कारण हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद विज्ञान से उत्पादित औद्योगिकरण के विकास के साथ मनुष्य ने वायुमंडल के प्रक्रियागत प्रभाव में बदलाव लाना शुरू किया है, जिसके फलस्वरूप पृथ्वी में भूमंडलीय ऊष्मा का विस्तार ओजोन परत का क्षरण, असामयिक बाढ़,अकाल का आना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में वृद्धि से हरित गृह प्रभाव की घटना प्रभावित हुई है। ग्रीन हाउस इफेक्ट पृथ्वी की एक सामान्य प्रक्रिया है जिसके कारण पृथ्वी का निचला स्तर मंडल गर्म बना रहता है. तथा जीवन के अनुरूप वायुमंडल में वातावरण जीवन उपयोगी तथा जीवन के अनुकूल बना रहता है। किंतु ग्रीन हाउस इफेक्ट में बदलाव आने के साथ ही मनुष्य के सामने जलवायु परिवर्तन की बड़ी समस्या सामने आई है। इस तरह के परिवर्तन से ही पृथ्वी की परत को हमें बचाना होगा जिससे हम अति उष्णता, गर्म जलवायु और कम उत्पादन की विभीषिका से मानव को बचा सकते हैं।

(विश्व में विकासशील देश दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं, पहली भुखमरी यानी कि गरीबी दूसरी जलवायु में तीव्र परिवर्तन और यह दोनों एक दूसरे से गहरे संबंधित हैं। विकासशील तथा गरीब राष्ट्र एक और गरीबी तथा भुखमरी से लड़ाई लड़ रहे हैं एवं गरीबी से छुटकारा पाकर गरिमामय जीवन जीना चाहते हैं ।इसके लिए वे अपने प्राकृतिक, वैज्ञानिक संसाधनों का दोहन करके विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं जिससे इनके सम्मुख कई चुनौतियां उत्पन्न हो जाती है) इनके पास पर्याप्त रूप से आर्थिक वित्तीय पूंजी की कमी साथ ही उन्नत तकनीक का अभाव भी है। ऐसे में यह विकासशील राष्ट्र के विकास हेतु परंपरागत विकास साधनों पर आश्रित हो जाते हैं, जैसे विद्युत उत्पादन के लिए कोयले का उपयोग करना, वाहनों में प्रयुक्त ईंधन की गुणवत्ता का निम्न होना, कारखानों की पुरानी मशीनों द्वारा कार्बन, सल्फर, नाइट्रोजन आदि तत्वों की बड़ी मात्रा में वायु को उत्सर्जित करना आदि आते हैं। इन सब के कारण ग्रीन हाउस गैसें निर्मित होने से ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन घटनाओं को तीव्रता प्राप्त होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापक्रम जैसे कारकों में बहुत तेजी से परिवर्तन होता आया है। इसके पश्चात वर्षा की अनिश्चितता तथा अनियमितता में वृद्धि हुई है साथ ही बाढ़ सूखा अकाल सुनामी हिमस्खलन भूस्खलन जैसी प्राकृत आपदाओं का कई देश हर वर्ष सामना करते आ रहे हैं। उनके सम्मुख बड़ी विकट स्थिति उत्पन्न होती आई है, और यही प्राकृतिक आपदाएं उन देशों को फिर से गरीबी के दलदल में ढकेल देती है जहां भुखमरी का बोलबाला होता है। विश्व में कुछ देश ऐसे हैं जिनमें जिंबाब्वे, सीरिया,लीबिया, सोमालिया तथा अधिकांश अफ्रीकी देश, दक्षिण एशियाई लैटिन अमेरिकी देशों में भोजन,रोटी के लिए लंबी-लंबी लाइन लगती देखी गई है। दूसरी तरफ विकसित और अमीर देशों में भी लाइन लगती है, लेकिन वहां पर विडंबना यह है कि यह लाइन रोटी के लिए नहीं बल्कि आईफोन, स्मार्टफोनऔर गैजट्स के लिए लगाई जाती है।

अनेक गरीब देशों में सबसे बड़ा संकट विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे को लेकर सामने आया है। जहां यह देश विकास की इच्छा तो रखते हैं पर दूसरी और विकसित देश गरीब देशों को पर्यावरण संरक्षण की सीख दे कर इनके संसाधनों पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। जिससे इनके अस्तित्व तथा संप्रभुता पर गहरी चोट लगती है। यह एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आता है। विकासशील देशों को पर्यावरण संरक्षण जैसी बातें गरीबी के सामने एक चुनौती के रूप में दिखाई देती है। यदि ये देश भुखमरी, गरीबी, कुपोषण, बेरोजगारी जैसे समस्याएं को सुलझाना चाहते हैं तो दूसरी तरफ पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलन बिठाना कठिन हो जाता है। आज विकसित देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अन्य अमीर यूरोपीय देश पर्यावरण संतुलन की बात तो करते हैं पर जहां तकनीकी मदद या संरक्षण की बात को तो यह अपना हाथ पीछे खींचने में भी नहीं चुकते हैं। गरीब तथा विकासशील देश जब भी विकास को प्राथमिकता देने का प्रयास करते हैं तो इसके परिणाम स्वरूप पर्यावरण को क्षति होना लाजमी होता है। इसके अलावा इन्हें वैश्विक महाशक्तियों के दबाव भी झेलने पड़ते हैं। गरीब देशों के उत्पादों को खरीदने में बड़े बाजार या यूं कहें कि विकसित राष्ट्र गुणवत्ता की कमी,तकनीकी कमी कहकर तिरस्कृत तथा वापस करने से नहीं चूकते हैं। इस मामले में विकसित राष्ट्र का विकासशील,गरीब राष्ट्र के बीच एक गहरी खाई बन चुकी है और संयुक्त राष्ट्र संघ मूकदर्शक बना इस मामले में हाथ में हाथ धरे बैठा रहता है। बड़ी जनसंख्या वाले देश जैसे भारत इंडोनेशिया एवं एशिया के अन्य देश विकसित राष्ट्रों के लिए एक बड़ा बाजार जरूर है, पर वहां पर भूखमरी और जलवायु परिवर्तन के मामले में ये सभी बड़े तथा विकसित राष्ट्र खामोश रहते हैं। विकासशील तथा निर्धन देशों में गरीबी, भुखमरी तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण गृह संघर्ष, जातीय संघर्ष,मानव अधिकार उल्लंघन, शरणार्थी समस्या, उग्रवाद, आतंकवाद आदि गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं और और इनकी स्थितरता में बड़ी कमी आई है। पिछले विगत कुछ समय एक घटनाक्रमों से शरणार्थी संकट ग्रह संघर्ष के विस्थापन अकाल बाढ़ तथा आतंकवाद मैं चिंताजनक वृद्धि हुई है, और यह सब पूरे विश्व के लिए चुनौती बन गया है। यह अलग बात है कि विकासशील राष्ट्रों की कमजोर क्षमता के कारण यह चुनौती उन देशों को बड़ी विकराल लगती है क्योंकि इससे पूंजीगत संसाधनों में बड़ी क्षति होती है जिस का संतुलन करना वहां की सरकारों पर बहुत भारी पड़ जाता है। गरीबी रेखा के नीचे लोग ज्यादा जीवन यापन करने लगते हैं। वैश्विक स्थिति का अध्ययन करें तो गरीबी भूखमरी जलवायु परिवर्तन से लड़ना किसी एक देश के लिए संभव प्रतीत नहीं होता, क्योंकि यह वैश्विक समस्या है। इसे सम्मिलित रूप से ही प्रयास कर समाप्त किया जा सकता है। यह तो तय है कि विकासशील राष्ट्रों को उन्नत बनाने तथा विकसित करने में बड़े तथा सक्षम राष्ट्रों को इन छोटे तथा गरीब देशों की तकनीकी विज्ञान और पूंजीगत सहायता प्रदान करनी चाहिए। अपने महंगी खर्चीली परमाणु तथा अणु बम तथा मिसाइल बनाने की योजनाओं को एक तरफ रख विकासशील राष्ट्रों की खुलकर मदद करनी चाहिए। ऐसी परिस्थितियों में ही वैश्विक भुखमरी गरीबी एवं जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटा जा सकता है। भारतीय संदर्भ में यह जरूर कहा जा सकता है कि विगत 10 वर्षों में जलवायु परिवर्तन तथा गरीबी उन्मूलन पर बहुत ज्यादा प्रयास कर नई नई योजनाएं बनाई गई हैं। जैसे राष्ट्रीय हरित मिशन, राष्ट्रीय सतत पर्यावास मिशन, राष्ट्रीय ऊर्जा संवर्धन मिशन पर बहुत सारी योजनाये बनाकर कार्य किया गया है। भारत देश अपनी योजनाओं में छोटे विकासशील राष्ट्रों को भी शामिल किया है और उनकी खुलकर मदद कर रहा है, यह विकसित राष्ट्रों के लिए एक उदाहरण भी है कि उन्हें छोटे तथा गरीब राष्ट्रों को खुलकर मदद करनी चाहिए।

संजीव ठाकुर

बेहतर हो आत्मचिंतन करें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

सदाचार और धर्म का आधार मर्यादा है। आचरण व्यवहार और नैतिकता की निर्धारित सीमाएं मनुष्य को अनुशासित सभ्य और सुसंस्कृत बनाती है मर्यादा व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में संतुलन रखतीं है। धर्म की मर्यादा का पालन करना एक धर्मगुरु का पहला कर्तव्य है और यह दायित्व उस समय और अधिक बढ़ जाता है जब कोई व्यक्ति किसी धार्मिक पीठ या मठ की मुख्य पद पर विराजमान हो उसका मन वाणी और कर्म से धार्मिक मर्यादा के अनुकूल व्यवहार नितान्त आवश्यक ही नहीं समाज के लिए भी प्रेरक है धर्म के दस लक्षण धृति (धैर्य), क्षमा, दम (मन का संयम), अस्तेय (चोरी न करना), शौच (पवित्रता), इन्द्रियनिग्रह, धी (बुद्धि), विद्या, सत्य और अक्रोध (गुस्सा न करना) धर्म के आधार हैं लेकिन जब कोई धर्मगुरु इन लक्षणों के विपरीत व्यवहार कर सिर्फ आत्मशलाघा आत्म अहंकार आत्म प्रवंचना अथवा वेनिटी वैन के वैभव से ग्रस्त हो जाए तो असहज स्थिति पैदा होना स्वाभाविक है। इस बार माघ मेला प्रयागराज में यही देखने को मिला पालकी से उतर कर सिर्फ पचास कदम पैदल चलने के सादर आग्रह को भी एक विशेष पीठ पर येन-केन प्रकरेण विराजित धर्मगुरु ने अपनी प्रतिष्ठा और सम्मान से जोड़ लिया और पवित्र स्नान का बहिष्कार कर दस दिन तक एक राजनीतिक नेता की तरह प्रयागराज माघ मेला की पावनभूमि पर धरना दिया और फिर भाव नही मिलने पर तमाम आलोचना और अपशब्दों का प्रयोग कर बिना स्नान किए वापस लौट गए। क्या एक सनातनी धर्मगुरु से ऐसे आचरण की अपेक्षा की जा सकती है? क्या ऐसा दम्भ और अहंकार उनके मान सम्मान और गौरव के अनुकूल है? आपको बता दें कि प्रयागराज माघ मेले में पालकी पर मौनी अमावस्या स्नान से रोके जाने के विवाद के बाद अब शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने लौटने का फैसला किया है. उन्होंने कहा कि प्रशासन ने उनसे माफी नहीं मांगी. इसे लेकर वह काफी दुखी हैं।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान हुए स्नान विवाद के बाद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने संगम नगरी से वापस लौटने का फैसला कर लिया है.अविमुक्तेश्वरानंद को मौनी अमावस्या के पावन स्नान से मेला पुलिस ने रोक दिया था. पुलिस पर आरोप लगे कि उनके शिष्यों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई. इस घटना के विरोध में शंकराचार्य बीते 10 दिनों से धरने पर बैठे थे.स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि वे अन्याय को अस्वीकार करते हैं और न्याय का इंतजार करेंगे. आज स्वर बोझिल हैं और शब्द साथ नहीं दे रहे हैं. भारी मन लेकर प्रयाग से लौटना पड़ रहा है. प्रयाग में जो घटित हुआ उसने झकझोर दिया है. मन अत्यंत व्यथित है, बिना स्नान किए यहां से विदा ले रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि न्याय की प्रतीक्षा कभी समाप्त नहीं होती, लेकिन आत्मसम्मान से समझौता स्वीकार नहीं है.स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बताया कि आज सुबह प्रशासन की ओर से एक प्रस्ताव भेजा गया था. प्रस्ताव में कहा गया था कि जब भी वे स्नान के लिए जाना चाहें, उन्हें ससम्मान पालकी के साथ स्नान के लिए ले जाया जाएगा. यह भी जिक्र था कि उस दिन मौजूद अधिकारी खुद स्वागत के लिए उपस्थित रहेंगे और पुष्प वर्षा की जाएगी. हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया. जिस माघ स्नान से देश और दुनिया में सनातन सांस्कृतिक और अध्यात्मिक संस्कृति का संदेश जाना चाहिए था उस सब को एक पालकी में सवार होकर स्नान की जिद कर रहे धर्मगुरु और प्रशासन के बीच पैदा विवाद ने ग्रहण बनकर डस लिया। सदियों से चले आ रहे प्रयागराज माघ स्नान की सनातनी महिमा को दरकिनार कर एक धर्मगुरु की अहमन्यता ने बखेड़ा खड़ा कर दिया है इस तरह एक माह चलने वाले जिस सनातनी महापर्व से देश के कोने-कोने तक और समूचे विश्व में अध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया जाना चाहिए था वह सिर्फ एक विवादित ढंग से शंकराचार्य पद पर विराजमान धर्मगुरु की अहमन्यता भरी जिद से पैदा विवाद के चलते तमाम मीडिया को खुद पर केंद्रित कर संस्कृति और धर्म को ठेस पहुंचाने के धतकरम में फंस गया है। यह एक बड़ा प्रोपेगेंडा मालूम पड़ता है जिसकी डोर विरोधी दलों के नीति निर्धारकों के हाथों में है और हमारे कथित धर्मगुरु उनकी उंगलियों के ईशारे पर एक महान संस्कृति के गौरव पूर्ण सांस्कृतिक अध्यात्मिक पर्व में विघ्न पहुंचाने की कुचेष्ठा में फंसकर अपने अहम की तुष्टी कर रहे थे । दरअसल जो राजनीतिक दल बहुसंख्यक हिन्दू समाज के मतदाताओं को अपने अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीति के चलते गंवा चुके हैं वह अब जाति और दूसरे षडयंत्र कर बहुसंख्यक समुदाय में विघटन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं यह सब उस उपक्रम का हिस्सा माना जा रहा है। इस के पीछे योगी आदित्यनाथ की छवि बिगाड़ने की साजिश बतायी जा रही है।

सवाल उठता है कि इन धर्मगुरु के लिए पालकी की सवारी अधिक महत्वपूर्ण है या माघ स्नान क्योंकि इन्होंने सिर्फ अपनी पालकी से उतर कर पचास कदम पैदल चलना स्वीकार नहीं किया लेकिन माघ स्नान की परवी के स्नान को त्याग दिया स्पष्ट है कि इनके लिए सनातनी मान्यताओं से अधिक अपनी मिथ्या अहंकार और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन अधिक प्रिय है। दरअसल यह वह व्यक्ति है जो पिछले एक लंबे समय से सनातन धर्मगुरु का चोला पहन कर सनातन को ही घोर अपमान और क्षति पहुचाने में व्यस्त हैं। इन दिनों अविमुक्तेश्वरानंद खुलेआम योगी आदित्यनाथ के लिए हुमायूं की औलाद औरंगजेब जैसे संबोधन बोल रहे हैं, योगी को संत मानने से इंकार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ इतना एजेंडा सपा, कांग्रेस, बसपा और पूरा इंडी गठबंधन नहीं चला सका है, जितना एजेंडा ये तथाकथित शंकराचार्य चला रहे हैं।

माघमेला में सभी अखाड़ों, हजारों संतों ने स्नान किया लेकिन कहीं कोई बवाल नहीं हुआ। करोड़ों श्रद्धालुओं ने स्नान किया लेकिन कहीं कोई बवाल नहीं हुआ जैसे ही अविमुक्तेश्वरानंद पहुंचे तो बवाल हो गया। उनके नैरेटिव और ईगो के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ की जान के साथ नहीं खेला जा सकता है? अब आपको उस सनातन संस्कृति और सभ्यता का हवाला देते हैं जिसके पावन पुनीत ग्रंथ रामचरितमानस में लिखा है संतन्ह के लच्छन रघुबीरा। कहहु नाथ भव भंजन भीरा॥ हे रघुवीर! हे भव-भय (जन्म-मरण के भय) का नाश करने वाले मेरे नाथ! अब कृपा कर संतों के लक्षण कहिए!... श्री रामजी ने कहा- बिरति बिबेक बिनय बिग्याना। बोध जथारथ बेद पुराना॥ दंभ मान मद करहिं न काऊ। भूलि न देहिं कुमारग पाऊ॥॥ भावार्थ - संत वैराग्य, विवेक, विनय, विज्ञान (परमात्मा के तत्व का ज्ञान) और वेद-पुराण का यथार्थ ज्ञान रहता है। वे दम्भ, अभिमान और मद कभी नहीं करते और भूलकर भी कुमार्ग पर पैर नहीं रखते हैं। वे संत (काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर- इन) छह विकारों (दोषों) को जीते हुए, पापरहित, कामनारहित, निश्चल (स्थिरबुद्धि), अकिंचन (सर्वत्यागी), बाहर-भीतर से पवित्र, सुख के धाम, असीम ज्ञानवान्?, इच्छारहित, मिताहारी, सत्यनिष्ठ, कवि, विद्वान, योगी हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अहम प्रशासन की व्यवस्था को स्वीकार करने में आड़े आ रहा था या वह जानबूझकर टकराव की स्थिति पैदा करना चाहते थे। यहां सवाल यही है कि शंकराचार्य राजनीतिक पूर्वाग्रह दुराग्रह से बाहर निकल रामचरितमानस की पंक्तियों पर चिंतन करें- संत हृदय नवनीत समाना और संत हृदय जस निर्मल बारि को चरितार्थ करें ।वह आत्मचिंतन करें या धर्म का चोला उतार कर सीधे राजनीति में पदार्पण करें।

मनोज कुमार अग्रवाल

सिख युवकों का फौज के प्रति कम होता रूझान

एक समय था जब भारतीय फौज में सिखों की गिनती सबसे अधिक हुआ करती थी। सिख युवक सिख रेजीमेंट के अलावा सिख इनफैंटरी, पंजाब रेजीमेंट, आर्टलरी, गौरखा, आरमर्ड सहित अन्य रेजीमेंट में भी बड़ी गिनती में भर्ती हुआ करते थे। सिख रेजीमेंट सबसे अधिक मैडल जीतने वाली रेजीमेंट थी और एक समय में तो कामनवैल्थ में सबसे ऊपर इसका नाम आता था। पंजाब के तकरीबन हर घर से एक ना एक बच्चा फौज में भेजा जाता था और कई घर तो ऐसे भी हैं जिनमें कई पीढ़ियां फौज में गई, पर आज सिख युवकों की फौज के प्रति रुचि कम होती देख देश की सेना के द्वारा सिखों को सेना में भर्ती होकर सिख रेजीमेंट से जुड़ने की अपील की गई है जो दर्शाता है कि आज भी समूचे देश को सिखों की देशभक्ति पर गर्व है और वह भलिभान्ति जानते हैं कि सिख सैनिक मुश्किल आने पर कभी पीछे नहीं हटता या तो सामने वाले को मिटा देता है या फिर खुद देश के लिए कुर्बान हो जाते हैं। इतिहास गवाह है कि 19वीं सदी में खालसा आर्मी द्वारा अफगानिस्तान विजय करने के बहादुरी वाले किस्सों से प्रभावित होकर ब्रिटिश हकूमत ने सिखों को भारतीय फौज में शामिल करते हुए उन्हें सिख पायोनियर्स का खिताब दिया गया। 1846 में सिख रेजीमेंट की स्थापना हुई। 1932 में जब स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष जोरों पर था, स्वतंत्रता संग्राम में भी सिखों द्वारा आगे आकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मोर्चे लगाए जा रहे थे, ऐसे में मार्शल कौम से गौरों को भय सताने लगा और उन्होंने सिख बटालियनों को भंग कर दिया। 1941 में दूसरे विश्व युद्ध के समय उन्हें अधिक फौज की आवश्यकता हुई तो फिर से बड़ी गिनती में सिखों को फौज में शामिल किया गया और सिख रेजीमेंट के अतिरिक्त सिख लाईट इनफैंटरी रेजीमेंट की भी स्थापना की गई जो कि आज भी कायम है और 20 रैगुलर बटालियन, 3 टेरिटोरियल आर्मी इसमें काम कर रही है। आजादी से पूर्व 245 और आजादी के उपरांत 82 मैडल सिख रेजीमेंट के बहादुर जवानों ने जीते जिसमें 21 इंडीयन आर्डर आफ मैरिट, 14 विक्टोरिया, 2 परमवीर चक्र, 4 अशोक, 8 महावीर, 24 कीर्ति, 64 वीर, 55 शौर्य चक्र के अलावा 375 सेना मैडल प्राप्त किये हैं। पहला अग्निवीर पदक हासिल करने वाला सैनिक भी 7 सिख लाईट एनफेंटरी से आया। सिख सैनिकों की फौज में कम होती गिनती के पीछे कुछ लोग सिख युवकों का रुझान विदेशों की ओर बढ़ने का तर्क देते हैं मगर सरदार हिम्मत सिंह जिनका पारिवारिक सम्बन्ध फौज से रहा है और इनके परिवार के कई सदस्य आज भी भारतीय फौज का हिस्सा हैं। हिम्मत सिंह का कहना है कि सिखों का विदेशों में पलायन का सिलसिला तो बीसवीं सदी के शुरू से ही हो गया था, यह कोई नया नहीं है। बावजूद इसके इतने सालों से सेना में भी बड़ी गिनती में सिख भर्ती हुए। असल में जबसे राज्य की जनसंख्या के हिसाब से फौज में भर्ती होने लगी तब से पंजाब से गिनती कम होने लगी। दूसरा अग्निवीर स्कीम भी इसका एक कारण है जिसके लिए सरकार को थोड़ा बदलाव करने की आवश्यकता है। इस स्कीम के आने से सिपाही और अग्निवीर में फर्क दिखने लगा जबकि दोनों ही जवान सेना में रहकर देश के लिए मर-मिटने को तैयार रहते हैं। फिर अग्निवीर की 4 साल बाद रिटार्यरमेंट होने के बाद कोई पैंशन या अन्य लाभ भी नहीं हैं। इसलिए सिर्फ अपील से कुछ नहीं होगा, इसकी गहराई पर विचार करने की आवश्कता है। विदेशों से संचालित पंजाबी अंडरवर्ल्ड पंजाब जिसे गुरुओं, पीरों की धरती माना जाता है और पंजाब के लोग अपनी मेहनत और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं वहीं कुछ ऐसे लोग भी हैं जो विदेशों में जाकर पंजाब ही नहीं बल्कि समूचे देश को कलंकित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। यह लोग विदेशों में बैठकर पंजाबी अंडरवर्ल्ड चला रहे हैं जिसके चलते आज हालात ऐसे बन चुके हैं कि पंजाब में गैंगस्टर कल्चर दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जा रहा है जो कि बेहद चिन्ता का विषय है। इसके पीछे क्या कारण रहे, कौन इसके लिए जिम्मेवार है यह मायने नहीं रखता अब सोचना यह होगा कि इसे किस प्रकार रोका जाए। बुद्धिजीवी वर्ग का मानना है कि सरहद पार की लड़ाई लड़कर ही इस पर काबू पाया जा सकता है क्योंकि निश्चित तौर पर इन्हें फन्डिंग, हथियार आदि की आर्पूति पड़ौसी मुल्क के द्वारा ही की जाती है जिसकी हमेशा कोशिश रहती है कि किसी भी प्रकार भारत में दहशत का माहौल बनाया जाए।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

शत-प्रतिशत खिलाई जाए कृमिनाशक दवा : सीएमओ

देवरिया। सीएमओ कार्यालय स्थित धन्वंतरि सभागार में गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में नगरीय ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 10 फरवरी को प्रस्तावित राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान एवं 16 फरवरी से शुरू होने वाले एमआर टीकाकरण अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। सीएमओ ने निर्देश दिया कि एनडीडी अभियान के तहत एक से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को शत-प्रतिशत कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल खिलाई जाए। उन्होंने बताया कि एक से दो वर्ष के बच्चों को 400 मि.ग्रा. की आधी तथा दो से 19 वर्ष तक के बच्चों को पूरी गोली दी जाएगी। दवा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अथवा शिक्षक की निगरानी में ही खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि दवा से वंचित बच्चों को 13 फरवरी तक मॉप-अप राउंड में शामिल किया जाएगा। वहीं एमआर अभियान के अंतर्गत 16 से 27 फरवरी तक कक्षा एक से पांच तक के सभी बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा। बैठक में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एसके सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूजीसी कानून के विरोध में अधिवक्ताओं ने भरी हुंकार

सहजनवां /गोरखपुर । यूजीसी कानून को लेकर प्रदेश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अब यह आंदोलन तेज होता नजर आ रहा है। सहजनवां तहसील के अधिवक्ताओं ने कानून के विरोध में तहसील से नारेबाजी करते हुए थाना चौराहे पर जाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर हाथ मे हथकड़ी लगाकर प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने एक मांग पत्र एसडीएम केशरी नन्दन तिवारी को सौपा। एसडीएम ने उच्च अधिकारियों तक भेजने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं का कहना है कि नया यूजीसी कानून शिक्षा व्यवस्था के लिए नुकसानदेह है। इससे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता प्रभावित होगी। उन्होंने इस कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में तहसील बार एसोशिएशन अध्यक्ष कृष्ण कुमार त्रिपाठी, मंत्री राघवेंद्र सिंह , रमाकांत उपाध्याय, बृजेन्द्र मिश्र, भूपेंद्र कुमार तिवारी, अनिल कुमार तिवारी, भूपेश तिवारी, अखंड प्रताप सिंह, नीरज श्रीवास्तव, शैलेन्द्र श्रीवास्तव ,उमेश त्रिपाठी, सुनील कुमार, अभिषेक तिवारी, अभिषेक श्रीवास्तव,सन्नी शुक्ला सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

घर में घुसकर दंपती से मारपीट, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

गोलाबाजार (गोरखपुर)। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम दुरुई में घर में घुसकर पति-पत्नी के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई पीड़िता की तहरीर के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दुरुई निवासी सुमन पत्नी शंभू ने गोला थाने में दी गई शिकायत में बताया कि बीते 18 जनवरी को पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही दीपक पुत्र राम आधार, इसरावती पत्नी राम आधार तथा राम आधार पुत्र कल्लू उनके घर में जबरन घुस आए। आरोप है कि तीनों ने सुमन के साथ लात-मुक्कों और डंडे से मारपीट की। शोर सुनकर जब उनके पति शंभू बचाने के लिए पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। घटना में पति-पत्नी दोनों को अंदरूनी चोटें आई। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के बाद जाते समय आरोपी जान-माल से नुकसान पहुंचाने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद से परिवार भय के माहौल में है। थाना प्रभारी गोला ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की ।

निराश्रित पशुओं का आतंक: कड़ाके की ठंड में रात-रात भर जागकर फसल बचाने को मजबूर किसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार (गोरखपुर)- नगर पंचायत गोला क्षेत्र में निराश्रित व छुट्टा पशुओं की समस्या किसानों के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। मुख्य बाजार से लेकर नगर के विस्तारित ग्रामीण इलाकों तक इन पशुओं का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि किसान कड़ाके की ठंड में भी रात-रात भर जागकर अपनी फसलों की रखवाली करने को मजबूर हैं। शासन द्वारा निराश्रित पशुओं को पकड़कर स्थायी अथवा अस्थायी गौशालाओं में भेजने की स्पष्ट मंशा के बावजूद स्थानीय स्तर पर इसका कोई प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है। भीटी, रामामऊ, भड़सड़ा, रानीपुर, मन्नीपुर और बांहपुर सहित आसपास के गांवों के किसानों का कहना है कि दर्जनों की संख्या में छुट्टा पशु दिन-रात खेतों में घुसकर गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे

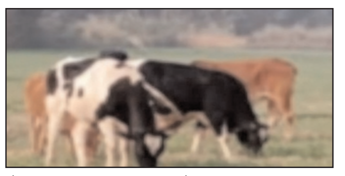

हैं। किसानों का आरोप है कि जब वे पशुओं को भगाने का प्रयास करते हैं तो कई बार पशु हमला भी कर देते हैं, जिससे जान-माल का खतरा बना रहता है। ठंड और गलन भरे मौसम में खुले खेतों में रातभर जागने से कई किसान बीमार भी पड़ रहे हैं, लेकिन मजबूरी के आगे उनकी सुनने वाला कोई नहीं है।

किसानों का दर्द सिर्फ खेतों तक ही सीमित नहीं है। दिन के समय यही निराश्रित पशु सड़कों पर झुंड बनाकर घूमते रहते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई बार वाहन चालकों को अचानक पशुओं के सामने आ जाने से जान जोखिम में डालनी पड़ती है, लेकिन नगर पंचायत या प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। सरकार द्वारा बार-बार निर्देश दिए गए हैं कि निराश्रित व छुट्टा पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में संरक्षित किया जाए, ताकि किसानों की फसल सुरक्षित रह सके और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। इसके बावजूद गोला नगर पंचायत क्षेत्र में हालात शासन की मंशा के ठीक उलट नजर आ रहे हैं। न तो पशुओं को पकड़ने की प्रभावी व्यवस्था है और न ही गौशालाओं की स्थिति संतोषजनक बताई जा रही है। पीड़ित किसानों ने शासन और जिला प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस समस्या का शीघ्र और स्थायी समाधान किया जाए। किसानों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो उनकी मेहनत से उगी फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी और आर्थिक संकट और गहरा जाएगा। निराश्रित पशुओं की इस बढ़ती समस्या ने एक बार फिर प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल खड़े कर दिए ।

बिछुड़ी पंचायत में विकास की नई इबारत,हर मजरे तक पहुँचा विकास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा । रूपईडीह विकास खंड की ग्राम पंचायत बिछुड़ी में केंद्र एवं राज्य सरकार के वित्तीय सहयोग से विकास कार्यों को नई दिशा मिल रही है। पंचायत अंतर्गत रावतारा, शिवहर्ष पुरवा, छुलहिया, गोसाई पुरवा, गौर पुरवा एवं जालियनपुरवा मजरों में योजनाबद्ध तरीके से विकास की स्पष्ट रूपरेखा तैयार कर निर्माण कार्य कराए गए हैं। ग्राम प्रधान अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि केंद्र व राज्य वित्त से प्राप्त धनराशि का उपयोग कर पंचायत के सभी मजरों में विकास की रेखा खींची गई है, जिससे किसी भी टोले को विकास से वंचित न रखा जाए। प्राथमिकता के आधार पर सीसी रोड, खड़ंजा, इंटरलॉकिंग सड़क, नाली निर्माण सहित अन्य जनहितकारी कार्य पूरे कराए गए हैं।इन निर्माण कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिली है तथा बरसात के मौसम में जलभराव और कीचड़ की समस्या से काफी हद तक निजात मिली है। पक्की सड़कों और नालियों के निर्माण से

गांव की स्वच्छता व्यवस्था भी सुदृढ़ हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले टूटी सड़कों के कारण रोजमर्रा की आवाजाही में परेशानी होती थी, लेकिन अब स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

ग्राम प्रधान ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना पंचायत की प्राथमिकता है। सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ कराए जा रहे हैं तथा ग्राम सभा के माध्यम से जनसहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है। ग्रामीणों में विकास कार्यों को लेकर उत्साह और संतोष का माहौल है। लोगों का कहना है कि लगातार हो रहे निर्माण कार्यों से न केवल गांव की तस्वीर बदली है, बल्कि भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों के विस्तार की संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं। ग्राम प्रधान अनिल कुमार पाण्डेय ने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में केंद्र व राज्य वित्त से और भी विकास कार्य कराए जाएंगे, जिससे ग्राम पंचायत बिछुड़ी क्षेत्रीय विकास का उदाहरण बन सके।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर एक फरवरी को

देवरिया। जनपद की सीमा पर स्थित संस्कार पब्लिक स्कूल करौदी पगरा बाजार में एक फरवरी को सुबह नौ बजे से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का संचालन स्वास्तिक आई हॉस्पिटल देवरिया के नेत्र सर्जन डॉ. श्रीकांत सिंह द्वारा किया जाएगा। इस दौरान अनुभवी चिकित्सकों की टीम ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आंखों की जांच करेगी। जांच के दौरान चश्मे की आवश्यकता वाले मरीजों को उचित परामर्श दिया जाएगा, वहीं आंखों से संबंधित अन्य रोगों की पहचान कर आवश्यक उपचार किया जाएगा। मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाएं दी जाएंगी। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण व गरीब तबके के लोगों को बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के संयोजक सामाजिक कार्यकर्ता छोटे लाल यादव ने क्षेत्रवासियों से समय पर पहुंचकर अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

दस वर्षों से अधूरी विद्युत लाइन, खटिकन पुरवा आज भी अंधेरे में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। रूपईडीह विकास खंड की ग्राम पंचायत भटपी के मजरा खटिकन पुरवा में बीते करीब दस वर्षों से विद्युत लाइन का निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हो सका है। बिजली सुविधा के अभाव में ग्रामीणों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा अधिकृत लाइन न बिछाए जाने के कारण मजबूरी में लकड़ी की बल्लियों और बांस के सहारे अस्थायी रूप से विद्युत लाइन लाई गई है, जो किसी भी समय हादसे का कारण बन सकती है। यह स्थिति न केवल विभागीय लापरवाही को दर्शाती है, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बनी हुई है।ग्राम प्रधान काली प्रसाद शुक्ला ने बताया कि विद्युत लाइन लगवाने के लिए विभागीय अधिकारियों से लेकर उच्चाधिकारियों तक कई बार मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। विभाग द्वारा एक फर्म को विद्युत लाइन निर्माण का कार्य सौंपा गया था, जिसने गांव में केवल पोल लगाकर कार्य अधूरा छोड़ दिया। न तो तार खींचे गए और न ही बिजली आपूर्ति नियमित रूप से शुरू की गई।ग्रामीणों का कहना है कि बिजली न होने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्य, मोबाइल चार्जिंग और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बरसात के मौसम में अस्थायी तारों से करंट और दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और विद्युत विभाग से मांग की है कि तत्काल अधूरी विद्युत लाइन का निर्माण पूर्ण कराया जाए और खटिकन पुरवा को सुरक्षित व स्थायी बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराई जाए।

सोनभद्र में लघु सिंचाई विभाग का काला खेल उजागर, लोगों ने किया जिलाधिकारी से शिकायत

●निःशुल्क बोरिंग योजना को बनाया वसूली का अड्डा, संबंधित विभाग व दलाल की तिकड़ी बेनकाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश- प्रदेश सरकार की जनजातीय और गरीब किसानों के लिए चलाई जा रही निःशुल्क बोरिंग योजना सोनभद्र में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। लघु सिंचाई विभाग के संबंधित अधिकारी और दलालों की संगठित तिकड़ी ने इस योजना को खुलेआम वसूली उद्योग में बदल दिया है। जिलाधिकारी सोनभद्र को सौंपे गए शिकायती पत्र में जगदीश प्रसाद (निवासी ग्राम रोरवा, ब्लॉक कोन) ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं कि ग्राम पंचायत पड़रछ (टोला मदरिया, पिपरहवा, सदुआरी) में गरीब और जनजातीय लाभार्थियों से जबरन हजारों रुपये वसूले जा रहे हैं, जबकि शासनादेश स्पष्ट है कि यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क है।

100 फीट का बोर, लेकिन वसूली हजारों में

शिकायत के अनुसार ब्लॉक चोपन क्षेत्र में मात्र 100 फीट गहराई का 5 इंच बोर कराया जा रहा है, लेकिन इसके बदले प्रति लाभार्थी से 7 हजार से 26 हजार रुपये तक

की उगाही की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ विभागीय अधिकारियों की जानकारी और संरक्षण में हो रहा है।

दलाल के जरिए चल रहा पूरा नेटवर्क

इस पूरे खेल का संचालन कुड़वा निवासी एक दलाल के माध्यम से किया जा रहा है। आरोप है कि तपतीश पुत्र ओहाब नामक व्यक्ति ग्रामीणों से पैसे वसूलता है और उसे संबंधित अधिकारियों तक पहुँचाता है। अब तक करीब 50 बोरिंग कराई जा चुकी हैं, जिनसे लाखों रुपये की अवैध वसूली हो चुकी है।

पीड़ित ग्रामीणों के खुलासे

ग्रामीणों ने खुलकर आरोप लगाए हैं– जीतलाल पुत्र अयोध्या (पिपरहवा, पड़रछ) से 26,000 रुपये, सावित्री देवी से 10,000 रुपये, वेदप्रकाश से 15,000 रुपये जबरन वसूले गए। ग्रामीणों का कहना है कि पैसे न देने पर उन्हें बोरिंग न कराने, फाइल रोकने और योजना से बाहर करने की धमकी दी जाती है। सवाल यह है कि जब योजना निःशुल्क है, तो यह पैसा किसकी जेब में जा रहा है?

शासनादेश की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है

यह मामला केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि शासन की मंशा, जनजातीय अधिकारों और गरीबों की आजीविका पर सीधा हमला है। लघु सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी न सिर्फ आंख मूंदे बैठे हैं, बल्कि आरोप है कि वे इस पूरे खेल के मुख्य किरदार भी हैं।

प्रशासन के सामने बड़ा सवाल

अब सवाल यह है कि– क्या जिलाधिकारी सोनभद्र इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराएंगे और संबंधित अधिकारियों और दलाल पर एफआईआर दर्ज होगी? या फिर यह मामला भी अन्य भ्रष्टाचारों की तरह फाइलों में दबा दिया जाएगा? पीड़ित ग्रामीणों को न्याय और शासन की साख बचाने के लिए तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

महिला उत्पीड़न के मामलों की 4 फरवरी को होगी सुनवाई

गोण्डा। प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय तथा उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान के उद्देश्य से 04 फरवरी,2026 को जनपद में महिला जनसुनवाई एवं निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जनसुनवाई कार्यक्रम पूर्वान्ह 11 बजे से सर्किट हाउस गोण्डा में आयोजित होगा। जनसुनवाई के उपरांत आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण भी किया जाएगा। गोंडा में महिला आयोग की सदस्या एकता सिंह की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। सभी पीड़ित महिलाएं जनसुनवाई में अपनी बात रख सकती है।इस दौरान महिला थानाध्यक्ष सहित संबंधित पुलिस अधिकारी जनसुनवाई में उपस्थित रहेंगे। आयोग का यह प्रयास महिला शिकायतों के त्वरित निस्तारण, प्रशासनिक समन्वय और जमीनी स्तर पर निगरानी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं जनसुनवाई के बाद सिंह द्वारा स्वास्थ्य केंद्र व आंगनवाड़ी केंद्र भी का निरीक्षण करेंगी।

नगर पंचायत लंभुआ में अधिवक्ता विकास कुमार श्रीवास्तव बने विधिक सलाहकार

●भूमि विवाद, संपत्ति कर व विकास परियोजनाओं से जुड़े मामलों में देंगे कानूनी परामर्श

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लंभुआ, सुल्तानपुर। नगर पंचायत लंभुआ में तहसील एवं दीवानी न्यायालय से संबंधित भूमि विवाद, संपत्ति कर तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं से जुड़े कानूनी मामलों के निस्तारण के लिए अधिवक्ता विकास कुमार श्रीवास्तव को विधिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। नगर पंचायत द्वारा की गई इस नियुक्ति का उद्देश्य स्थानीय निवासियों को कानूनी मामलों में बेहतर मार्गदर्शन एवं विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराना है। विधिक सलाहकार के रूप में अधिवक्ता श्री श्रीवास्तव भूमि विवादों, नगर पंचायत अधिनियमों की व्याख्या, अदालती मामलों में प्रतिनिधित्व, अनुबंधों का मसौदा तैयार

करने तथा सरकारी नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने का कार्य करेंगे। विधिक सलाहकार की नियुक्ति के साथ ही नगर पंचायत न्यायालय का संचालन भी प्रारंभ हो गया है, जिससे नगर क्षेत्र के लोगों को त्वरित न्यायिक सहायता मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष अवनीश सिंह अंगद, अधिशासी अधिकारी अमित सिंह सहित नगर पंचायत के सभी सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अगर चाहें तो मैं इसे हेडलाइन ज्यादा दमदार, छोटा संस्करण, या अखबार कटिंग फॉर्मेट में भी तैयार कर सकता हूँ।

थाने से लेकर अफसरों तक चुप्पी, पीड़िता का आरोप- दबंगों को पुलिस संरक्षण, परिवार की जान खतरे में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। थाना बड़हलगंज क्षेत्र में दबंगों के हमले के मामले में पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम रजौरी निवासी पीड़िता सुशीला साहनी ने गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में खुलकर पुलिस पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 25 जनवरी 2026 को उनके पति और बेटे अजय पर गांव के दबंगों ने जान से मारने की नीयत से हमला किया, लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद एक भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़िता के अनुसार, घटना में देव प्रकाश शुक्ला, गणनायक शुक्ला, धर्मदेव यादव, मिठाई लाल यादव सहित अन्य लोग शामिल थे। हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला कर उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोटें पहुंचाई। घायल अवस्था में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। मामले में थाना बड़हलगंज में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस की

निष्क्रियता से पीड़ित परिवार दहशत में है।

सुशीला साहनी ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपियों से सांठगांठ कर मुकदमे को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने दावा किया कि आरोपियों की ओर से पुलिस पर रिश्वत लेकर मामला खत्म कराने का दबाव बनाया जा रहा है। गिरफ्तारी न होने से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं और वे खुलेआम उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। पीड़िता ने बताया कि न्याय की उम्मीद में उन्होंने थाने से लेकर पुलिस के उच्चाधिकारियों और मुख्यमंत्री कार्यालय तक गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि प्रशासन की इस चुप्पी से साफ जाहिर होता है कि दबंगों को संरक्षण दिया जा रहा है।

सुशीला साहनी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई और उनके परिवार को सुरक्षा नहीं दी गई, तो किसी भी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसी स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर अब भी पुलिस और प्रशासन ने आंखें मूंदे रखीं, तो वे न्याय के लिए आंदोलन करने को मजबूर होंगी। प्रेस वार्ता के दौरान मौजूद पत्रकारों ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की। पत्रकारों का कहना था कि यदि पीड़ित पक्ष के आरोप सही हैं, तो यह कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इस मामले में कब तक चुप्पी साधे रहता है या फिर आरोपियों पर कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाता।

दड़वा में ऑटो चालक की चाकुओं से गोदकर हत्या, गोंडा का रहने वाला था मृतक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा । चंडीगढ़ के दड़वा इलाके में बुधवार देर रात एक ऑटो चालक की चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई। यह सनसनीखेज वारदात दरिया पिंड स्थित गली नंबर-2 में जेपी होटल के पास रात करीब एक बजे हुई। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान अरुण कुमार तिवारी उर्फ नान के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र अंतर्गत करूवापारा गांव का निवासी था। वर्तमान में वह चंडीगढ़ के दड़वा क्षेत्र में रहकर रेलवे स्टेशन पर ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

बहस के बाद ताबड़तोड़ चाकू से हमला

पुलिस के अनुसार, बुधवार रात काम खत्म

मृतक अरुण तिवारी(नान) की फाइल फोटो

कर घर लौटते समय अरुण की अपने ही इलाके के तीन युवकों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने मिलकर अरुण पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण अरुण की मौके पर ही मौत हो गई।

शव को ऑटो में ले जाने की कोशिश, आरोपी फरार

आरोप है कि हत्या के बाद आरोपी शव को ऑटो में लादकर सुनसान स्थान पर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान गांव के एक व्यक्ति ने उन्हें देख लिया, जिसके बाद आरोपी शव छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस जांच में जुटी, मुकदमा दर्ज

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सेक्टर-16 अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। दरिया चौकी प्रभारी रवदीप सिंह ने बताया कि मृतक के भाई प्रेम प्रकाश तिवारी की तहरीर पर विशाल समेत कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

परिजनों में कोहराम

मृतक के भाई करुण कुमार उर्फ जज ने बताया कि अरुण और प्रेम प्रकाश दोनों चंडीगढ़ में ऑटो चलाते थे। घटना की सूचना मिलने के बाद गोंडा स्थित परिवार में कोहराम मच गया। अरुण की शादी करीब 10 वर्ष पूर्व हुई थी और उनकी दो बेटियां हैं। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आदिवासियों की जमीन कब्जा करने वालों के विरुद्ध दर्ज होगी एफआईआर

● - विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट, सोनभद्र कोर्ट ने रामपुर बरकोनिया इंस्पेक्टर को दिया आदेश

- सीओ करेंगे मामले की विवेचना, कोर्ट को परिणाम से अवगत कराना होगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – आदिवासियों की जमीन कब्जा करने वालों के विरुद्ध विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने बुधवार को रामपुर बरकोनिया इंस्पेक्टर को एफआईआर दर्ज कर सीओ से मामले की विवेचना कराने व परिणाम से कोर्ट को अवगत कराने का आदेश दिया है। यह आदेश विफनी देवी पत्नी स्वर्गीय हीरा व रामविलास गोड़ पुत्र स्वर्गीय जनकलाल गोड़ निवासीगण बिरनचुआ, थाना रामपुर बरकोनिया, जिला सोनभद्र द्वारा अधिवक्ता सीपी द्विवेदी एवं आनंद ओझा एडवोकेट के जरिए दाखिल 173(4) बीएनएसएस के प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने दिया है।

दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि अनुसूचित जनजाति की जमीन पर भू माफिया कृष्ण कुमार जायसवाल, रीता जायसवाल निवासी सिद्धि कला थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र हाल पता प्रभात नगर कालोनी नगवां, थाना लंका, जिला वाराणसी, सिंघासन, राजू मौर्य निवासी सिद्धि खुर्द, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र व सरोज गुप्ता निवासी बीरबन, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र व 4-5 अन्य व्यक्ति नाम पता अज्ञात 23 नवंबर 2025 को सुबह 9-10 बजे एक ट्रैक्टर मय चालक को लेकर आए और उनकी जमीन जोतकर सरसों बुआने लगे। जब मना किया गया तो जाति सूचक शब्दों से गाली देते हुए जान मारने की धमकी देकर चले गए। घटना को कई लोगों ने देखा, लेकिन डर की वजह से कुछ नहीं बोल पाए। इसकी सूचना थाने पर दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 10 दिसंबर 2025 को रजिस्टर्ड डाक से एसपी सोनभद्र को सूचना दी गई, फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर न्यायालय में न्याय के लिए आना पड़ा। जीवन निर्वहन के लिए सिर्फ एकमात्र जमीन ही सहारा है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने गम्भीर अपराध मानते हुए, मामले की विवेचना कराया जाना आवश्यक माना। कोर्ट ने रामपुर बरकोनिया इंस्पेक्टर को एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना सीओ से करवाने व परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह पर जन जागरूकता अभियान, किया लोगों को जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा / सोनभद्र –राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा में महाविद्यालय के सड़क सुरक्षा क्लब द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों में 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के विद्यार्थियों को वाहन ना चलाएं जाने तथा दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने ,स्टंटिंग न करने , ओवर स्पीडिंग एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने के संबंध में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों जागरूक किया

गया । कॉलेज के मुख्य द्वार पर भी वाहन चालकों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने के लिए जागरूक किया गया । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) प्रमोद कुमार एवं रोड सेफ्टी प्रभारी डॉक्टर आलोक यादव तथा एनएसएस की छात्र-छात्राओं के सहयोग से आने जाने वाले राहगीर जो हेलमेट नहीं लगाए थे या सीट बेल्ट नहीं लगाए थे को हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया गया और इसके फायदे से अवगत कराया गया। इस अभियान के तहत महाविद्यालय में उपस्थित प्राध्यापक तथा सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहयोग दिया। इस अभियान में सर्वप्रथम प्राचार्य ने प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा से संबंधित जानकारी से अवगत कराया तत्पश्चात अभियान की शुरुआत की गई। इस जन जागरूकता अभियान का संचालन रोड सेफ्टी क्लब प्रभारी डॉक्टर आलोक यादव ने किया।

संक्षिप्त खबरें

बैंक मित्र से दो लाख रुपये छीन अपराधी फरार

मैगलगंज। कस्बे में लखीमपुर रोड स्थित इंडियन बैंक के बीसी संचालक राम लखन से किसी व्यक्ति द्वारा दो लाख रुपये की डिमांड की गयी डिमांड पर बीसी संचालक ने दो लाख रूपये की व्यवस्था की इसके बाद बिना नंबर की कार से वह व्यक्ति बीसी संचालक की दुकान पर आया और इधर-उधर की बातें करते हुए दो लाख रूपए छीनकर बिना नंबर की कार से फरार हो गया बीसी संचालक रामलखन ने बताया की सफेद कार थी आगे पीछे नंबर नहीं था गाड़ी कोई और चल रहा था दूसरा व्यक्ति पैसा छीनकर गाड़ी में बैठकर फरार हो गया पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी है।इस घटना के बाद भी मैगलगंज पुलिस सक्रिय नहीं हुई घटना के कुछ देर बाद ही मेंन चौराहे पर लगे सब्जी बाजार से 75 वर्षीय बुजुर्ग की साइकिल चोरी हो गयी बुजुर्ग साइकिल खड़ी करके सब्जी खरीद रहे थे चंद मिनट में ही साइकिल चोरी हो गई फिलहाल दोनों घटनाओं के बाद मैगलगंज में पुलिस पर अपराधी भारी पड़ते नजर आ रहे हैं वहीं दूसरी ओर मैगलगंज कस्बे के प्रभारी झरिया सिंह पूरी तरीके से निष्क्रीय नजर आ रहे हैं बीते कुछ दिनों में मैगलगंज कस्बे में अपराध का ग्राफ बड़ा है कुछ दिन पहले क्षेत्र में हुई चोरियों का खुलासा अभी तक नहीं हो पाया था लेकिन एक ही दिन में कस्बे में दो घटनाएं होने से पुलिस की कार्यशाली पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कई विधानसभा में चौपाले आयोजित

लखीमपुर खीरी। दिनांक 29 जनवरी को जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ महासंग्राम के तहत जनपद की कई विधानसभाओं में चौपालों का आयोजन क्षेत्रीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया द्य विधानसभा पलिया के ब्लॉक बिजुआ की ग्राम पंचायत मटहिया पूर्व विधायक सतीश अजमानी चौपाल में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उक्त चौपाल को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक सतीश आजमानी ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार गरीबी को ही मिटाने लगी हुई है द्य कांग्रेस ने मनरेगा योजना लागू कर गरीब मजदूरों को रोजगार की गारंटी दी थी जिसके तहत 100 दिन का रोजगार मिलता था और किसी को बेरोजगारी भत्ता नहीं देना पड़ता था द्य भाजपा शासन काल में जॉब कार्ड धारकों को काम ही नहीं उपलब्ध कराया गया। उधर श्रीनगर विधानसभा के ग्राम पंचायत कोठिया में रामपाल शाक्य, आफताब अहमद योगेश वर्मा के नेतृत्व में चौपाल का आयोजन किया गया उपस्थित मनरेगा मजदूरों को वर्तमान बीजेपी सरकार द्वारा लाया गया मजदूर विरोधी कानून विस्तार से बताया। उक्त जानकारी कांग्रेस प्रवक्ता रवि तिवारी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। उक्त चौपालों में प्रमुख रूप से उपस्थित ललित वाल्मीकि, सत्तन गुप्ता, राम गोपाल वर्मा शादी रानी शिवकुमार लाल मोहन शालिग्राम रामकिशोर पुरुषोत्तम सतपाल सिंह पुरुषोत्तम वर्मा अमृतलाल लोधी आकाश वर्मा श्याम विष्णु अंकित करण सिंह शिवपाल छोटेलाल आदि।

चुनाव को प्रभावित करने का आरोप, भाजपा जिलाध्यक्ष ने दर्ज कराई शिकायत

गोपीगंज। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने बुधवार को गोपीगंज कोतवाली में उत्तर प्रदेश भूमि विकास बैंक की भदोही शाखा के चुनाव से जुड़ा मामला दर्ज कराया है। शिकायत में उन्होंने प्रत्याशी अशोक कुमार बिंद पर मतदाताओं को भ्रमित करने का आरोप लगाया है। दिए गए प्रार्थना पत्र में जिलाध्यक्ष ने बताया कि शाखा प्रतिनिधि चुनाव में भाजपा की ओर से अधिकृत प्रत्याशी विजय बहादुर सिंह थे, जिनका चुनाव चिह्न बैलेट पेपर पर क्रम संख्या दो पर 'कार' है। आरोप है कि इसके बावजूद विपक्षी प्रत्याशी ने अपने पोस्टर और हैंडबिल पर स्वयं को भाजपा प्रत्याशी बताते हुए प्रचार सामग्री का वितरण किया, जिससे मतदाताओं को गुमराह किया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक शैलेश राय ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

शहीद भगत सिंह गौरव पुरस्कार से पूर्व जस्टिस काटजू ने युवा अधिवक्ता एस. हसन जाज़िब आब्दी को दिल्ली मे किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नीमगांव खीरी। दिल्ली मे आयोजित जनवरी को प्रतिबिंब एजुकेशनल वेलफेयर एंड सोसाइटी द्वारा 10वां शहीद भगत सिंह गौरव पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया जिसके आयोजक पत्रकार सुमित भोजगी और मंच संचालक (एन.डी. टी.वी.) के पत्रकार अली अब्बास नक़वी थे, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय इलाहाबाद, पूर्व मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय मद्रास, पूर्व मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय दिल्ली एवं उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मार्कंडेय काटजू, विशिष्ट अतिथि राजा इक़बाल सिंह मेयर एम.सी.डी. दिल्ली, के महेश आईएएस, सेक्रेटरी, आर्ट एंड कल्चर दिल्ली सरकार, डॉ. कलबे रुशैद रिजवी इस्लामिक स्कॉलर, गुलाम रसूल देहलवी, सीए मनीष मिश्रा,डॉ समीर भाटी आदि उपस्थित थे।

समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित

इस अवसर पर समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई लोगों को सम्मानित किया गया। इनमें गरीबों को टैली सिखाने के

लिए ष्ट मनीष मिश्रा, डॉ. अर्चना धवन बजाज, महिलाओं की मदद के लिए, प्रतीक श्रीवास्तव, मोटिवेशनल यूट्यूबर के लिए एकता के लिए डॉ कल्बे रूशैद रिज़वी,गुलाम रसूल देहलवी, एकता के लिए सर्व धर्म ख्वाजा मंदिर के फाउंडर डॉ. सूफी राज जैन, गरीब बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए महावीर सीनियर मॉडल स्कूल की प्रिंसिपल रुचिका सुखीजा, कोरोना काल में मदद करने के लिए डॉ. समीर भाटी जो पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट, और पीड़ित व असहाय, निर्धन लोगों को फ्री विधिक सलाह देने वाले, लखनऊ लीगल एसोसिएट्स (ए.बी.एच.) उ.प्र. लखनऊ के एम. डी. युवा अधिवक्ता हसन जाज़िब आब्दी को सम्मानित किया गया।

31 महिलाओं को भी किया गया सम्मानित

इसके अलावा, कुछ महिलाओं को भी शहीद भगत सिंह गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एनडीटीवी के पत्रकार अली अब्बास नक़वी ने किया। उन्होंने देश की एकता को कैसे जोड़ा जाए और सभी धर्म के लोग मिलकर कैसे शहीद भगत सिंह को याद कर सकें, इसके बारे में दुनिया को बताया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद नेत्रहीन बच्ची ने बहुत ही सुंदर गाना गाया। इसके बाद संवेदना समिति द्वारा स्पेशल चाइल्ड की परफॉर्मेंस रही, जिसकी थीम थी ऑपरेशन सिंदूर। कार्यक्रम में सभी ने अपनी बात रखी और शहीद भगत सिंह को याद किया, जिसके बाद सभी हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई धर्म के लोग ने मिलकर तिरंगा फहराया और राष्ट्र गान गाया गया..जिसमें सभी अतिथि शामिल थे

आयोजकों की टीम

कार्यक्रम की आयोजक सुमित भोजगी, सह आयोजक एनडीटीवी पत्रकार अली अब्बास नकवी, राजू बंसल, प्रशांत मलिक, सुमित सोनी, सौरभ गुप्ता, विशाल गुप्ता, सुनील गर्ग रहे।

बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह के पिता का निधन

बरेली/जिलाधिकारी अविनाश सिंह के पिता दिनेश बहादुर सिंह का बीमारी के चलते निधन हो गया है उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज में होगा भाई लंबे समय से बीमार चल रहे थे उनके निधन की सूचना मिलते ही अशोक की लहर दौड़ गई सूत्रों के अनुसार बाय डेड महा से अस्पताल में भर्ती थे उन्होंने अस्पताल में 11:00 बजे अंतिम सांस ली वैसे बोल निवृत्ति पीसीएस अधिकारी थे उन्हें श्रद्धांजलि देने आयुक्त बरेली मंडल बरेली भूपेंद्र चौधरी डीआईजी अजय कुमार साहनी बीडीए वीसी मणिकंडन नगर आयुक्त समेत तमाम अधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

ध्रुव प्रसंग सुन श्रोता हुए मंत्र मुग्ध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गांव कैमहरा में श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास ने ध्रुव प्रसंग सुनाया। नैमिषारण्य धाम से पधारे आचार्य शिव प्रकाश मिश्रा ने सुनाया कि सुखदेव जी महाराज कथा सुनाते हुए परीक्षित जी से कहते हैं परीक्षित बचपन में भगवान की भक्ति करना बहुत आसान होता है जो बालकपन में भगवान की भक्ति करता है भगवान उस पर बहुत जल्दी द्रवित हो जाते हैं,इसी संदर्भ में ध्रुव जी की पावन कथा सुनाई। जिसमें कथा व्यास आचार्य शिव प्रकाश जी ने बताया श्रीमद् भागवत महापुराण के अनुसार एक बार की बात ध्रुव जी अपने पिता की गोदी में बैठे हुए थे इतने में ध्रुव जी की सौतेली मां ने ध्रुव जी का अपमान कर दिया उन्होंने कहा कि अगर पिता की गोदी में बैठना है सो जाओ तपस्या करो और फिर मेरे गर्भ में आकर के जन्म लो तब तुम पिता की गोदी और राजगद्दी पर

बैठने के लायक होंगे। इस तरह से ध्रुव जी का अपमान किया और भगवान का अपमान किया ध्रुव जी रोते हुए आए और अपनी माता सुनीति को बताया, तब सुनीति ने ध्रुव जी को परमपिता परमात्मा की गोदी के बारे में बताया ध्रुव की तपस्या करने के लिए चले गए और भगवान की तपस्या की जिस भगवान की गोदी प्राप्त की और भगवान ने 36000 वर्षों तक आकंटक राज्य करने का वरदान दिया। यह प्रसंग सुन श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए।

मनरेगा फर्जीवाड़ा अवकाश पर 308 मजदूरों की हाज़िरी, 5 ग्राम पंचायतो में प्रधानो ने ऑनलाइन दर्ज किए फर्जी रिकॉर्ड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर के एलिया विकास खंड में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। आरोप है कि ग्राम प्रधानों द्वारा गणतंत्र दिवस जैसे सार्वजनिक अवकाश के दिन भी मजदूरों से काम कराए जाने का फर्जी रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज किया गया, जबकि मौके पर कोई कार्य होता हुआ नहीं पाया गया। जानकारी के अनुसार एलिया ब्लॉक की पांच ग्राम पंचायतों में कुल 308 मजदूरों की ऑनलाइन हाजिरी लगाई गई। इनमें नरबाहनपुर ग्राम पंचायत में सबसे अधिक 199 मजदूरों की हाजिरी दर्शाई गई है। इसके अलावा कैनपुर ग्राम पंचायत में 45, खटकरी ग्राम पंचायत में 11, नेरी कलां ग्राम पंचायत में 38 और सरौरा कलां ग्राम पंचायत में 15 मजदूरों की हाजिरी ऑनलाइन दर्ज की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस दिन मजदूरों की हाजिरी

दिखाई गई, उस दिन गणतंत्र दिवस का अवकाश था और गांवों में कहीं भी मनरेगा से संबंधित कोई कार्य नहीं हो रहा था आरोप यह भी है कि फोटो जियो टैगिंग की प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी मजदूरों को मौके पर बुलाकर काम नहीं कराया गया, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि केवल कागजों में ही काम दिखाया गया है। मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अधिकारी जवाबदेही से बचते रहे और मौके पर जाकर जांच करने की जहमत नहीं उठाई गई इससे ग्राम प्रधानों के हौसले और बुलंद हो गए और मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना में खुलेआम घोटाला किया गया। जब इस पूरे मामले में डीसी मनरेगा चंदन देव पांडेय से बातचीत की गई तो उन्होंने जांच कराने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया। फिलहाल देखना यह होगा कि जांच वास्तव में होती है या यह मामला भी फाइलों में ही दबकर रह जाएगा। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मनरेगा में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है!

डीएम ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांची इंटरलॉकिंग की सड़क खुदवाकर नापी मिट्टी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में जिलाधिकारी राजागणपति आर ने आज तहसील सिधौली क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पर्यटन विभाग द्वारा जनपद सीतापुर के महेशपुर सिधौली में स्थित प्रसिद्ध महेशनाथ जी मंदिर परिसर में कराए जा रहे सौंदर्याकरण एवं विकास कार्यों को बारीकी से देखा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर में बिछाई गई इंटरलाकिंग सड़क की ईटों को उखड़वाकर नीचे की मिट्टी का माप लिया और कार्य की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। इसके साथ ही पर्यटन विभाग द्वारा निर्मित कराए जा रहे शौचालय का भी निरीक्षण किया और साफ-सफाई तथा निर्माण गुणवत्ता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग द्वारा निर्मित कराए जा रहे उप निबंधक कार्यालय सिधौली के भवन का निरीक्षण किया उन्होंने भवन निर्माण में

प्रयुक्त मौरंग, सीमेंट सहित अन्य सामग्रियों की जानकारी ली और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन भवन के पीछे जलभराव की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बेहतर और टिकाऊ सामग्री का उपयोग किया जाए, जिससे भविष्य में जलभराव के कारण सीलन या अन्य संरचनात्मक समस्याएं उत्पन्न न हों। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यों की टीपीआई से जांच कराई जाए तथा एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर, पूरी गुणवत्ता और तय मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को जनहित में कार्यों को पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए!!

क्यों लड़ियां की सड़क पर भारी कीचड़ होने के साथ निकालने का संक्ट

बरेली/ विकासखंड भदपुरा मैं स्थित मुख्यालय क्यों लड़िया है यहां पर अप्सरा नदी के बांध से निकली शारदा सागर खंड नहर शाहजहांपुर इस पर लोक निर्माण विभाग की सड़क बनी है जो विगत कई बरसों से टूटी पड़ी है जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को अपनी आवश्यकता की सामग्री खरीदने के लिए क्यों लड़ियां आने के लिए इस कीचड़ में होकर गुजरना पड़ता है। जिसको लेकर ग्रामीणों में रोष है परंतु इस सड़क निर्माण के लिए कई बार लोगों ने शिकायत की गई परंतु इस पर आज तक लोक निर्माण विभाग द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गई जिसके कारण इस सड़क पर हल्की सी बारिश होने पर रास्ता बंद होने के कगार पर आ जाता है इसी सड़क पर लोगों की आवश्यकता की वस्तुएं मिलने के सबसे अधिक स्थान भी हैं। यह सड़क क्यों लड़िया के तिराहे से लेकर जावेद जाने वाली नहर पर बने पुल तक है इस सड़क का निर्माण भाजपा के नवाबगंज विधानसभा से प्रथम बार विधायक बने गेंदालाल गंगवार की यादगार में उस समय के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने बनवाया था क्योंकि विधायक का नवाबगंज में बिजली का करंट लगने से मृत्यु हो गई थी परंतु अब यह सड़क मरम्मत के लिए इंतजार कर रही है जिस पर लोगों को निकालने के लिए भारी संकट का सामना करना पड़ता है।

आयुष आपके द्वार शिविर का आयोजन

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय जाडौरा खीरी के द्वारा आयुष आपके द्वार शिविर आयोजित

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आयुष आपके द्वार के तहत ग्राम कपरहा मे पूर्व ग्राम प्रधान नीरज शुक्ला की अध्यक्षता मे उनके दरबाजे पर लगाया गया।शिविर में 28 मरीजो का परीक्षण कर दवाइयां वितरित की गई। इस दौरान जडौरा के आयुर्वेद चिकित्सक डा हरि शंकर वर्मा व फार्मासिस्ट अनंग पाल सिह के द्वारा शिविर में आये हुये सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी, डायबिटीज, संधिवात, आम बात, रक्तवात, आदि के रोगी देखे गए, और उनको निः शुल्क दबाइयो का वितरण किया गया। वही डायबिटिज के मरीजो को मशीन से चेक करने के पश्चात अनको दवाइयां देकर परहेज की भी जानकारी दी गई।

ग्राम पंचायत की जमीन पर लगे से मल के पेड़ चोरी से काटे गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी। ग्राम पंचायत बंगलहा तकिया के ग्रामीणों ने प्रधान पर नियमो को दरकिनार रख ग्राम समाज की जमीन पर लगे पेड़ो को कटवाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को शिकायत की गई थी। जिसके बाद जांच को पहुचे राजस्व व वन कर्मियों संयुक्त टीम की जांच में नौ पेड़ सेमल के काटे हुए पाए गए। निघासन तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बंगलहा तकिया निवासी ग्राम जगेसर ने मुख्यमंत्री को शिकायत की थी कि परिन्दखां पुरवा के पूरब की और राजस्व की जमीन पर लगे सेमल पेड़ खड़े हुए थे। जिनको ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के द्वारा चोरी छिपे बेच दिया गया है। जिसको लेकर राजस्व विभाग के लेखपाल श्याम किशोर और वन विभाग के अखिलेश रावत ने जांच के दौरान बताया ग्राम पंचायत बंगलहा तकिया के मजरा परिन्दखां पूर्व स्थित राजस्व की गाटा संख्या 2414 पर लगे सेमल के पेड़ काटे जाने की शिकायत मिली थी। मौके पर निरीक्षण करने पर नौ पेड़ कटे हुए पाए गए। जबकि ग्राम पंचायत भूमि पर

यदि पेड़ खड़े हुए हैं तो उनके बेचने के लिए पहले ग्राम पंचायत का प्रस्ताव होना चाहिए फिर तहसील से लेखपाल गिनती कर वन विभाग से मूल्यांकन हो इसके पश्चात् खुली बोली से निलामी होगी और बिक्री का पैसा गांव की निधि जमा किया जाता है। इस संबंध में निघासन खण्ड विकास अधिकारी जेयश कुमार ने बताया की ग्राम विकास अधिकारी को रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कहा गया है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी राजीव निगम ने बताया कि जांच करने के लिए मौके पर राजस्व कर्मचारियों को भेजा गया था। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी!

जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनी पानी की टंकी शोपीस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जिले के विकास खण्ड निघासन के अंतर्गत नौरंगाबाद पंचायत में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित पानी की टंकी आज तक चालू नहीं हो सकी है। निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद गांव में एक दिन भी टंकी से जलापूर्ति शुरू नहीं हो पाई, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

टंकी से नल कनेक्शन मिले, लेकिन पानी नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि अधिकांश घरों में नल कनेक्शन तो दे दिए गए हैं, लेकिन पाइपलाइन का कार्य अधूरा और अव्यवस्थित होने के कारण टंकी से पानी की आपूर्ति संभव नहीं हो सकी। कई स्थानों पर पाइपलाइन अधूरी पड़ी है, जबकि कुछ जगहों पर पाइप जमीन के ऊपर ही छोड़ दिए गए हैं, जिससे पूरी व्यवस्था निष्क्रिय बनी हुई है।

खुदे गड्ढों से गलियों की हालत खराब

ग्रामीणों ने बताया कि पाइपलाइन डालने के दौरान खुदे गड्ढों को ठीक से भरा नहीं गया,

जिससे गांव की गलियों की स्थिति और भी खराब हो गई है। बरसात के मौसम में इन अधूरे कार्यों के कारण आवागमन में भी परेशानी हो रही है।

ठेकेदारों पर मनमानी और लापरवाही का आरोप

नौरंगाबाद पंचायत के लोगों ने आरोप लगाया कि पाइपलाइन का कार्य ठेकेदारों द्वारा मनमानी तरीके से किया गया। निर्माण के दौरान तकनीकी मानकों और गुणवत्ता की अनदेखी की गई। कागजों में कार्य को पूरा दिखा दिया गया, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को योजना का कोई लाभ नहीं मिल पाया।

एनसीसी कंपनी पर लापरवाही का आरोप

ग्रामीणों के अनुसार इस जल परियोजना का कार्य नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी (एनसीसी) द्वारा कराया गया। आरोप है कि कंपनी के जेई और ठेकेदारों की लापरवाही के चलते पाइपलाइन अधूरी रह गई और पानी की टंकी आज तक चालू नहीं हो सकी।

करोड़ों की लागत से बनी पानी की टंकी अब तक चालू नहीं, कागजों पर एक साल से गांवों में पानी की सप्लाई चालू कानूनी कागजों में बनी टंकी से पानी की गांवों में प्रतिदिन स्वच्छ जल की सप्लाई हो रही है मगर प्रशासन के अधिकारी जांच करने नहीं आए है। लोगों की माने तो, क्यों नहीं मिली सप्लाई लेकिन प्रोजेक्ट पूरी तरह से खत्म (Final Finish) नहीं हुआ है, अभी कुछ काम चल रहा है। जिससे लोगों को सप्लाई नहीं मिल रही है। अधूरी और अव्यवस्थित पाइपलाइन से जलापूर्ति बाधित,ग्रामीणों में नाराजगी, ठेकेदारों पर लापरवाही का आरोप- जल निगम ने जल्द सुधार और आपूर्ति शुरू करने का दावा किया, कुल मिलाकर जल जीवन मिशन जैसी अहम योजना का लाभ नौरंगाबाद पंचायत के फरदहिया , ऐली, निबुआ फार्म गांवो तक नहीं पहुंच पाने से ग्रामीणों में निराशा है। अब देखना होगा कि प्रशासन और संबंधित एजेंसियां कब तक कमियां दूर कर इस परियोजना को धरातल पर उतार पाती हैं।

पुलिस ने वांछित अभियुक्त वारंटी को दबिश देकर घर से उठाया जेल भेजा

बरेली/क्यों लड़िया पुलिस ने पीलीभीत न्यायालय द्वारा जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट के थाना क्षेत्र के गांव परसरामपुर निवासी जाबिर पुत्र आशिक को पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर दबिश देकर उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया । पकड़े गए अभियुक्त जाबिर पर उसकी पत्नी द्वारा पीलीभीत न्यायालय में गुजारा भत्ता के लिए बाद दाखिल किया गया था जिसे न्यायालय ने पत्नी के भरण पोषण हेतु धनराशि पत्नी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था जिसके तहत जाबिर ने न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करते हुए पत्नी को गुजारा करने के लिए धनराशि उपलब्ध न कराए जाने पर। न्यायालय ने उसके विरुद्ध 48000 रुपए के वसूली के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था वारंट प्राप्त होने पर क्यों लड़ियां के प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह उपनिरीक्षक मुकेश सिंह कांस्टेबल श्रवण कुमार ने दबिश देकर उसके घर से गिरफ्तार करके पीलीभीत न्यायालय को सौंप दिया गया है।

सी एम.मॉडल कंपोजिट विद्यालय निर्माण में मानको की अनदेखी किए जाने के आरोप

● पीला एवं दोयम दर्जे की ईट लगाकर अधोमानक निर्माण कराए जाने का मामला बना चर्चा का विषय

सरिया व अन्य सामग्री के प्रयोग में भी खेल किए जाने के ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट सी. एम मॉडल कंपोजिट विद्यालय निर्माण में भ्रष्टाचार का घुन इस कदर लगा है कि सी एम मॉडल कंपोजिट विद्यालय निर्माण में मानक विपरीत अधोमानक निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है ।सूत्र बताते हैं कि उक्त सी एम कंपोजिट विद्यालय पैला में दोयम दर्जे की ईट व सरिया से भी घालमेल किया जा रहा है और मानक विहीन अधो मानक निर्माण करा कर सरकारी धन का बंदर बांट किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है ।पूर्व प्रधान पैला की जुवानी सत्य माने तो उक्त विद्यालय के निर्माण में गुणवत्ता के साथ खेल किए जाने के चलते अभी हाल ही में छज्जा भर भरा कर गिर गया था जिसमें एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ था ।और मामला अखबरी सुर्खियां भी बना था ।उक्त मामले में क्षेत्रीय विधायक सौरभ सिंह सोनू को मौके पर जाकर मामले में दखल देना पड़ा था और उनके द्वारा भी अधो मानक निर्माण होने की शिकायत शासन स्तर तक की गई थी। इतना सब होने के बाद भी निर्माण कार्य में लगी कंपनी में कृष्णा एसोसिएट लखनऊ की सिस्टर कंसर्न सीएसडीएस कंपनी के द्वारा मनमाने ढंग से मानकों की अनदेखी करते हुए निर्माण कार्य कराया जा रहा है । ग्रामीणों का आरोप है की पूरी बाउंड्री वॉल में भी दोयम दर्ज की ईट लगवाई गई है और निर्माण कार्य में भी दोयम दर्ज की ईट का प्रयोग किए जाने के साथ-साथ सरिया आदि अन्य सामग्री में भी गुणवत्ता के साथ खेल किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मामले की विशेष जांच टीम द्वारा जांच कराए जाने की मांग की है।

कब्र से निकले शव की मौत का कारण अस्पष्ट बिसार रिपोर्ट लैब भेजी गई, पत्नी के आरोपों पर हुई थी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में युवक की मौत के करीब डेढ़ माह बाद शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराए जाने के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। बुधवार को डॉक्टरों के पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम में युवक की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। डॉक्टरों ने आगे की जांच के लिए बिसरा सुरक्षित कर लैब भेज दिया है। मामला तंबौर थाना इलाके का है, जहां मृतक अनुराग की पत्नी जुगुरता ने आरोप लगाया था कि उसके पति की करीब डेढ़ माह पहले संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पत्नी का कहना है कि गांव के ही एक युवक ने शराब में जहर मिलाकर उसके पति को पिला दिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और बाद में उसकी मौत हो गई। उस समय परिजनों द्वारा शव को दफना दिया गया था। हालांकि, पति की मौत को लेकर संदेह गहराने पर पत्नी जुगुरता ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच और शव का पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग की थी

डीएम के आदेश पर मंगलवार को मजिस्ट्रेट की निगरानी में मंगलवार को शव को कब्र से निकलवाया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया बुधवार को डॉक्टरों के पैनल की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम किया गया, लेकिन शव पुराना होने के कारण मौत के स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सके। इसके चलते डॉक्टरों ने बिसरा सुरक्षित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है। बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों पर स्थिति साफ हो सकेगी इधर, पुलिस ने पत्नी के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बिसरा रिपोर्ट के साथ-साथ सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। गांव के लोगों से पूछताछ की जा रही है और आरोपी बताए जा रहे युवक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। फिलहाल पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी!!

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर नोटिस में खंड शिक्षा अधिकारी सुरियावां द्वारा लगातार की जा रही है सुनवाई

भदोही। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जिन मतदाताओं को एसआईआर नोटिस जारी की गयी है खंड शिक्षा अधिकारी यशवंत सिंह द्वारा भाग संख्या 170 से 193 तक जारी नोटिस 814 के सापेक्ष में लगभग 300 लोगों का सुधार कराया गया और जो किसी कारणवश सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकते, वे लिखित अनुमति देकर किसी प्रतिनिधि को सुनवाई हेतु भेज सकते हैं।एडीएम कुँवर वीरेंद्र मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे मतदाता को अपने हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान से किसी व्यक्ति को अधिकृत करना होगा। यह सुविधा निर्वाचन आयोग के 'कोई मतदाता न छूटे' उद्देश्य के तहत मतदाताओं की असुविधा कम करने के लिए दी गई है।

आयुक्त की अध्यक्षता में 2 फरवरी को कलेक्ट्रेट में राजनीतिक दलों की बैठक

भदोही। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर चल रहे विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा नामित रोल प्रेक्षक/आयुक्त, विन्ध्याचल मंडल, मीरजापुर की अध्यक्षता में 2 फरवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुँवर वीरेन्द्र मौर्य ने बताया कि यह बैठक अपरान्ह 3 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, केशवपुर सरपतहां, भदोही में आयोजित होगी। बैठक में वर्तमान एवं पूर्व सांसदों, विधायकों तथा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्यीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों एवं मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि बैठक का उद्देश्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करना तथा राजनीतिक दलों से सुझाव प्राप्त करना है। बैठक के उपरान्त रोल प्रेक्षक/आयुक्त द्वारा जनपद के विभिन्न विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चयनित मतदेय स्थलों के साथ-साथ ईआरओ एवं एईआरओ कार्यालयों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

मत्स्य विभाग द्वारा 31 जनवरी को पंजीकरण कैम्प का आयोजन

भदोही। प्रभारी मत्स्य विभाग अमित सिंह ने जनसामान्य को सूचित किया है कि जनपद भदोही में प्रधानमंत्री मत्स्य किसान सह-समृद्धि योजना संचालित है। योजना के अंतर्गत एनएफडीपी पोर्टल के माध्यम से मत्स्य पालन, मत्स्य विपणन, मछली पकड़ने, नाव व जाल से जुड़े व्यक्तियों का पंजीकरण किया जा रहा है, ताकि उन्हें मत्स्य विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा सके। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में मत्स्य विभाग द्वारा 31 जनवरी 2026 को रामपुर घाट, बेरापुर में पूर्वाह्न 10 बजे से पंजीकरण कैम्प आयोजित किया जाएगा। कैम्प के माध्यम से मत्स्य गतिविधियों से जुड़े सभी पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण कराकर योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। मत्स्य विभाग ने जनपद के समस्त मत्स्य व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर कैम्प में पहुंचकर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं।

आयुक्त की अध्यक्षता में 2 फरवरी को कलेक्ट्रेट में राजनीतिक दलों की बैठक

भदोही। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर चल रहे विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा नामित रोल प्रेक्षक/आयुक्त, विन्ध्याचल मंडल, मीरजापुर की अध्यक्षता में 2 फरवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुँवर वीरेन्द्र मौर्य ने बताया कि यह बैठक अपरान्ह 3 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, केशवपुर सरपतहां, भदोही में आयोजित होगी। बैठक में वर्तमान एवं पूर्व सांसदों, विधायकों तथा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्यीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों एवं मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि बैठक का उद्देश्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करना तथा राजनीतिक दलों से सुझाव प्राप्त करना है। बैठक के उपरान्त रोल प्रेक्षक/आयुक्त द्वारा जनपद के विभिन्न विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चयनित मतदेय स्थलों के साथ-साथ ईआरओ एवं एईआरओ कार्यालयों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

जमीन विवाद में युवक पर जानलेवा हमला, धारदार हथियार से पैर काटने का प्रयास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। सुरियावां थाना क्षेत्र के कनकपुर गांव में बुधवार की रात करीब 10 बजे जमीन विवाद को लेकर एक युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। हमलावरों ने घर के बरामदे में सो रहे युवक के दोनों पैर काटने का प्रयास किया। चीख-पुकार सुनकर जब तक पत्नी मौके पर पहुंची, तब तक आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। घायल युवक की पहचान विनोद कुमार चौहान (35) पुत्र रामआसरे चौहान के रूप में हुई है। घायल की पत्नी माधुरी ने घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए विनोद को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना की खबर गांव में फैलते ही गुरुवार सुबह करीब 8 बजे आक्रोशित परिजन और ग्रामीण मतेथू-सुरियावां मार्ग पर पहुंच गए और चक्काजाम कर दिया। परिजन आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। चक्काजाम की सूचना पर थानाध्यक्ष सुरियावां मनीष द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया।

करीब दो घंटे बाद सुबह 10 बजे पुलिस द्वारा कार्रवाई के आश्वासन पर चक्काजाम समाप्त कराया गया।थानाध्यक्ष मनीष द्विवेदी ने बताया कि मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। तीन दिन पहले मिली थी धमकी, जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप घायल युवक के पिता रामआसरे चौहान ने बताया कि कनकपुर गांव में स्थित पैतृक जमीन को लेकर करीब पांच वर्षों से विवाद चल रहा है, जो न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप लगाया कि इसी विवाद को लेकर तीन दिन पहले विपक्षी निजाम ने उनके बेटे विनोद का पैर काटने की धमकी दी थी। बुधवार की रात निजाम अपने साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। पीड़ित पक्ष ने निजाम, विमला देवी सहित अन्य लोगों को नामजद किया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि घटना गंभीर है और इसे पूरी संवेदनशीलता के साथ लिया जा रहा है। जमीनी विवाद का मामला सामने आया है।आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है।

मंडल उपाध्यक्ष भाजपा द्वारा यूजीसी कानून के विरोध में पार्टी से दिया इस्तीफा

सुरियावाँ मंडल के युवा समाजसेवी और भारतीय जनता पार्टी के मंडल उपाध्यक्ष विवेक कुमार दुबे(अधिवक्ता) ने सरकार द्वारा .व.स. जैसे कानून लाये जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी के सभी पदों सेअपना त्याग पत्र माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा व मंडल अध्यक्षा सुरियावां स्वरूपा बिंद, को दे दिया गया हैं, युवा समाजसेवी को पार्टी से हटने के कारण क्षेत्र में पार्टी को भारी नुकसान आने वाले समय में हो सकती हैं। क्योंकि दुबे जी एक निडर, मधुर व्यवहार व क्षेत्र में हर तबके के हर सुख दुख में सदैव लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने का हमेशा कार्य किया हैं, जिसके कारण क्षेत्र में उनका सम्मान हर जाती व धर्म के लोग करते हैं, ऐसे लोगों का पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी को भारी नुकसान होगा।

कोनिया रामलीला मैदान में यूजीसी कानून के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

● सवर्ण समाज ने मोदी का पुतला फूंक जताया विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डीघ के कोनिया क्षेत्र के तुलसीकला गांव रामलीला मैदान में गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ जोरदार उग्र प्रदर्शन किया गया। रामलीला मैदान में दोपहर 12 बजे कोनिया क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के लोगों ने एकजुट होकर धरना दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका।ग्रामीणों और छात्रों ने यूजीसी के इन नियमों को छात्रहित देशहित के विरुद्ध बताया। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करने और इन नियमों पर पुनर्विचार करने की मांग की एडवोकेट कमलाकांत और आलोक पाण्डेय ने कहा कि सवर्णों पर थोपा गया यह कानून वापस लेना ही होगा। वेद ने बताया कि यह सांकेतिक धरना प्रदर्शन था और आगे इसकी विस्तृत रूपरेखा बनाई जाएगी। अतुल पाण्डेय और अभिषेक ओम ने इन नियमों को 'मुगलों की तरह थोपा गया कानून' बताया, जो समाज को बांटने का काम करेगा।बृजकिशोर पाण्डेय ने आरोप लगाया कि सवर्णों को गुलामी की ओर धकेला जा रहा है।जबकि भाजपा को सबसे अधिक वोट सवर्णों से ही मिलते हैं। सनत मुन्ना और गुड्डू ने कहा कि मोदी सरकार विभाजनकारी नीतियों पर काम कर रही है, जबकि सरकार को जनता द्वारा चुनी गई होने के नाते सभी के लिए समान होना चाहिए।प्रदर्शनकारियों ने बताया कि भदोही के सवर्णों ने इससे पहले भी जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया था। कोनिया वासियों ने एकजुट होकर इन कानूनों के विरुद्ध आवाज उठाई है और चेतावनी दी है कि इसका खामियाजा भाजपा सरकार को भुगतना पड़ेगा। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से बृजकिशोर पाण्डेय, कमलाकांत पाण्डेय, रतन गुड्डू, आलोक अतुल पाण्डेय, धर्मेंद्र, आशीष, वेद प्रकाश, त्र्यंबक, महेश, बब्लू, राजकिशोर, मुकेश, रितेश, ओम, अभिषेक, विनय शुक्ला, रत्नेश, सनत और चन्दू मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कोनिया के क्षेत्रीय लोगों ने जुटकर पुतला जलाकर विरोध दर्ज कराया।

मुंबई में एक फैक्ट्री में लगी आग दो श्रमिक की हुई मौत

● घर शव पहुंचने पर परिजनों में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के केवलड़र बैधा गांव निवासी दो लोग 15 दिन पूर्व मुंबई में एक टायर गलाने की फैक्ट्री में मजदूरी का कार्य कर रहे थे कि मंगलवार को अचानक टायर की फैक्ट्री में आग लगने से दोनों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस पोस्टमार्टम के बाद गुरूवार को शव घर भेजवाया है। एम्बुलेंस से डेट बाड़ी घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।थाना क्षेत्र के केवलड़र बैधा गांव निवासी भागवत विश्वकर्मा(32) और निवासी रघु कोल (35)के साथ मुंबई में एक पुराना टायर गलाने वाली फैक्ट्री में मजदूरी का कार्य कर रहे थे कि मंगलवार को अचानक टायर की फैक्ट्री में आग लग गई। जिससे दोनों आग की चपेट में आने से जलकर मौत हो गई। मुंबई पुलिस दोनों का शव पोस्टमार्टम के बाद एंबुलेंस से घर पहुंचवाया शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक भागवत विश्वकर्मा को तीन लड़के हैं।पत्नी लल्ली देवी का रो-रो कर बुरा हाल है। वही रघु की मौत के बाद उनकी पत्नी फुलवा का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा है। रघु के पास चार संताने हैं।गांव से कमाने गए दोनों श्रमिकों की मौत होने से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक भागवत के पिता साधु लाल तथा रघु के पिता कल्लन ने बताया कि मुंबई के एक टायर कंपनी में आग लगने के दौरान बेटे की मौत हो गई है।

प्राचीन गौरी शंकर महादेव मंदिर में अखंड रामायण एवं भंडारे का आयोजन

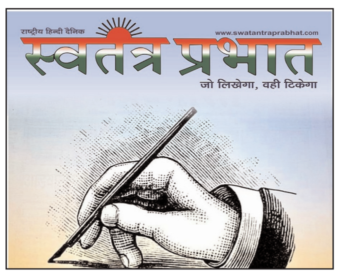

चुनार, मिर्जापुर। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी तहसील प्रांगण में स्थित प्राचीन गौरी शंकर महादेव मंदिर में शुक्रवार दिनांक 30.1.2026 को पश्चात प्रातः 7.00 बजे से अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया है। शनिवार दिनांक 31.1.2026 को प्रातः 8.00 बजे से अभिषेक, पूजन के पश्चात प्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया है।

यूजीसी एक्ट के विरोध में एबीकेएम और आदर्श ब्राह्मण मंच ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। आदर्श ब्राह्मण मंच एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी एक्ट के विरोध में एसडीएम राजेश कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा।अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के नगर अध्यक्ष जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव एवं प्रदेश कार्यकारी महामंत्री राकेश श्रीवास्तव द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में यूजीसी द्वारा लागू प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजूकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन एक्ट 2026 को समाप्त/संशोधित किये जाने की मांग किया गया है। कहा गया है कि इस एक्ट की प्रकृति गैर आरक्षित वर्ग के छात्रों के विरुद्ध भेदभाव पूर्ण है इसके लागू होने से सवर्ण समाज के छात्र छात्राओं को बगैर किसी पर्याप्त कारण पीड़ित होने से नहीं रोका जा सकेगा। वहीं आदर्श ब्राह्मण मंच के तहसील अध्यक्ष शशिकांत मिश्र एड. ब्रह्मानंद शुक्ल के नेतृत्व में सौंपे गये ज्ञापन में यूजीसी द्वारा 13 जनवरी 2026 को जारी अधिसूचना में उच्च शिक्षा के संस्थानों में धर्म नस्ल,जाति, जन्म स्थल पर दिव्यांग जनों के विरुद्ध भेदभाव के उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्धता और भेदभाव को रोकने के लिए जो नियम बनाये गए हैं उनसे शैक्षणिक जगत और विशेषकर सवर्ण छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है जिससे हम सवर्ण समाज के अभिभावकों में गहरी चिंता एवं असंतोष व्याप्त है। इसकी समीक्षा हेतु एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित किये जाने जिसमें शिक्षकों एवं छात्र प्रतिनिधियों को शामिल किये जाने किये की मांग शामिल है। इस दौरान प्रदीप शुक्ला, मुन्ना चौबे, सुनील कुमार मिश्रा, लक्ष्मी शंकर पांडेय,सौरभ श्रीवास्तव, बसंत लाल श्रीवास्तव,धर्मेंद्र श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा, रमाशंकर पांडेय, अभय सिंह,अनिल मिश्रा, बगलेश चंद्र पांडेय, अजय शेखर पांडेय, सुरेंद्र मिश्र अंकुर,अखिलेश पांडेय, सौरभ पुजारी, कवींद्र प्रसाद सिंह,अजय पांडेय, उत्कर्ष मिश्रा, रामजी मिश्रा, प्रभात मिश्रा, डॉ विजय कुमार मिश्रा, सुनील कुमार तिवारी, राजेश्वर सिंह, जनार्दन त्रिपाठी, देवदत्त त्रिपाठी,डब्लू मिश्रा, शिवाकांत पाठक, शैलेंद्र कुमार दुबे, आशुतोष त्रिपाठी, संजीव कुमार ओझा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

श्रमिक की हत्या का खुलासा किए जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने थाने का किया घेराव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया, मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के देवहट गांव निवासी श्रमिक की हत्या का खुलासा नही होने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हुए गुरुवार का थाने का घेराव किया। आक्रोशित ग्रामीण दो घंटे तक धरने पर बैठे रहे और मामले का खुलासा किए जाने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि शव मिले दो दिन हो गया लेकिन अभी तक पुलिस मामले का खुलासा नही कर सकी। ग्रामीणों ने सुरक्षा को लेकर पुलिस पर सवाल खड़े किए।मृत श्रमिक छोटकऊ के पुत्र पिंटू उर्फ रविन्द्र कुमार की तहरीर पर पुलिस अज्ञात के विरुद्ध हत्या मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।थानाध्यक्ष के समझाने बुझाने के बाद ग्रामीणों ने दो घंटे बाद धरना समाप्त किया।थानाध्यक्ष ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि किसी भी सूरत में दोषियों को बख्शा नही जाएगा जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।देवहट गांव निवासी 56 वर्षीय लापता श्रमिक छोटकऊ कोल का बीते 27 जनवरी को पांच दिन बाद सजहवा बाउली जंगल में शव दफनाया मिला था।छोटकऊ कोल बीते 22 जनवरी की रात घर से खेत पर फसलों की रखवाली करने गए थे उसके बाद घर वापस नही लौटे और पांच दिन बाद उनका शव घर से तीन किलोमीटर दूर सजहवा बाउली जंगल के गड्ढे में दफन मिला। मौके पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने घटना की जांच कर शव को गड्ढे से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। बुधवार रात श्रमिक का शव घर पहुंचा जहां ड्रमंडगंज पुलिस के अलावा हलिया और लालगंज पुलिस की मौजूदगी में देर रात दाह संस्कार किया गया।थानाध्यक्ष भारत सुमन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में श्रमिक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। मृतक के पुत्र की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मारपीट के मामले में तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के मतवार गांव निवासी युवक ने गुरुवार को गाली गलौज देने मना करने पर मारने पीटने का गाँव निवासी तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांचपड़ताल में जुट गयी है। थाना क्षेत्र के मतवार चौकी अंतर्गत मतवार गांव के गहिला मजरा निवासी लवलेश कुमार ने दी गयी तहरीर में कहा है कि बीते 20 जनवरी की रात्रि 10 बजे के करीब गेहूं के खेत की सिंचाई करने गया तो देखा की तीन लोग गेहूं की खेत में पाइप फैलाकर पानी ले जा रहे थे जिससे फ़सल नष्ट हो रही थी मना करने पर गाँव निवासी राहुल, छोटई व पुष्पराज गाली गलौज देने लगे मना करने पर लाठी डंडे से मारकर घायल कर दिए जिससे सर फट गया। पुलिस तहरीर के आधार पर तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष श्यामलाल ने बताया कि मारपीट करने के मामले में चोटिल की तहरीर पर तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

महर्षि आजाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में शशांक इलेवन और रायबरेली सेमीफाइनल में

● मास्टर एकेडमी व झारखंड का सफर समाप्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। सुरियावां क्षेत्र स्थित महर्षि आजाद स्टेडियम, मेढ़ी में आयोजित महर्षि आजाद राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत गुरुवार को खेले गए दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शशांक इलेवन मोढ़ और रायबरेली की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। हार के साथ मास्टर क्रिकेट एकेडमी सुरियावां और झारखंड की टीमें प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी मास्टर एकेडमी की टीम 16 ओवर में 9 विकेट खोकर 109 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सूरत ने 20 गेंदों पर 38 रनों की आक्रामक पारी खेली, जबकि अभिजीत ने 26 गेंदों में 19 रन बनाए। शशांक इलेवन की ओर से मयंक दुबे ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में मात्र 8 रन देकर 3 विकेट झटके। कुलदीप मिश्रा और अभिनव तिवारी को दो-दो विकेट मिले। रन देकर 4 विकेट झटके। अमित वर्मा और आनंद प्रकाश ने दो-दो विकेट लेकर विपक्षी टीम को कम स्कोर पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए रायबरेली की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन लक्ष्य का पीछा करने उतरी शशांक इलेवन की टीम ने 13.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 114 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। हर्षित तिवारी ने 36 गेंदों पर नाबाद 44 रनों की शानदार पारी खेली। मनु राजा ने 14 गेंदों में 26 रन और मयंक दुबे ने 14 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाकर टीम की जीत को आसान बना दिया।

दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रायबरेली की टीम ने झारखंड को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड की पूरी टीम 18.3 ओवर में मात्र 81 रन पर सिमट गई। झारखंड की ओर से अभिषेक ने सर्वाधिक 25 रन बनाए। रायबरेली के लिए उमर ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 7 करते हुए बिना कोई विकेट गंवाए मात्र 6.3 ओवर में 85 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। उमर ने नाबाद 46 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि विकेटकीपर सक्षम ने नाबाद 32 रन बनाकर उनका भरपूर साथ दिया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए प्रतियोगिता के चीफ ऑर्गेनाइजर प्रतीक महर्षि दुबे द्वारा मोहम्मद उमर को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सचिव अमर बहादुर सिंह, विजयशंकर राय, राजमणि पांडेय, मथुरा प्रसाद यादव, दिनेश यादव 'दादा', जमींदार बिंद, राजकुमार सरोज, जेपी सिंह, श्याम बहादुर यादव, परमेंद्र गौतम, राकेश वर्मा, मनोज गौतम, अतुल सिंह, नितेश श्रीवास्तव, सनी सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साइबर अपराध पर त्वरित कार्रवाई पैसा वापस दिलाना प्राथमिकता आईजी, आईजी किरण एस ने बीट पुलिसिंग पर दिया ज़ोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर साइबर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश देते हुए आईजी रेंज लखनऊ किरण एस ने कहा कि साइबर फ्रॉड के मामलों में पीड़ितों का पैसा वापस दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। इसके लिए पैसों को फ्रिज कराने की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि ठगी की रकम समय रहते रोकी जा सके।

यह बात उन्होंने सीतापुर दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में कही। आईजी किरण एस गुरुवार को सीतापुर दौरे पहुंचे, जहां उन्होंने सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निरीक्षण किया।

इस दौरान विभिन्न पटलों की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा करते हुए अभिलेखों के रख-रखाव और लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इसके बाद वह पुलिस लाइन पहुंचे। जहां अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर बीट पुलिसिंग को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बीट स्तर पर सक्रिय पुलिसिंग से अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है और जनता के साथ पुलिस का भरोसा भी मजबूत होता है।

आईजी ने न्यायालय में पुलिस की भूमिका को लेकर भी गंभीरता दिखाई। उन्होंने कोर्ट के पैरोकारों से सीधे संवाद कर न्यायालयों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी ली और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए, ताकि न्यायिक कार्यवाही में किसी प्रकार की बाधा न आए इस दौरान आईजी किरण एस ने यक्ष ऐप की भी जानकारी दी और बताया कि इसके माध्यम से जिले के हिस्ट्रीशीटरों का पूरा डेटा प्रदेश स्तर पर ऑनलाइन किया जाएगा, जिससे अपराधियों की निगरानी और उनके खिलाफ कार्रवाई और अधिक प्रभावी हो सकेगी। दौरे के क्रम में आईजी ने पुलिस लाइन स्थित क्रिकेट ग्राउंड, लाइब्रेरी और आरटीसी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण सुविधाओं और संसाधनों को और बेहतर बनाने पर बल दिया, ताकि पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता में निरंतर सुधार हो सके आईजी का यह दौरा साइबर अपराध नियंत्रण, बीट पुलिसिंग और पुलिस व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है!!

जिला वृक्षारोपण,पर्यावरण, गंगा समिति की बैठक सीडीओ की अध्यक्षता में सम्पन्न

● जैविक खेती व गंगा संरक्षण पर अधिकारियों को मिले निर्देश

समीक्षा बैठक में पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा स्वच्छता पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के मार्गदर्शन में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति व गंगा समिति, पर्यावरण के कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक कलेक्टेट सभागार में सम्पन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जब पर्यावरण सुरक्षित होगा, तभी हम लोग भी सुरक्षित होंगे, जो पेड़ लगाये गये है उन पेड़ों का बचाव का प्रयास हम करेंगे संकल्प लें। रोपित किए गए पौधों के रखरखाव एवं अन्य बिंदुओं पर बल दिया गया। जिला पर्यावरण समिति के अंतर्गत जनपद में उत्पन्न हो रहे गीला कचरा के उपचार हेतु उपलब्ध वेट कंपोस्टिंग पिट की कार्यात्मक स्थिति की समीक्षा की गई। जनपद में उत्पन्न हो रहे प्लास्टिक अपशिष्टों को रिसायकल एवं प्रबन्धन (सड़क निर्माण, ऊर्जा निर्माण इत्यादि में) हेतु की जा रही कार्यवाही की गयी। समस्त नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में ठोस अपशिष्ट ट्रांसफर स्टेशन, डम्पिंग साईट क्षमता एवं कार्यात्मक स्थिति की अद्यतन रिपोर्ट पर बल दिया गया। जनपद में उत्पन्न हो रहे कन्स्ट्रक्शन एण्ड डिमालिशन वेस्ट के उचित निस्तारण एवं प्रबन्धन हेतु की जा रही कार्यवाही की गयी। जनपद में उत्पन्न हो रहे ठोस अपशिष्ट के उपचार एवं वैज्ञानिक प्रबन्धन (वेस्ट टू कम्पोस्ट एवं वेस्ट टू एनर्जी) हेतु की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गयी। जनपद में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन अधिनियम 2016 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समस्त नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के फण्टलाइन स्टाफ के कार्यात्मक क्षमता की अभिवृद्धि हेतु किये जा रहे कार्यक्रमों पर जोर दिया गया। जनपद में प्रवाहित हो रहे नालों की टैपिंग हेतु की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गयी। जिला गंगा समिति के अन्तर्गत गंगा किनारे स्थित शव दाह गृह का संचालन विद्युत से किया जाय जिससे नदियों को प्रदूषित होने से बचाया जा सकें। गंगा ग्रामों में किसानो को जैविक खेती हेतु प्रेरित किया जाय तथा रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति आम जनमानस में जन जागरूकता हेतु अभियान चलाया जाए। जनपद में संचालित समस्त डाईग प्लान्ट से निसृत हो रहे तरल अपशिष्ट की गुणवत्ता की जांच की जाय साथ ही गुणवत्ता मानक अनुरूप न होने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जायें। मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पे बढ़ते खतरे के जनपदवासियों को जागरूक करते हुए सीडीओ ने जनपदवासियों से कपड़े वाले थैले या बायोडिग्रेबल थैले में समान लेने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल,प्रभागीय वनाधिकारी विवेक यादव एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण, संभ्रांत नागरिकगण उपस्थित रहे।

एक का एनकाउंटर हुआ तो दूसरे का भी हो, बजरंग दल कार्यकर्ताओं की दो-टूक

● आयुष हत्याकांड पर सड़कों पर फूटा जनाक्रोश, लोहगरा में विश्व हिन्दू परिषद,बजरंग दल तथा व्यापारियों का उग्र कैंडिल मार्च

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। चित्रकूट जनपद के बरगढ़ में व्यापारी के बेटे आयुष की हृदय विदारक और बहुचर्चित हत्या को लेकर यमुनानगर क्षेत्र के नीबी लोहगरा बाजार में आक्रोश सड़कों पर उतर आया। विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल तथा स्थानीय व्यापारियों एवं आस- पास की क्षेत्रीय जनों ने अनगिनत संख्या में कैंडिल मार्च निकालकर घटना के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। कैंडिल मार्च से पहले एक शोक सभा आयोजित की गई जिसमें प्रयागराज के मेयर की उपस्थिति में एकत्रित जनों में सभी का हृदय पीड़ा से व्यथित और मुखमंडल पर अपराधियों के प्रति आक्रोश साफ - साफ दिखाई दे रहा था।शोक सभा में प्रमुख रूप से प्रयागराज मेयर गणेश केसरवानी अपने कुछ सभासदों के तथा लोहगरा बाजार में व्यापारियों के साथ युवा व्यवसाईयो की उपस्थिति ने शोक सभा को और भी भावुक बना दिया।कैंडिल मार्च के दौरान माहौल उस वक्त और गर्म हो गया जब विश्व हिन्दू परिषद,बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से कठोरतम कार्रवाई की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि 'जैसे एक अपराधी का एनकाउंटर हुआ है, वैसे ही दूसरे अपराधी पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अपराध में शामिल आरोपियों के घरों पर बुल्डोजर चलाया जाए, ताकि ऐसी निर्मम घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। 'कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। प्रदर्शन में शामिल विश्व हिन्दू परिषद कार्यकर्ता आदर्श दुबे और बजरंग दल से विजय शंकर पाण्डेय ने कहा कि यह मामला सिर्फ एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सुरक्षा से जुड़ा है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए और न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया जाए। कैंडिल मार्च में हिन्दू मातृशक्ति की बड़ी भागीदारी भी देखने को मिली। माताओं-बहनों ने मोमबत्तियां जलाकर अपना आक्रोश जताया और कहा कि बेटों की सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। वहीं लोहिया बाजार व्यापारियों ने एक स्वर में कहा कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। असंख्य की तादाद में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल कार्यकर्ता और लोहगरा बाजार के व्यापारी तथा क्षेत्रीय हिन्दू रोड पर उतर आए, जिससे क्षेत्र में देर तक गहमागहमी बनी रही। पूरा इलाका 'आयुष को न्याय दो' और 'हत्यारों को सजा दो' के नारों से गूंजता रहा। कैंडिल मार्च शांतिपूर्ण रहा, लेकिन संदेश साफ था–अब न्याय में देरी बर्दाश्त नहीं।

प्रचीन शिव मंदिर का पुनः निर्माण कार्य शुरू

नैनी, प्रयागराज। गुरुवार को हनुमान नगर में प्रचीन शिव का पुनः निर्माण कराया जा रहा है। आप को बता दे की पीडीए द्वारा इस मंदिर को सड़क चौडी करण के दौरान तोड़ दिया गया था। जिससे स्थानीय लोगों के सहयोग से मंदिर का पुनः निर्माण कराया जा रहा है।जिसमे समाजसेवी योगेश चौरसिया एवं पार्षद राकेश जायसवाल, के द्वारा कार्य हो रहा है। निर्माण के दौरान लोगों मे खुशी भी देखी गई। लोगों की माने तो यह काफी पुरानी मंदिर पुराना थी । निर्माण के दौरान नैनी व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष चंद्र केसरवानी,राम लखन केसरवानी, भोला गुप्ता, सीमू जायसवाल, डॉ राकेश विश्वकर्मा, सुन्दरम चौरसिया, धर्मराज पटेल, टोनी कनोजिया,राहुल केसरवानी, आदि रहे।

इफ़को में नैनो उर्वरकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। जनपद प्रयागराज में कोआपरेटिव रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट फूलपुर प्रयागराज में कृषि विभाग के अधिकारी,कर्मचारी व बिक्री केंद्र प्रभारियों का नैनो उर्वरकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि जिला कृषि अधिकारी के.के. सिंह ने सभी बिक्री केन्द्र प्रभारियों को किसानो को नैनो उर्वरकों के बारे में किस प्रकार से प्रयोग करने की सही विधि है उसको किसानो को सही जानकारी प्राप्त हो और किसान नैनो उर्वरकों की सही प्रकार से प्रयोग करे और इससे होने वाले लाभ को प्राप्त कर सके के बारे में जानकारी दी। कार्यकम में कॉर्डेट प्रधानाध्यापक डॉ डी.के.सिंह सभी प्रभारियों को नैनो यूरिया प्लस,नैनो डीएपी, नैनो जिंक,नैनो कॉपर व अन्य जल विलेय उर्वरकों की प्रयोग विधि और परिणाम के बारे में विस्तार से चर्चा किया और प्रयोग करने की विधि और प्रयोग से होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा किया । कार्यक्रम में क्षेत्र प्रबंधक अक्षय कुमार पांडेय जी द्वारा प्रभारियो को किसानो को असंतुलित दानेदार उर्वरकों को कम प्रयोग करने हेतु और नैनो उर्वरकों और अन्य जल विलेय उर्वरकों को प्रयोग करने के लिए किसानो को समझाया जाए जो हमारी मृदा व पर्यावरण के लिए लाभदायक हो और उपयोगी हो कार्यक्रम में उप जिला कृषि अधिकारी विकास मिश्रा क्षेत्र प्रतिनिधि प्रयागराज अमित सिंह , इफ़को एम.सी. अरविंद द्विवेदी , केंद्र प्रभारी इफ़को प्रयागराज अमन सिंह और लगभग 70 बिक्री केंद्र प्रभारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

आवारा कुत्तों ने कई लोगों को बनाया अपना शिकार, नगर निगम की टीम पूरी तरह से फेल

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के आस पास करीब 150 लोगों को आवारा कुत्तों ने अपना शिकार बनाया है। जो चाका सीएचसी में पहुंचकर रेबीज का इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे है। सीएचसी चाका में दर्ज किए गए रिकॉर्ड में 150 मरीजों का नाम लिखा गया है। इसके साथ उनकी पर्ची बनवाई गई है।इन मरीजों को रेबीज का इंजेक्शन लगाया गया है साथ ही दवाइयां भी दी गई है। लेकिन इन आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए नगर निगम की टीम पूरी तरह से फेल साबित हो रही है। जिसको लेकर स्थानीय लोगों में नगर निगम के प्रति काफी रोष भी देखा जा रहा है। जो की लोगों ने कई बार शिकायत भी की लेकिन नगर निगम के लोगों के कान में जूं नहीं रेंगती। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन कुत्तों के कारण घर से निकलने में भी डर लग रहा है। खास तौर पर बच्चों के लिए ज्यादा खतरा बना हुआ है।अब देखना यह है की कब नगर निगम द्वारा कब इन आवारा कुत्तों को पकड़ने का कार्य जारी करेगी।

सोमेश्वर महादेव जी संसार के सर्वस्व सार हैं

नैनी ,प्रयागराज। परमात्मा की कृपा से वसंतरूप संत का आगमन होता है।प्रयागराज के महर्षि महेश योगी स्मारक पर चल रही महर्षि महेश योगी जी के परम शिष्य वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी गिरीश जी के निर्देशन में चल रहा है श्री शिवमहापुराण कथा में आज शिव विवाह की कथा संपन्न हुई। कार्तिकेय जी के जन्मोत्सव के विविध प्रसंग तथा गणेश जी के प्राकट्य का विधान बताया गया। भगवान गणेश जी का पूर्व नाम गुणेश था ! वे गणों के स्वामी बनकर रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ प्रदान कर रहे हैं। पूज्य आचार्य निलिम्प जी ने तारकासुर तथा त्रिपुरासुर वध की भी अलौकिक कथा सुनाई। आज कथा में आचार्य आश्रम प्रभारी सुनील तथा आश्रम प्रभारी बसंत दास के साथ ही रायपुर से राममणि शुक्ल, हरिवंश शुक्ल, रामानंद त्रिपाठी, प्रभाकराचार्य त्रिपाठी भोपाल से पधारे हुए कटारे, संजय द्विवेदी , कानपुर से आशुतोष रस्तोगी, मीडिया प्रभारी संजय श्रीवास्तव सहित आदि आचार्य उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल ने दुबे तलाव एवं नया पुरवा को गंगोत्री नगर पुलिस चौकी में शिफ्ट करने को सौंपा ज्ञापन

नैनी, प्रयागराज। गुरूवार को एसीपी करछना से नैनी व्यापार मंडल ने एक पत्र सौंपा।पत्र में व्यापार मंडल महामंत्री एवं भाजपा रेहड़ी पटरी महानगर संयोजक घनश्याम जायसवाल ने बताया की पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि नैनी बाजार पुलिस चौकी से दो गांव दुबे तलाव एवं नया पुरवा को हटाकर गंगोत्री नगर पुलिस चौकी में शिफ्ट किया जाए। श्री जायसवाल ने कहा की दुबे तलाव एवं नया पुरवा जो नैनी बाजार कस्बा पुलिस चौकी में है।बाजार कस्बा की पुलिस बराबर इन गांव में नहीं पहुंच पाती है और ना ही गश्त कर पाती है।क्योंकि यह दोनों गांव 4 किलोमीटर दूर है बाजार कस्बा से और लाइन उस पर भी है। जनता ,किसान,व्यापारी, नागरिक को चौकी आने जाने में काफी दिक्कतें आती है ।इन दोनों गांव को गंगोत्री नगर पुलिस चौकी जो ओवरब्रिज के नीचे है। उसमें शिफ्ट करने की मांग की ।इससे जनता को काफी आराम मिलेगा ।मांग करने वालों में नैनी व्यापार मंडल महामंत्री एवं भाजपा महानगर संयोजक घनश्याम जायसवाल , रामबाबू सिंह ,सूर्यपकाश गौड़,ज्वाला पटेल ,राजेश राय,हीरा देव पटेल,ताज खान, मुन्ना जायसवाल, प्रहलाद सिंह, तमाम लोग शामिल थे।

77 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर पुलिस आयुक्त में भव्य परेड का आयोजन किया गया

मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्या द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा परेड का निरीक्षण कर सलामी ली गयी। इस अवसर पर अधिकारी/कर्मचारीगण को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की भावना को मजबूत बनाने की शपथ दिलाई गयी।

सिमुलेटर फायरिंग प्रशिक्षण से एनसीसी कैडेट्स में निखर रही सैन्य दक्षता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

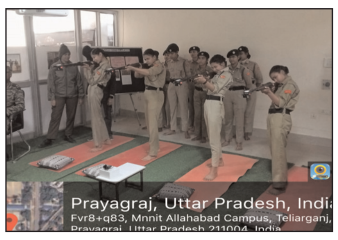

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के तत्वावधान में 1 यूपी समग्र तकनीकी रेजीमेंट (सी टी आर) एनसीसी, प्रयागराज द्वारा एमएनएनआईटी प्रयागराज परिसर में सिमुलेटर फायरिंग प्रशिक्षण का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित संचालन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आधुनिक सैन्य तकनीक के माध्यम से कैडेट्स को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रयागराज एनसीसी ग्रुप के अंतर्गत संचालित सभी एनसीसी बटालियन एवं कंपनियाँ इस सिमुलेटर फायरिंग प्रशिक्षण में सहभागिता कर रही हैं। 1 यूपी समग्र तकनीकी रेजीमेंट (सीटीआर) प्रयागराज द्वारा जारी प्रशिक्षण शेड्यूल के अनुसार कैडेट्स को चरणबद्ध ढंग से सिमुलेटर फायरिंग का अभ्यास कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज 15 यूपी बटालियन एनसीसी, प्रयागराज के कैडेट्स ने सिमुलेटर फायरिंग प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स में फायरिंग के दौरान सटीक निशाना साधने की क्षमता विकसित करना तथा फायरिंग से संबंधित तकनीकी एवं व्यवहारिक क्रियाकलापों को सुदृढ़ बनाना रहा। कैडेट्स को प्वाइंट .22 राइफल के माध्यम से सिमुलेटर पर फायरिंग का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनकी एकाग्रता, आत्मविश्वास एवं निशाने की सटीकता में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। भारतीय सेना में फील्ड फायरिंग रेंज की सीमित उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए सिमुलेटर तकनीक को एक प्रभावी विकल्प के रूप में अपनाया गया है। यद्यपि विशेषज्ञों का मत है कि सिमुलेटर पूर्णतः वास्तविक प्रशिक्षण का स्थान नहीं ले सकते, फिर भी यह कैडेट्स को वास्तविक परिस्थितियों के निकट अनुभव प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सिमुलेटर फायरिंग प्रशिक्षण का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन 1 यूपी समग्र तकनीकी रेजीमेंट (सीटीआर) के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल राजेश्वरी प्रसाद कर रहे हैं। यह सिमुलेटर फायरिंग प्रशिक्षण कैडेट्स में अनुशासन, साहस, तकनीकी दक्षता एवं राष्ट्रसेवा की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास सिद्ध हो रहा है।

हेमवती नंदन बहुगुणा में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

नैनी ,प्रयागराज। गणतंत्र दिवस का आयोजन हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस अत्यंत धूमधाम से समारोह पूर्वक मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश जी ने ध्वजारोहण किया, इसके पश्चात राष्ट्रगान हुआ और महाविद्यालय की समारोहिका और गृह विज्ञान विभाग की विभाग प्रभारी प्रो. नीतू सिंह ने उच्च शिक्षा निदेशक महोदय के संदेश को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन त्रिवेणी सांस्कृतिक क्लब की प्रभारी डॉ. अर्चना राय ने किया। प्रो. मंजु लता ने छात्र- छात्राओं को अपना प्रेरणादायक भाषण और आशीर्वचन दिया। प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश ने भारत के गणतंत्र के इतिहास पर प्रकाश डाला तथा प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं को राष्ट्र के प्रति सदैव समर्पित रहने की शिक्षा दी।इस अवसर पर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये जिनमें शनि विश्वकर्मा ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया, वंदना पटेल ने कजरी गीत, शिवांगी द्विवेदी, सौरभ गोस्वामी ने गीत प्रस्तुत किया। दीक्षा पुष्कर एवं आकांक्षा भट्ट ने अपनी-अपनी नृत्य की प्रस्तुति दी।इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे तथा विभिन्न महाविद्यालयों से आये प्राध्यापक, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वार्षिक उत्सव समारोह में बच्चों ने दिखाई अपने कला की प्रतिभा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शंकरगढ़(प्रयागराज)। शंकरगढ़ के एन.एस.के. इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ।जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सहायक पुलिस आयुक्त बारा निकिता श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती मां के सामने कॉलेज के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी जी के साथ दीप प्रज्वलित करके शुरुआत की गई । उनके द्वारा अपने शुभारंभ भाषण में विद्यार्थियों को अपने उज्जवल भविष्य के लिए अध्ययन के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी योगदान करने को प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों विशेष कर बालिकाओं को विभिन्न क्षेत्रों जैसे सिविल सेवा आदि के माध्यम से समाज के उत्कृष्ट क्षेत्र में स्थान ग्रहण करके नारियों का सम्मान बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी द्वारा विद्यार्थियों को ए.सी.पी. निकिता श्रीवास्तव से प्रेरणा लेकर अपने अध्ययन को और अधिक लगन एवं मेहनत के साथ करके उनके जैसे ही सिविल सेवा आदि के माध्यम से पुलिस अधिकारी ,जिला अधिकारी ,डॉक्टर, इंजीनियर आदि बनने को प्रेरित किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि उनके विद्यालय के पुराने छात्र इस विद्यालय में अध्ययन करके उत्कृष्ट नंबरों के साथ पास हुए तथा विभिन्न सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र में विभिन्न पदों में कार्यरत हैं। वे जहां भी जाते हैं उनके पुराने छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपने विद्यालय और क्षेत्र का नाम उज्ज्वल करते हुए दिखते हैं जिन्हें देखकर उनका सिर गर्व से ऊंचा हो जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा झांसी की रानी स्वागत गीत ,सरस्वती वंदना आदि के द्वारा सभी अतिथियों का मन मोह लिया गया। इस अवसर पर कई विशिष्ट अतिथि जैसे पत्रकार प्रदीप सिंह ,प्रधान राममिलन कैंब्रिज इंटर कॉलेज के बालेंद्र पांडे ,मणि शंकर दुबे, पंकज मिश्रा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी द्वारा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रताप बहादुर सिंह, शिक्षक विजय शंकर मिश्रा, ज्ञानेंद्र मिश्रा, संदीप सिंह, अशोक त्रिपाठी ,उत्तम सिंह बघेल ,दीपक विश्वकर्मा, प्रदीप मिश्रा ,राजेश सिंह, कमलाकर सिंह ,पुष्पराज सिंह, एल.एन. वर्मा ,शिवेंद्र सिंह, रावेन्द्र, रोहित सिंह ,कामिनी सिंह ,अनीता सिंह ,अर्चना सिंह ,सोनाली पांडे, हीरा पांडे, माया सिंह आज समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जिलाधिकारी ने अविद्युतीकृत घरों को विद्युत तंत्र का निर्माण कर संयोजन देने की दिए आवश्यक निर्देश

● विद्युत राहत योजना में बकाए दारो को जागरूक करने का निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ भारत सरकार की अविद्युतीकृत घरों को विद्युत तंत्र का निर्माण कर संयोजन देने की योजना RDSS - UEHH की प्रगति के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गयी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस योजना के अन्तर्गत जनपद प्रयागराज के 929 मजरों में विद्युतीकरण का कार्य किया जाना है और 19461 आवासों में विद्युत कनेक्शन निर्गत किये जाने का लक्ष्य है। अब तक 316 मजरों में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। 186 मजरों का कार्य प्रगति पर है। इन मजरों में 10754 संयोजन निर्गत किये जाने थे परन्तु अभी तक मात्र संयोजन हेतु 5902 आवेदन ही प्राप्त हुये है। 424 मजरों में विद्युतीकरण का कार्य अभी आरम्भ नही हुआ है। इन मजरों में कनेक्शन के आवेदन प्राप्त होने पर ही विद्युतीकरण का कार्य आरम्भ किया जा सकेगा। जिलाधिकारी द्वारा समस्त मजरों में सभी शेष आवासों में संयोजन लेने हेतु ग्रामवासियों को जागरूक करने के लिये प्रधानों व जनप्रतिनिधियों की मद्द लेने हेतु निर्देशित किया गया है तथा इस सम्बन्ध में जिला पंचायतीराज अधिकारी के माध्यम से ग्राम प्रधानों/सचिवों को पत्र लिखकर उनसे संवाद करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही वर्तमान में घरेलू 2 कि0वा0 तक तथा वाणिज्यिक 1 कि0वा0 तक के विद्युत उपभोक्ताओं हेतु दिनांक 01.12.2025 से चल रही विद्युत बिल राहत योजना-2025 की भी समीक्षा की गयी। यह योजना तीन चरणों में लागू की गयी है, जिसका पहला चरण 31.12.2025 को समाप्त हो गया है, दूसरा चरण 31.01.2026 तथा तीसरा चरण 28.02.2026 तक है। तीनो चरणों में विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत बिल नवम्बर 2025 तक लगे ब्याज में 100 प्रतिशत छूट व प्रथम चरण में मूल में 25 प्रतिशत, द्वितीय चरण में मूल में 20 प्रतिशत

तथा तृतीय चरण में मूल में 15 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

समीक्षा में पाया गया की जनपद प्रयागराज के यमुनापार तथा गंगापार क्षेत्र में इस योजना के अन्तर्गत 374927 उपभोक्ताओं का पंजीकरण कराया जाना है परन्तु दिनांक 28.01.2026 तक मात्र मात्र 90850 उपभोक्ताओं के द्वारा पंजीकरण कर लाभ प्राप्त किया गया है। शेष उपभोक्ताओं को योजना में पंजीकरण कराने हेतु विद्युत विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह, मुख्य अभियन्ता(वितरण), प्रयागराज क्षेत्र-द्वितीय, प्रयागराज इं0 अशोक कुमार, तथा अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल-प्रथम, प्रयागराज इं0 लोकेश चन्द्र उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने पायलटों की जान बचाने का अतिसराहनीय कार्य करने वालों को किया सम्मानित

●पंकज सोनकर, लाल साहब निषाद एवं आलोक यादव को प्रोत्साहन स्वरूप रू0 1,00,000/- की धनराशि भेंट कर किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा गुरूवार को संगम सभागार में जनपद प्रयागराज में विद्यावाहिनी स्कूल के पास तालाब में प्रशिक्षण के दौरान गिरे विमान के दोनो पायलटो को सुरक्षित निकालकर उनकी जान बचाने का अतिसराहनीय कार्य करने वाले पंकज सोनकर, लाल साहब निषाद एवं आलोक यादव को जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप रू0 1,00,000/- की धनराशि भेट करते हुए सम्मानित किया गया, जिससे भविष्य में भी समाज में इस प्रकार के मानवीय एवं साहसिक कार्यों को बढ़ावा मिल सके। यह कार्य अत्यंत साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इनके इस साहसिक एवं सराहनीय कार्य से जनपद प्रयागराज की छवि गौरवान्वित हुई है। ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं तथा अन्य नागरिकों को भी आपात परिस्थितियों में सहायता हेतु प्रेरित करते हैं। प्रशासन द्वारा उनके इस योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। उल्लेखनीय है कि विद्यावाहिनी स्कूल के पास तालाब में प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनी विमान के गिर जाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई थी, जिसमें दो पायलटों की जान संकट में पड़ गई थी। घटना की सूचना प्राप्त होते ही घटना स्थल के पास के स्थानीय नागरिकों द्वारा अदम्य साहस, सूझबूझ एवं मानवता का परिचय दिया गया। उक्त घटना में पंकज सोनकर, लाल साहब निषाद एवं श्री आलोक यादव द्वारा तत्काल तालाब में उतरकर दोनों पायलटों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जान बचाई गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट श्री विनोद कुमार सिंह, क्षेत्रीय कीड़ाधिकारी, उप कीड़ाधिकारी, म्योहाल अदि लोग उपस्थित थे।

ताले में बंद इलाज, रखवाली के नाम पर खानापूर्ति

● जसरा में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। विकासखंड जसरा अंतर्गत बारा खास स्थित नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी सच्चाई सामने आ गई है। मीडिया टीम जब जीरो ग्राउंड कवरेज के लिए मौके पर पहुंची तो स्वास्थ्य केंद्र पर ताला लटकता मिला। न डॉक्टर मौजूद थे, न वार्ड बॉय और न ही कोई पैरामेडिकल स्टाफ।

मरीज इलाज की उम्मीद लेकर आते हैं और मायूस होकर लौट जाते हैं। स्वास्थ्य केंद्र में रखवाली के नाम पर बुधराम गौतम, निवासी करछना को तैनात किया गया है। मीडिया द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि पूर्व में यहां लगातार चोरियां होती थीं, एक गेट तक चोरी हो गया था, परिसर में बड़े-बड़े झाड़-झंखाड़ फैले थे, इसी कारण उन्हें यहां रखा गया है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब मौके पर पूरा स्वास्थ्य केंद्र बंद है और ताला लटक रहा है तो स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर और कर्मचारी आखिर कैसे आते हैं। देखरेख के लिए व्यक्ति तैनात होने के बावजूद अस्पताल का बंद रहना कई सवाल खड़े करता है। मीडिया की पड़ताल में सामने आया कि अस्पताल की हालत बेहद बदहाल है–कई जगह दीवारें टूटी हुई हैं, एक गेट पूरी तरह नदारद है, एक गेट लगा हुआ है, कहीं दरवाजे नहीं हैं तो कहीं शौचालयों में गंदगी भरी पड़ी है। परिसर की स्थिति इतनी खराब है कि देखने से यह स्वास्थ्य केंद्र कम और खंडहर अधिक प्रतीत होता है।

सरकार द्वारा लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद मरीजों को न समय पर दवा मिल रही है और न ही प्राथमिक उपचार। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब जसरा सीएचसी अधीक्षक की घोर लापरवाही का नतीजा है। न नियमित निरीक्षण हो रहा है और न ही व्यवस्थाओं को सुधारने की कोई ठोस पहल। बड़ा सवाल यह है कि जब स्वास्थ्य केंद्र बंद है और सुविधाएं शून्य हैं तो सरकारी कागजों में यह अस्पताल आखिर संचालित कैसे दिखाया जा रहा है। यह मामला केवल लापरवाही का नहीं, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ सीधे तौर पर खिलवाड़ का है।

प्रयागराज छिवकी एवं प्रयागराज जंक्शन पर चलाया गया सघन टिकट चेकिंग अभियान

ब्यूरो प्रयागराज। दिनांक 28.01.2026 को में सहायक वाणिज्य प्रबन्धक (फ्रेट) , कृष्ण कुमार राय के नेतृत्व में प्रयागराज छिवकी एवं प्रयागराज जंक्शन पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया । इस चेकिंग अभियान में इस अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक (रेड), संतोष कुमार की टिकट चेकिंग टीम ने 634 यात्रियों को प्रभावित कर 4,08,050 /- रुपये वसूल किए गए । इनमें से बिना टिकट यात्रा करने वाले 201 यात्रियों से 1,92,500/- रूपये, अनियमित यात्रा करने वाले 433 यात्रियों से 2,15,550 /- रूपये वसूल किए गए। इस टिकट चेकिंग अभियान में 12 टिकट चेकिंग स्टाफ, 05 रेलवे सुरक्षा बल एवं 05 राजकीय रेलवे पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा किया गया। रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाड़ी तथा रेल परिसर में गन्दगी न फैलाएं, कूड़ा कूड़ेदान में ही डाले तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें। केवल अधिकृत एवं आईआरसीटीसी द्वारा अनुमोदित वेंडरों से ही खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थ क्रय करें तथा किसी भी अवैध विक्रेता की जानकारी तत्काल रेलवे हेल्पलाइन 139 या निकटतम रेलवे अधिकारी को दें।

पुलिस व खनन विभाग ने चंदनवा पहाड़ी पर कार्रवाई करते हुए 12 ट्रैक्टर ट्राली सीज

प्रयागराज। शंकरगढ़ क्षेत्र में अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ पुलिस व खनन विभाग ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल दर्जन भर ट्रैक्टर-ट्रालियों को सीज किया है। यह कार्रवाई चन्दनवा चरिहारी पहाड़ी क्षेत्र में की गई, जहां लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें मिल रही थीं।प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकरगढ़ पुलिस और खनन विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत चन्दनवा चरिहारी पहाड़ी पर बिना अनुमति के अवैध रूप से खनिज का खनन किया जा रहा है और उसे ट्रैक्टर-ट्रालियों के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई।सूचना की पुष्टि होते ही प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह के नेतृत्व में थाना शंकरगढ़ पुलिस तथा खान निरीक्षक वैभव सोनी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने छापेमारी के दौरान अवैध खनन व परिवहन में संलिप्त कुल 12 ट्रैक्टर-ट्रालियों को पकड़ा, जिनमें खनिज लदा हुआ था। जांच के दौरान संबंधित वाहन चालक कोई वैध खनन या परिवहन से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सभी ट्रैक्टर-ट्रालियों को सीज कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बरामद खनिज और वाहनों के संबंध में अग्रिम विधिक कार्रवाई खनन अधिनियम एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस अवैध खनन के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं और किनके संरक्षण में यह कार्य संचालित हो रहा था।इस संयुक्त कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक यशपाल सिंह,खान निरीक्षक वैभव सोनी उपनिरीक्षक शिवकुमार यादव, उपनिरीक्षक अनिल कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल अरविन्द तिवारी तथा कांस्टेबल विशाल सिंह शामिल रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध खनन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी ऐसे अभियानों को निरंतर जारी रखा जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बरही में विवाहिता ने नदी में कूदकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही में बुधवार की शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 25 वर्षीय विवाहिता अंजलि देवी ने बराकर पुल से नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे की है। सूचना मिलते ही बरही पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक ग्रामीणों की मदद से शव नदी से बाहर निकाला जा चुका था। बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। बताया गया कि मृतिका का अपने पति सौरभ कुमार से प्रेम विवाह हुआ था। अंजलि देवी मूल रूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। अंजलि देवी के दो छोटे बच्चे हैं, जिनके सिर से मां का साया उठ गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट व परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को लेकर हजारीबाग जिले में 6 फरवरी तक सभी अनुज्ञप्तिधारियों को शस्त्र जमा करने का निर्देश

हजारीबाग, झारखंडः- आगामी नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने शस्त्र अधिनियम, 1962 की धारा 46 (21) के अंतर्गत निर्देश जारी किया गया है। निर्देश के अनुसार हजारीबाग जिला के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को अपने-अपने शस्त्र दिनांक 06.02.2026 तक अनिवार्य रूप से अपने संबंधित थाना / ओ0पी0 तथा अधिकृत शस्त्र विक्रेता के पास जमा करना होगा। शस्त्र जमा करते समय थाना प्रभारी / ओपी प्रभारी एवं शस्त्र विक्रेता द्वारा शस्त्रों को सुरक्षित रूप से जमा कर अनुज्ञप्तिधारियों को पावती रसीद प्रदान की जाएगी। साथ ही, शस्त्रों के जमा किए जाने से संबंधित प्रतिवेदन जिला शस्त्र शाखा, हजारीबाग को ससमय उपलब्ध कराया जाएगा। नगरपालिका (आम) निर्वाचन, 2026 की प्रक्रिया की समाप्ति के उपरांत संबंधित थाना प्रभारी / ओपी प्रभारी तथा शस्त्र एवं कारतूस विक्रेता द्वारा अनुज्ञप्ति धारियों को उनके शस्त्र विधिवत विमुक्त कर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

बसरिया पंचमाधव में दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का शुभारंभ

बरही, हजारीबाग, झारखंड- बरही प्रखंड अंतर्गत बसरिया पंचायत के पंचायत सचिवालय में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, हजारीबाग के तत्वावधान में कृषक महिलाओं के लिए दो दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराकर उनकी आय में वृद्धि करना है। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को उन्नत बीजों के चयन एवं उपयोग, कीटनाशकों के सुरक्षित एवं संतुलित प्रयोग, फसल रोग नियंत्रण तथा उन्नत तकनीकों के माध्यम से पैदावार बढ़ाने के विषय में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। विभागीय प्रशिक्षकों द्वारा व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से खेती को लाभकारी बनाने के उपाय बताए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य प्रतिनिधि हरेंद्र गोप की उपस्थिति रही। वहीं प्रशिक्षक एवं किसान मित्र के रूप में राजेंद्र यादव ने किसानों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में कृषक महिलाओं ने भाग लिया, जिनमें खुशबू कुमारी, सीमा देवी, अफसाना बानो, नीलम देवी, संगीता देवी, सरस्वती देवी, पार्वती देवी, कविता देवी सहित अन्य महिला कृषक एवं सभी कृषि प्रशिक्षक शामिल रहे। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से किसानों को नवीन तकनीकों की जानकारी मिलती है, जिससे वे कम लागत में अधिक उत्पादन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकते हैं।

नगर निकाय चुनाव को लेकर आजसू पार्टी की हाई लेवल बैठक संपन्न, सभी 36 वार्डों में वार्ड प्रभारी नियुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवघर, झारखंडः- नगर निकाय चुनाव को लेकर आजसू पार्टी की एक हाई लेवल बैठक गुरुवार को देवघर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-18 स्थित जिला अध्यक्ष के आवासीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आजसू पार्टी देवघर जिला अध्यक्ष आदर्श लक्ष्य ने की, जबकि संचालन देवघर नगर अध्यक्ष कुंदन शर्मा ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव राजा साहनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष आदर्श लक्ष्य ने कहा कि इस बार नगर निकाय चुनाव दलगत आधार पर नहीं हो रहा है। ऐसे में पार्टी ने यह निर्णय लिया है कि वह योग्य और जनसमर्थन वाले निर्दलीय प्रत्याशियों को समर्थन देगी। उन्होंने बताया कि बैठक में नियुक्त किए गए सभी 36 वार्ड प्रभारी अपने-अपने वार्डों में जाकर योग्य प्रत्याशियों की पहचान करेंगे और संगठन को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे, जिसके आधार पर पार्टी समर्थन का निर्णय लेगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मेयर पद को लेकर समर्थन का निर्णय शीघ्र लिया जाएगा। जो प्रत्याशी सामाजिक न्याय और विकास के मूल सिद्धांतों पर चलने का लिखित शपथ पत्र देगा और निर्वाचित होने के बाद पूरे पाँच वर्ष के कार्यकाल में इन्हीं मुद्दों पर कार्य करेगा, पार्टी उसी प्रत्याशी को समर्थन देगी। बैठक में सर्वसम्मति से 36 वार्डों के लिए वार्ड प्रभारियों की घोषणा की गई। इनमें वार्ड 1 से अभिषेक कुमार, वार्ड 2 से चुनचुन यादव, वार्ड 3 से नयन राज साहनी, वार्ड 4 से रवि पासवान, वार्ड 5 से निर्भय चौधरी, वार्ड 6 से मनीष यादव, वार्ड 7 से कोशिश झा, वार्ड 8 से कुणाल रंजन, वार्ड 9 से छोटू तुरी, वार्ड 10 से राज शर्मा, वार्ड 11 से राहुल चौधरी, वार्ड 12 से सूरज ठाकुर, वार्ड 13 से धीरज केशरी, वार्ड 14 से मोहम्मद सोनू, वार्ड 15 से संतोष पंडित, वार्ड 16 से विजय मंडल, वार्ड 17 से सचिन झा, वार्ड 18 से बमबम यादव, वार्ड 19 से जितेंद्र ठाकुर, वार्ड 20 से प्रियांश रमानी, वार्ड 21 से विवेक राउत, वार्ड 22 से नीरज सिंह (भाक्कू), वार्ड 23 से अभिषेक चंद्रवंशी, वार्ड 24 से निशांत शेखर, वार्ड 25 से सौरव मालाकार, वार्ड 26 से आदित्य कुंजीलवार, वार्ड 27 से सुनील कापड़ी, वार्ड 28 से चंदन केवट, वार्ड 29 से अमित यादव, वार्ड 30 से राहुल गुप्ता, वार्ड 31 से प्रेम मंडल, वार्ड 32 से अविनाश शर्मा, वार्ड 33 से अनिल केशरी, वार्ड 34 से मिथिलेश दास, वार्ड 35 से आलोक कुमार एवं वार्ड 36 से नीलेश दास को वार्ड प्रभारी बनाया गया। बैठक में बड़ी संख्या में आजसू पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर नगर निकाय चुनाव में संगठन को मजबूत करने तथा सामाजिक न्याय और विकास के मुद्दों पर मजबूती से काम करने का संकल्प लिया।

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 : निष्पक्ष चुनाव के लिए निगरानी दल सक्रिय

●अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पर नियंत्रण रखने हेतु निगरानी दलों का किया गया गठन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय पर नियंत्रण रखने हेतु विभिन्न निगरानी दलों का गठन किया गया है। इन दलों का उद्देश्य चुनाव के दौरान होने वाली गड़बड़ियों पर नजर रखना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। इन सभी निगरानी दलों में नामित पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सहायक कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो अपने-अपने दायित्व क्षेत्रों में सक्रिय रहकर कार्य करेंगे। वीडियो निगरानी दल में 04 प्रभारी पदाधिकारी एवं 10 सहायक पदाधिकारी नामित किए गए हैं। वीडियो निगरानी दल द्वारा चुनावी रैलियों, सभाओं, जुलूसों और प्रचार गतिविधियों की वीडियोग्राफी की जाएगी, ताकि उम्मीदवारों के खर्च और आचार संहिता के उल्लंघन पर नजर रखी जा सके। वीडियो अवलोकन दल में सभी वार्डों के लिए 05 प्रभारी पदाधिकारी एवं 05 सहायक पदाधिकारी नामित किए गए हैं। वीडियो अवलोकन दल वीडियो रिकॉर्डिंग को देखकर यह जांच करेगा कि कहीं चुनाव नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ है और खर्च की सही जानकारी दर्ज हो रही है या नहीं। लेखा दल में 05 प्रभारी पदाधिकारी एवं 05 सहायक पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। लेखा दल उम्मीदवारों द्वारा किए जा रहे चुनावी खर्च का हिसाब रखेगा, जिसमें प्रचार सामग्री, वाहन, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर होने वाला खर्च शामिल होगा। उड़नदस्ता दल में 15 दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं वीडियोग्राफर नामित किए गए हैं। उड़नदस्ता दल क्षेत्र में अवैध नकदी के आदान प्रदान, शराब के वितरण अथवा किसी अन्य संदेहास्पद गतिविधि, जो मतदाताओं को प्रलोभित करने के उद्देश्य से की जा रही हो, का पता लगाएगा। स्थैतिक निगरानी दल में 24 दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं वीडियोग्राफर की प्रतिनियुक्ति की गई है। स्थैतिक निगरानी दल चेक पोस्टों और प्रमुख स्थानों पर तैनात रहकर भारी मात्रा में नकदी, अवैध शराब, हथियार या संदिग्ध वस्तुओं की जांच करेगा।

अलाव मुद्दे पर पालिका ईओ ने कांग्रेस नेता ललिया को भेजा नोटिस

●कांग्रेस नेता ने नोटिस को बताया दबाव की रणनीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर में अलाव की संख्या को लेकर एक बार फिर मामला तूल पकड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। गत माह पूर्व कांग्रेस नेता रामकिशोर पुरोहित ललिया महाराज द्वारा एसडीएम को दिए गए शिकायती पत्र को आधार बनाकर नगर पालिका ईओ ने ललिया को एक नोटिस भेजा है। नोटिस मिलने पर ललिया ने कहा है कि ईओ द्वारा उनके ऊपर दबाव बनाने की कोशिश भर है। मामले के मुताबिक बीती 26 दिसंबर को ललिया ने एसडीएम ज्योति सिंह को एक शिकायती पत्र दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि पूर्व के वर्षों में नगर भर में 150 से लेकर 180 स्थानों पर पालिका द्वारा अलाव जलवाए जाते रहे हैं। सीमा विस्तार के बाद इन अलावों की संख्या 250 से लेकर 350 तक हो जानी चाहिए थी लेकिन वर्तमान में पालिका द्वारा सिर्फ 30-40 स्थानों पर ही अलाव जलवाए जा रहे हैं जो नाकाफी साबित हो रहे हैं।

वहीं ललिया के इसी शिकायती पत्र को आधार बनाकर ईओ मोनिका उमराव ने बीती 21 जनवरी को एक नोटिस जारी करते हुए ललिया से 250 से लेकर 350 स्थानों पर जो अलाव जलते रहे हैं, उनकी सूची 3 कार्य दिवसों में उपलब्ध कराए जाने को कहा है। नोटिस में ईओ ने कहा है कि पूर्व की जो प्रमाणिक सूची है, उसके तहत नगर में 17 स्थानों पर ही अलाव जलते रहे हैं जबकि पालिका द्वारा वर्तमान में 27 स्थानों पर अलाव जलवाए जा रहे हैं। नोटिस में ईओ ने कहा है कि यदि सूची उपलब्ध नहीं कराई गई तो यह समझा जाएगा कि पालिका की छवि धूमिल करने का आपके द्वारा मनगढ़ंत प्रयास किया गया है। उधर, नोटिस प्राप्त होने के बाद ललिया ने गुरुवार को प्रेस वार्ता की। प्रेस वार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी, जिला महासचिव अनिल पटैरिया आदि की मौजूदगी में ललिया ने कहा कि ईओ द्वारा नोटिस जारी करना, उन्हें और कांग्रेस नेताओं कार्यकर्ताओं को दबाव में लेने की रणनीति भर है। उन्होंने कहा कि वह नोटिस का प्रमाणिक जवाब देने वाले हैं और जनहित के मुद्दे पर वह झुकेंगे नहीं। राघवेंद्र सहित अनिल पटैरिया ने भी ईओ पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों पर चुप नहीं बैठेगी और डटकर मुकाबला करेगी।

प्रदेश को विकसित करना है तो नारी को सशक्त बनाना होगा नरेंद्र कुमार सिंह, थानाप्रभारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर / सोनभद्र -डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति, पांचवां चरण, 'सशक्त नारी- समृद्ध प्रदेश' के तहत विद्यार्थियों को बीजपुर थाना प्रभारी के द्वारा विशेष जानकारी दी गई। सर्वप्रथम एनसीसी कैडेट्स तन्वी तिवारी, खुशबू , खुशी एवं अंजली सिंह ने बीजपुर थाना से पधारे सभी अतिथियों को सलामी दी। तत्पश्चात डीएवी परिवार की ओर से डॉ0 आर के झा ने थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार सिंह एवं उपनिरीक्षक कमलाकांत पांडे को विद्यालय के प्रार्थना सभागार में पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। तदुपरांत खेल शिक्षक मनोज पांडे के निर्देशन में विद्यार्थियों ने स्काउट ताली बजाकर सभी आगंतुकों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उसके बाद कक्षा दसवीं की छात्रा शैलजा यादव एवं कक्षा छठी की छात्रा प्रकृति श्रीवास्तव ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। खेल शिक्षक मनोज पांडे ने अपनी स्वरचित गीत 'बेटियां तो महान होती है' गाकर सभी के अंतर्मन को छू लिया। संगीत शिक्षिका आकृति पांडे के निर्देशन में कक्षा पांचवीं की छात्राएं कशफ इकबाल , कशिश उपाध्याय, त्रिशा, सृष्टि, अदिति, अध्येता, पूर्णिमा एवं अंश सिंह ने महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कक्षा सातवीं की छात्रा अल्फिया अज़ीज़ ने नारी का सम्मान करो, मत उसका अपमान करो कविता सुनाकर महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में विशेष संदेश देने का काम किया। संगीत शिक्षिका आकृति पांडे ने अपनी मधुर आवाज में महिलाओं पर केंद्रित गीत गाया। तबला पर कक्षा तीन का छात्र वैभव विश्वकर्मा ने संगत किया। इसके बाद थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार सिंह ने अपने ओजस्वी उद्बोधन के द्वारा महिला सुरक्षा से संबंधित जानकारी देते हुए नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वाबलंबन पर विशेष बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को सभी सरकारी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साथ हीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी पम्पलेट विद्यार्थियों में वितरित करवाया। उन्होंने बालकों को अनुशासित रहने तथा शिक्षकों एवं माता पिता के निर्देशों का पालन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश को विकसित करना है तो महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। इस अवसर पर उपनिरीक्षक कमलाकांत पांडे, हेड कांस्टेबल बिपिन यादव, भानुप्रताप यादव, कांस्टेबल हरिश्चंद्र, महिला कांस्टेबल निहारिका पांडे, प्रियंका तथा समाज सेवी अनिल त्रिपाठी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन शैलजा यादव ने किया। विद्यालय की ओर से डॉ0 आर के झा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में रंजना सिंह, समता सिंह, शगुफ्ता शबनम, अरूण कुमार सिंह, अलीशा सिंह, हरिश्चंद्र वर्मा आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विद्यार्थियों समेत पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

घटिया सड़क निर्माण पर भड़के ग्रामीण, नारेबाजी कर किया विरोध-प्रदर्शन

– पीडब्लूडी प्रांतीय खंड विभाग द्वारा कराया जा रहा निर्माण

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – पीडब्लूडी विभाग द्वारा घटिया सड़क निर्माण कराए जाने पर वृहस्पतिवार को ग्रामीण भड़क उठे और जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मानक के अनुरूप कार्य कराए जाने की मांग उठाई। बता दें कि पन्नूगंज मेन रोड से ओरगाई होते हुए निपनिया नहर लगभग तीन किलोमीटर तक सड़क का निर्माण कार्य पीडब्लूडी प्रांतीय खंड द्वारा करवाया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण कार्य में मानक की अनदेखी की जा रही है, मानक के विपरीत घटिया सड़क निर्माण कराया जा रहा है जो दो महीने भी नहीं चलने वाला। ग्रामीणों ने कहा कि तारकोल नाम मात्र का छीड़क कर पेंटिंग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि विभाग के अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी और आईजीआरएस पर मुख्यमंत्री के यहां शिकायत करने के बाद भी काम ठीक से नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि उक्त सड़क निर्माण में कार्य कर रही संस्था द्वारा भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इस पर सख्त कार्रवाई करें और सड़क निर्माण गुणवत्ता के अनुसार किया जाए। प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से लल्लू पटेल, सुनील कुमार सिंह, मुकेश कुमार सिंह, शिवनारायण सिंह, अनिल कुमार सिंह, संतोष कुमार, बलवंत पटेल, रामप्यारे पटेल आदि रहे।

अवैध विद्युत उपयोग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिजली विभाग द्वारा अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा की चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। सहायक विद्युत अभियंता के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने बरही थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर औचक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान पाया गया कि कई उपभोक्ता बिना किसी वैध विद्युत कनेक्शन के सीधे विद्युत लाइन से तार जोड़कर बिजली का उपयोग कर रहे थे। यह कृत्य विद्युत अधिनियम के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। मौके से अवैध तार एवं अन्य सामग्री जब्त की गई, जिसे विभागीय कार्यालय में जमा करा दिया गया है। छापेमारी में कुल 7 लोगों को अवैध विद्युत उपयोग का दोषी पाया गया। साथ ही बरही थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। विशंभर यादव खोड़ाहर, समुद्रा देवी देवचन्दा, कमाख्या सिंह खेरोन, जितेंद्र रवानी निश्चितपुर, दिनेश पासवान निश्चितपुर, भुनेश्वर पासवान निश्चितपुर, सूरज पासवान निश्चितपुर पर अलग-अलग मामलों में कुल 1,61,700 का आर्थिक दंड लगाया गया। जुर्माने की राशि 18,700 से 35,500 तक निर्धारित की गई, जो अवैध उपयोग की प्रकृति एवं आकलन के आधार पर तय की गई है। बिजली विभाग ने स्पष्ट किया है कि संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे वैध विद्युत कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें, अन्यथा भविष्य में और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आगे भी इस तरह के जांच अभियान लगातार जारी रहेंगे।

सरकारी तालाब के जीर्णोद्धार में हेराफेरी, स्थल पर नहीं लगा सूचना बोर्ड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड :- पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत पाकुड़िया पंचायत के ग्राम शहरपुर में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बड़े तालाब का जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। यह कार्य भूमि संरक्षण विभाग, पाकुड़ की ओर से कराए जाने की बात कही जा रही है, लेकिन तालाब की खुदाई प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता और हेराफेरी के आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार तालाब की खुदाई के दौरान फ्लोर में केवल लगभग 5 फीट तक ही मिट्टी निकाली गई है, जबकि तालाब के मेड़ और पठाल की मिट्टी को कई स्तरों पर मशीन से काटकर तालाब को कृत्रिम रूप से गहरा दिखाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त तालाब पहले से ही लगभग 4-5 हाथ गहरा था, ऐसे में वास्तविक खुदाई नगण्य है। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब सरकारी है, परंतु योजना स्थल पर सूचना बोर्ड नहीं लगाए जाने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि तालाब सरकारी है या निजी, तथा इसका वास्तविक लाभुक कौन है। इससे पूरे कार्य की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है।

एक ओर जहां सरकार योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका समाप्त करने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर इस तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में बिचौलियों की संलिप्तता की चर्चा जोरों पर है। सूत्रों के अनुसार तालाब जीर्णोद्धार योजना में लाभुक को कुल राशि का 10 प्रतिशत विभाग में जमा करना होता है, जबकि शेष 90 प्रतिशत राशि सरकार द्वारा प्रदान की जाती है। ऐसी स्थिति में यदि किसी सामान्य किसान के नाम पर 30 से 40 लाख रुपये की योजना स्वीकृत होती है, तो उसे पहले ही 3 से 4 लाख रुपये जमा करने पड़ते हैं। बिना किसी अग्रिम भुगतान के इतने बड़े कार्य का पूरा होना संदेह के घेरे में है, जिससे बिचौलियों की भूमिका की आशंका और गहराती है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि तालाब को बहुत गहरा कर दिया गया है, जबकि वास्तविकता में केवल साइड की मिट्टी काटी गई है। किसानों के अनुसार सिंचाई के लिए जल भंडारण बढ़ाने हेतु तालाब के तल (फ्लोर) को गहरा करना अत्यंत आवश्यक है, न कि केवल किनारों की खुदाई। ग्रामीणों ने मांग की है कि शहरपुर स्थित तालाब की स्थल जांच कराई जाए और दोषियों के विरुद्ध न्यायसंगत कार्रवाई की जाए, ताकि सरकारी राशि का सही उपयोग हो सके और किसानों को अधिक जल भंडारण एवं बेहतर सिंचाई सुविधा मिल सके।

चौपारण थाना क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती पर बड़ी कार्रवाई

●संयुक्त अभियान में क़रीब 100 एकड़ में लगी फसल नष्ट, ड्रोन से की गई पहचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चौपारण थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई है। दिनांक 29 जनवरी 2026 को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर चौपारण थाना अंतर्गत ग्राम अंजन में वन विभाग एवं चौपारण पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को चिन्हित कर मौके पर ही विनष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार, अंजन गांव के विभिन्न दुर्गम इलाकों में बड़े पैमाने पर अफीम की अवैध खेती की जा रही थी। पुलिस एवं वन विभाग की टीम ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए ड्रोन के माध्यम से इलाके की पहचान की और तत्पश्चात खेतों में लगी अफीम की फसल को नष्ट किया। बरामदगी के दौरान घटनास्थल से 14 डिलीवरी पाइप बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस द्वारा अवैध खेती में संलिप्त व्यक्तियों के नाम-पते का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होते ही उनके विरुद्ध कांड दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी है। इस संयुक्त अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही अजित कुमार बिमल, पुलिस निरीक्षक बरही अंचल चंद्रशेखर, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, एसआई सुबिंदर राम, एसआई दिव्य प्रकाश, एएसआई बदल महतो, एएसआई कमरुद्दीन, सशस्त्र बल के जवान तथा वनपाल कुलदीप कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल थे। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग ने स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त और निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि ऐसे अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दें, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभाव से बचाया जा सके।

दो भाइयों में विवाद में पुलिस पर मारपीट करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कदौरा(जालौन)- मकान के बंटवारे को लेकर दो सगे भाइयों के बीच हुए विवाद में डायल 112 पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने विवाद शांत कराने के बजाय एक भाई के साथ बेरहमी से मारपीट की और उसे घसीटते हुए गाड़ी में बैठाने की कोशिश की। इस पूरी घटना का वीडियो परिजनों ने बना लिया, जो अब सामने आया है।

मामला कदौरा थाना क्षेत्र के बबीना बस स्टैंड के पास का बताया जा रहा है। महेश साहू के पुत्र रविकांत और शशिकांत के बीच बुधवार देर शाम मकान के बंटवारे को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि बड़ा भाई रविकांत उस समय शराब के नशे में था, जिसके बाद विवाद बढ़ते हुए हाथापाई में बदल गया। स्थिति बिगड़ने पर पिता ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पीआरवी डायल 112 वाहन संख्या यूपी 32 बीजी 5701 मौके पर पहुंचा। परिजनों का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने विवाद सुलझाने के बजाय नशे में धुत रविकांत के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि युवक को बेरहमी से पीटा गया और घसीटते हुए गाड़ी में बैठाने की कोशिश की गई। इसी दौरान परिजनों ने पुलिस कार्रवाई का वीडियो बना लिया, जिसमें कथित रूप से पुलिसकर्मी युवक के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। परिजनों का कहना है कि पुलिस युवक को जबरन वाहन में बैठाकर जोल्हपुर की ओर ले जाने लगी। विरोध होने पर उसे कदौरा थाने लाया गया। बाद में परिजनों द्वारा कदौरा थाने को सूचना दी गई, जिसके बाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों की बात सुनी। पुलिस की मौजूदगी में दोनों भाइयों और परिवार के बीच समझौता हो गया। हालांकि, परिजनों ने डायल 112 के पुलिसकर्मियों पर अनावश्यक मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में कदौरा थाना प्रभारी प्रभात सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वायरल वीडियो और प्राप्त शिकायत के आधार पर तथ्यों की पड़ताल की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी से विवाद में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

●पत्नी के मायके पक्ष द्वारा मारपीट कर पत्नी-बेटी को ले जाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- पत्नी से चल रहे विवाद और पारिवारिक तनाव के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह परिजनों ने युवक का शव कमरे में लटकता देखा तो घर में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नगर के मालवीय नगर निवासी रवि उर्फ हाथी (29) ने बुधवार रात अपने कमरे में पंखे के हुक से रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। गुरुवार सुबह जब परिजन उसे जगाने पहुंचे तो वह फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी अजीत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों के अनुसार रवि राजमिस्त्री का काम करता था और उसकी 8 वर्षीय एक पुत्री है। बीते कुछ समय से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। बताया गया कि 25 जनवरी को पत्नी के मायके पक्ष के लोग कोंच आए थे और रवि के साथ मारपीट कर उसकी पत्नी व बेटी को अपने साथ ले गए थे। इसके बाद से रवि मानसिक तनाव में था। परिजनों का कहना है कि इसी तनाव के चलते रवि ने आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

रात के अंधेरे में ट्रेक्टर ट्रॉली चोरी

माधौगढ़(जालौन)- नगर के उमरी रोड क्षेत्र से अज्ञात चोरों ने देर रात एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी कर ली। घटना की जानकारी गृहस्वामी को सुबह तब हुई, जब उसने अपने घर के बाहर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके से गायब पाया। बताया गया है कि चोरों ने सुनियोजित तरीके से रात के समय वारदात को अंजाम दिया। सुबह चोरी का पता चलने पर गृहस्वामी ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन ट्रैक्टर-ट्रॉली का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है। गृहस्वामी की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी विकेश बाबू ने बताया कि चोरों की तलाश जारी है और जल्द ही ट्रैक्टर-ट्रॉली की बरामदगी का प्रयास किया जा रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार कुन्दन पाल की माताजी के निधन पर प्रेस क्लब दी श्रद्धांजलि

आवास पर पहुंचकर प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने सौंपा शोक पत्र

ललितपुर। प्रेस क्लब के सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार एवं पार्षद कुन्दन पाल की पूज्यनीय माताजी के निधन पर प्रेस क्लब ने गहरा शोक व्यक्त किया है। बुधवार को अमर शहीद पं. गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार भवन में प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित हुई। जहां उपस्थित पत्रकार बंधुओं ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। तत्पश्चात सभी पत्रकारगण उनके आवास पर पहुंचे, जहां पत्रकार कुन्दन पाल एवं उनके परिवारजनों को शोक पत्र सौंपते हुए ढांढस बंधाया। इस दौरान प्रेस क्लब के सरंक्षक पवन संज्ञा, मंजीत सिंह सलूजा, कार्यालय प्रभारी अजित जैन भारती, उपाध्यक्ष विजय जैन कल्लू, महामंत्री अमित सोनी, कोषाध्यक्ष अमर प्रताप सिंह पाली, राहुल चौबे, अभय श्रीमाली, बृजेश पंथ, हरीशंकर अहिरवार, अजय तोमर, शिब्बू राठौर, संजू श्रोती, बलराम, अशोक तिवारी, अनूप सेन, सुनील जैन, शुभम् पस्तोर, सुमित रैकवार, अमित संज्ञा, निहाल सेन पटना, आशीष तिवारी, राहुल साहू खिरिया, कृष्णकांत सोनी, प्रदीप रिछारिया सहित अनेक प्रेस क्लब सदस्य मौजूद रहे।

सुरक्षा का विश्वास, पुलिस का प्रयास, मिशन शक्ति 5.0

मिशन शक्ति 5.0, ललितपुर पुलिस द्वारा चलाया गया जागरुकता अभियान

ललितपुर। मुख्यमंत्री उ.प्र. सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के प्रति जिले में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गांव-गांव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीडऩ से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई।

प्रदेश सरकार में सशक्त हो रहा होमगार्ड्स विभाग, जालौन में नए भवन का शुभारम्भ

●राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति ने किया भूमि पूजन, कहा अब सुविधाओं और सम्मान के साथ आगे बढ़ रहा विभाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई (जालौन)- राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति ने सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार, जल शक्ति मंत्री प्रतिनिधि अरविंद चौहान, डिविजनल कमांडेंट होमगार्ड्स झांसी रविशंकर त्रिवेदी, होमगार्ड कमांडेंट राजेश सिंह की उपस्थिति में गुरुवार को जनपद जालौन के जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड्स कार्यालय, चौरसी में नव निर्मित राजकीय भवन के निर्माण हेतु भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में होमगार्ड्स विभाग निरंतर सशक्त और आधुनिक बन रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व यह विभाग संसाधनों के अभाव से जूझ रहा था, परंतु आज यह विभाग सुविधाओं, सम्मान और सुरक्षा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 39 जिलों एवं 7 मंडलीय प्रशिक्षण केंद्रों में विभाग के अपने शासकीय भवन स्थापित हो चुके हैं, जबकि 11 जिलों एवं 1 मंडलीय प्रशिक्षण केंद्र में निर्माण कार्य प्रगति पर है जिनमें आज जनपद जालौन भी शामिल हो गया है। मंत्री ने कहा कि पूर्व में ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में दिवंगत होमगार्ड्स को मात्र 3 लाख रुपये की बीमा राशि मिलती थी, जबकि वर्तमान सरकार द्वारा सेवाकाल में दिवंगत होने पर 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि, साथ ही एक पात्र आश्रित को होमगार्ड्स स्वयंसेवक के पद पर नियुक्ति दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, दुर्घटना में दिवंगत होने पर 30 लाख रुपये तक की सहायता राशि विभिन्न बैंकों के माध्यम से प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि होमगार्ड्स के बेहतर टर्न-आउट हेतु 3000 रुपये प्रति होमगार्ड वर्दी भत्ता, प्रत्येक थाने में पुरुष एवं महिला होमगार्ड्स हेतु पृथक-पृथक सुविधायुक्त कक्ष तथा प्रशिक्षण भत्ता व ड्यूटी भत्ता समान कर दिया गया है। वर्तमान में विभाग के समस्त कार्य पूर्णतः ऑनलाइन संचालित हो रहे हैं। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि होमगार्ड्स हमारे समाज की सुरक्षा की मजबूत कड़ी हैं जो हर आपदा, चुनाव, पर्व-त्योहार और कानून-व्यवस्था के समय निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि आज जिला कमाण्डेन्ट कार्यालय के भवन का भूमि पूजन होना जनपद जालौन के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने होमगार्ड्स जवानों के सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं को प्राथमिकता दी है। पहले जिन जवानों को पहचान और संसाधन नहीं मिलते थे, आज वही जवान आधुनिक सुविधाओं, बेहतर मानदेय और सुरक्षित भविष्य के साथ सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नया भवन न केवल प्रशासनिक कार्यों को सुगम बनाएगा बल्कि होमगार्ड्स जवानों के मनोबल को भी नई ऊँचाइयाँ देगा। उन्होंने निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पूर्ण कराने की अपेक्षा व्यक्त की। माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन ने कहा कि होमगार्ड्स स्वयंसेवक अनुशासन, सेवा और समर्पण का जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा होमगार्ड्स के लिए किए जा रहे सुधार ऐतिहासिक हैं और इससे विभाग की कार्यक्षमता में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि नया शासकीय भवन बनने से न केवल विभागीय कार्यों में गति आएगी, बल्कि होमगार्ड्स जवानों को एक सम्मानजनक कार्य वातावरण भी प्राप्त होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद जालौन को यह सौगात मिलना विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही आर्थिक सुरक्षा, ऑनलाइन व्यवस्थाएँ और आधारभूत सुविधाएँ यह दर्शाती हैं कि होमगार्ड्स अब केवल स्वयंसेवक नहीं, बल्कि एक सशक्त सुरक्षा बल के रूप में स्थापित हो रहे हैं।

यूसीजी बिल के संशोधन वापस लेने की मांग

●युवा ब्राह्मण महामण्डल, क्षत्रिय महासभा व जैन समाज ने दिया ज्ञापन

जिला प्रशासन के जरिए प्रधानमंत्री को भेजा गया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। यूजीसी कानून को काला कानून बताते हुये सामाजिक असंतुलित होने का आरोप लगाते हुये प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन के जरिए भेजा है। युवा ब्राह्मण महामण्डल, श्री दिगम्बर जैन समाज पंचायत समिति (रजि.), अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने एकजुट होकर यह ज्ञापन भेजा है। संगठनों ने लामबंद होकर बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित ड्राफ्ट रेगुलेशन/नये नियम देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में गहरी असमानता और भेदभाव उत्पन्न करने वाले हैं। यह कानून अपने वर्तमान स्वरूप में एकपक्षीय प्रतीत होता है, जिसके कारण विशेष रूप से सवर्ण वर्ग के छात्रों का शैक्षणिक और व्यवसायिक भविष्य बाधित होने की स्थिति बन रही है। शिक्षा नीति का उद्देश्य सभी वर्गों को साथ लेकर चलना होना चाहिए, न कि जातियों के आधार पर किसी एक वर्ग के अधिकारों का हनन करना चाहिए। भारत का संविधान समानता, प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय की भावना पर आधारित है। ऐसे में किसी भी निर्णय समिति का संतुलित बहुवर्गीय और समावेशी होना अनिवार्य है। इस कानून में यह भी देखा जा रहा है कि नीति निर्धारण और निर्णय समितियों में सामाजिक संतुलन और प्रतिनिधित्व का अभाव है, जिससे इस कानून की ड्राफ्टिंग पर निष्पक्षता को लेकर प्रश्न चिह्न खड़े होते हैं। सामान्य जातियों को स्थाई शोषक वर्ग मानते हुये थोपे जा रहे हैं। इस दूरगामी नकारात्मक परिणाम वाले बिल से सवर्णों के साथ भेदभाव किया गया है। आरोप लगाया कि पूर्वाग्रहों और निजी स्वार्थों के कारण झूठी शिकयत करने वालों के लिए किसी भी प्रकार की कार्यवाही न किये जाने का प्रावधान ही झूठी शिकायतों को बढ़ावा देगा। सभी वर्गों ने इस प्रकार के कानून को काला कानून बताते हुये इसे तत्काल वापस लिये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय युवा ब्राह्मण महामण्डल से अध्यक्ष राजेश दुबे, जैन समाज के पदाधिकारी, क्षत्रिय महासभा से जितेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र प्रताप सिंह सिसौदिया, शिवम पाराशर, डा.शरद तिवारी, विक्की राजा, कपिल नायक भैंसाई, मनीष पाठक, पवन राजा, रवि प्रताप सिंह, अनुज शर्मा, राजीव बबेले, अमित शर्मा, ध्रुव प्रताप सिंह, भूपेन्द्र राजा के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

खंगार क्षत्रिय समाज द्वारा मनाया गया महारानी मणिमाला जौहर दिवस, दीपदान

●सर्वसम्मति से अरविंद परिहार को बनाया युवा जिलाध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मडावरा (ललितपुर)। महाराजा खेत सिंह खँगार जू देव स्मारक स्थल वीर बानपुर पर महारानी मणिमाला का जौहर दिवस एव दीपदान कार्यक्रम में यूपी समेत मध्य प्रदेश खंगार समाज के लोग शामिल हुये। समाज के लोगों ने निर्णय लिया कि सभी काम सामाजिक एक मंच पर होकर समाज उत्थान पर एक जुट होकर एक रहने पर बल दिया गया। मुख्य अतिथि मंजू सिंह दीदी क्षत्राणी अनीता के.पी.एम भोपाल विमलेश सिंह प्रांसी के साथ विशिष्ट अतिथि कु. खुशबु राय (डी.एस.पी) हरीप्रकाश सिंह झाँसी गोपाल राय टीकमगढ़, जितेन्द्र सिंह कुष्डेश्वर रामेश सिंह दमन दिवाकर सिंह बाँदा रामचन्द्र महोबा रंजना सिंह वीरेन्द्र सिंह सतीश उरई भुवन राज यशवन्त सिंह प्रकाश चन्द्र वरिष्ठ पत्रकार मड़ावरा जितेंद्र सिंह हमीरपुर रहे। कार्यकम के दौरान वक्ताओं ने सामाजिक एकजुटता व राजनीतिक भागीदारी कर समाज के उत्थान की बात कही। वक्ताओं ने कहा कि नारी महिला सम्मान हमारी समाज का पूर्व से करती आई है। सम्मान और सतीत्व की रक्षा हेतू खँगार समुदाय की 1600 रानियों दासियों ने 1528 ई में जौहर कर इतिहास में अमर हो गई। इस दौरान एड महेश परिहार धवा सुहेलदेव पार्टी जिलाध्यक्ष तेज सिंह धौलपुरा ताराचन्द्र मिचवारा विजय पारोल तिलोक सिंह बर्खिरिया सुनील परिहार सीताराम परिहार भान सिंह दरोगा जी केहर सिंह वीर पजन सिंह पड़वा मनोज परिहार उरई बुंदेली आइडियल गायक अंकित परिहार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामस्वरूप भैयान खंगार प्रधान छपरट द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन मेघनाथ खँगार सपा प्रदेश सचिव ने किया।आभार ट्रस्ट अध्यक्ष सन्तोष परिहार छिल्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान खँगार समाज द्वारा सर्वसम्मति से समाज के उत्थान हेतु युवा वर्ग से युवा जिलाध्यक्ष का चयन किया गया।जिसमें अरविंद परिहार को नई जिम्मेदारी सौंपी गई।और समाज हित उत्थान जैसे कार्य कर समाज के विकास हितों की रक्षा कर आगे बढ़ाने की जैसे दायित्व सौंपे गये।

साइबर क्राइम सेल जखौरा पुलिस टीम ने चलाया जागरुकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में जिले के थाना जखौरा की साइबर क्राइम सेल पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में आमजन-मानस को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक कर साइबर क्राइम से बचाव हेतु उपाय बताया गया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फिसिंग, स्लेबरी, आईडेन्टिटी थेफ्ट आदि के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी देकर साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई। डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा प्लेस्टोर/आईओएस से जेनुइन ड्डश्चश्च ही स्त्रश2ठ्ठद्यशड्डस्र करें, इनके अतिरिक्त किसी अन्य प्लेटफार्म से कोई डाउनलोड न करें। किसी अनजान व्यक्ति से अपनी बैंकिंग सम्बंधी कोई भी डिटेल शेयर न करें तथा ओटीपी आदि मांगने पर न दें। सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते। किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने बिना उसे शेयर न करें, अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें तथा सिक्योरिटी फीचर हमेशा ऑन रखें। कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच या धमकी पर विश्वास न करें। सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरण, सभी डिजिटल अकाउंट का स्ट्रांग पासवर्ड बनाएं तथा टू-स्टेप ऑथेंटिकेशन की सेटिंग अनिवार्य रूप से ऑन रखें। साइबर फ्रॉड होने पर तत्काल अपनी शिकायत साइबर हेल्पलाइन नं.1930, सीईआरई पोर्टल पर शिकायत रजिस्टर्ड करने या वेबसाइट पर अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करायें अथवा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने निकटतम थाने या डायल-112 पर सूचना दें, जिससे कि वित्तीय धोखाधड़ी होने पर साइबर क्राइम के गोल्डन ऑवर में सम्बन्धित को जानकारी दी।

डीएम, एसपी ने जिला कारागार का निरीक्षण कर परखी सुरक्षा व्यवस्था

●बैरकों की गहन तलाशी में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली, प्रतिदिन अनिवार्य निरीक्षण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई (जालौन)- जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने गुरुवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर सम्बंधित अधिकरियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कारागार की समस्त बैरकों की गहन तलाशी ली गई, जिसमें किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक अथवा प्रतिबंधित सामग्री नहीं पाई गई। जिलाधिकारी ने जेल अधीक्षक को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि बैरकों की प्रतिदिन अनिवार्य रूप से गहन जांच कराई जाए तथा प्रत्येक निरीक्षण का अभिलेखीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु पाए जाने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करते हुए कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान बंदियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, रसोईघर की स्वच्छता एवं आपूर्ति व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि भोजन शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप हो तथा गुणवत्ता में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कहा कि कारागार प्रशासन में अनुशासन, सुरक्षा एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी स्तर की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों को चौकसी बढ़ाने, नियमित सघन चेकिंग करने एवं कारागार परिसर में अनुशासन का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कारागार की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक नीरज देव सहित कारागार के समस्त संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेशनल मास्टर्स स्विमिंग में अरविन्द का शानदार प्रदर्शन

समापन के दूसरे दिन तीन पदक जीते

ललितपुर। महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित 8वीं नेशनल मास्टर्स स्विमिंग चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन भी ललितपुर जनपद के तैराक अरविन्द कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए पदकों की झड़ी लगा दी। 35+ आयु वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे अरविन्द कुमार ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन, 200 मीटर फ्री-स्टाइल में सिल्वर मेडल तथा 100 मीटर फ्री-स्टाइल में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी व्यक्तिगत क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। इसके साथ ही टीम इवेंट में अरविन्द ने 4 बाई 50 मीटर फ्री-स्टाइल रिले की 120-160 वर्ष आयु वर्ग स्पर्धा में अपनी टीम के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। लगातार दो दिनों तक उम्दा प्रदर्शन करते हुए अरविन्द कुमार ने प्रतियोगिता में कुल चार पदक जीतकर प्रदेश और जनपद ललितपुर को राष्ट्रीय स्तर पर गौरव दिलाया।

यूजीसी : सवर्ण संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन, भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई (जालौन)- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा जनवरी 2026 में लागू किए गए नए नियमों का सवर्ण संगठनों ने विरोध किया है। विभिन्न सवर्ण समाज संगठनों ने इन नियमों को असंवैधानिक बताते हुए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के माध्यम से सौंपा। उन्होंने नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की। संगठनों का कहना है कि 15 जनवरी 2026 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित ये नियम उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाए गए हैं। हालांकि, उनका आरोप है कि ये नियम संविधान में प्रदत्त समानता के अधिकारों की भावना के विपरीत हैं। विरोध कर रहे संगठनों ने कहा कि इन नियमों में अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और दिव्यांग वर्गों पर विशेष जोर दिया गया है। वहीं, सामान्य वर्ग के छात्रों के अधिकारों और संवैधानिक संरक्षण को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है।

संगठनों ने नए नियमों के तहत विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में 90 दिनों के भीतर इक्विटी कमेटियों के अनिवार्य गठन पर भी आपत्ति जताई। इन कमेटियों को शिकायतों की जांच और कार्रवाई के अधिकार दिए गए हैं। हालांकि, संगठनों का आरोप है कि नियमों में झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों पर किसी प्रकार के दंडात्मक प्रावधान का अभाव है। इससे शिक्षा संस्थानों में डर और असंतोष का माहौल बन सकता है, जिससे शिक्षा का वातावरण प्रभावित होगा।और संस्थान आपसी टकराव का केंद्र बन सकते हैं। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि देश की अनुमानित 140 करोड़ आबादी में सामान्य वर्ग की संख्या करोड़ों में है। शिक्षा, प्रशासन, उद्योग और राष्ट्र निर्माण में इस वर्ग का योगदान अग्रणी रहा है। संगठनों का कहना है कि इसके बावजूद ऐसे नियम सामान्य वर्ग के छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय हैं और उनके मौलिक अधिकारों का हनन करते हैं। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा और सवर्ण अभिभावक संगठन सहित कई सामाजिक संगठनों ने एक स्वर में मांग की है। उन्होंने कहा कि या तो यूजीसी के इन नियमों को तत्काल वापस लिया जाए, या फिर सभी वर्गों के लिए समान, संतुलित और संविधान सम्मत नीति बनाकर इन्हें संशोधित किया जाए। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस गंभीर और संवेदनशील मुद्दे पर शीघ्र संज्ञान नहीं लिया तो वे लोकतांत्रिक और विधिक रास्ते अपनाने को मजबूर होंगे। वहीं प्रशासन की ओर से ज्ञापन को अग्रेषित करने की प्रक्रिया की बात कही गई है।

राज्यमंत्री पुत्र नरेश पंथ द्वारा फॉर्च्यूनर से युवाओं को रौंदने का मामला

●मृतक शिवेन्द्र व घायल युवाओं के घर पहुंचे सदर विधायक व जिलाध्यक्ष

परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन, ढांढस बंधाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जाखलौन (ललितपुर)। विगत दिनों थाना जाखलौन क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा में राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ की पत्नी कस्तूरी बाई के नाम से पंजीकृत फॉर्च्यूनर कार ने बाइक लेकर सड़क किनारे खड़े तीन युवाओं को टक्कर मारकर रौंद दिया था। अंधी रफ्तार से भाग रही फॉर्च्यूनर कार की स्पीड इतनी भयावह थी कि टक्कर लगने के बाद बाइक पर बैठे शिवेन्द्र यादव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि उसके साथ मौजूद अनुज व शंकर यादव गंभीर रूप से घायल हो गये। वहीं ग्रामीणों का आरोप था कि घटना को अंजाम देने के बाद कार चला रहे राज्यमंत्री के पुत्र नरेश पंथ व उनके साथियों जो कि शराब के नशे में चूर थे ने मौके पर एकजुट हुए ग्रामीणों को हथियारों के बल पर धमकाया और भाग गये। इस घटना के बाद जाखलौन पुलिस ने मृतक शिवेन्द्र के चाचा राजपाल यादव की तहरीर पर कार चालक राज्यमंत्री पुत्र नरेश पंथ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं दूसरी ओर अब मृतक शिवेन्द्र यादव व घायल अनुज व शंकर यादव के घर पहुंच कर सदर विधायक रामरतन कुशवाहा व भाजपा जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र ने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया है, साथ ही पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने झांसी सांसद प्रतिनिधि मनीष दीक्षित से फोन पर वार्ता कर मेडिकल कॉलेज में सभी समुचित चिकित्सीय सुविधाएं दिलाने और हर संभव सहयोग करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विधान सभा का हर वोटर हमारा परिवार है। हम सुख दुख में सदैव उनके साथ है। इस दौरान महामंत्री महेश श्रीवास्तव, गौरव, पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुरेश कौंते, थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह और बड़ी संख्या में ग्रामीण रहे।

आरएसएस स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर विराट हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर की नृसिंह बस्ती में सकल हिन्दू समाज द्वारा एक विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। शुभारंभ मां भारती की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुआ, जिसके बाद छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सम्मेलन के मुख्य वक्ता कानपुर प्रांत के प्रांत प्रचारक श्रीरामजी थे। उन्होंने कहा कि विश्व में केवल भारत को ही मां का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने भगवान राम के जीवन से उदाहरण दिए, जैसे शबरी के जूठे बेर खाना और जटायु का अंतिम संस्कार करना, जो समरसता के प्रतीक हैं। श्रीराम जी ने कहा कि डा. हेडगेवार ने देश की गुलामी के कारणों पर विचार किया। उन्होंने राम, कृष्ण, सरस्वती और डॉ. अंबेडकर जैसे महापुरुषों का उल्लेख किया, जिन्होंने भारत को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए कार्य किया। उन्होंने प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण को हिन्दू समाज की विजय का उदाहरण बताया और कहा कि भारतीय संस्कृति की योग परंपरा को पूरा विश्व अपना रहा है। प्रांत प्रचारक ने वर्तमान में हिन्दू समाज के सामने कई चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'लव जिहाद' को पहली चुनौती बताते हुए इसके प्रति जनजागरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कश्मीर में हुई घटनाओं का जिक्र किया और 'लैंड जिहाद' तथा घुसपैठियों को राजनीतिक दलों द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाने की समस्या पर भी विचार करने को कहा। श्रीराम जी ने धर्मांतरण को तीसरी और जनसंख्या असंतुलन को चौथी प्रमुख समस्या बताया, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रह्मकुमारी दीदी चित्ररेखा, आदरणीय भंते जी, आदरणीय ज्ञानी जी,सर्वेश्वर धाम महाराज जी एवं कवि पंकज पंडित उपस्थित रहे। इस अवसर पर नृसिंह बस्ती के सकल हिन्दू समाज के माताएं बहने एवं पुरुष उपस्थित रहे। अंत में मां भारती की आरती के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

शिवसेना एकनाथ शिंदेगुट के नगर अध्यक्ष बने हर्ष जैन शिवाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले में शिवसेना शिंदेगुट के विस्तार में आई तेजी शिवसेना के जिला अध्यक्ष राकेश नामदेव जिले से लेकर गांव-गांव जाकर कर रहे संपर्क सदस्यता अभियान नियंत्रण चल रहा है युवा बड़ चढ़कर ले रहे हिस्सा शिवसेना की पहल से युवाओं में जोश सा आ गया जिला कार्यकारिणी निरंतरण सक्रिय दिखाई दे रही है सदस्यता अभियान भी सुचारू रूप से जारी है ललितपुर नगर की जिम्मेदारी हर्ष जैन शिवाजी को सौंपी गई है युवा नगर अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूलमाला पहनाकर मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। साथ ही एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन 31 जनवरी 2026 दिन शनिवार को सुबह 11 बजे स्थान नेहरू महाविद्यालय के बगल में बड़ी नहर पर से शिवसेना एकनाथ शिंदेगुट का नगर भ्रमण कार्यक्रम एवं शोभा यात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। यह जानकारी शिवसेना शिंदेगुट के जिला अध्यक्ष राकेश नामदेव ने आह्वान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो निर्धारित समय 11 बजे नेहरू नगर महाविद्यालय से घंटाघर होते हुए श्री तुवन मंदिर से श्रीक्षेत्रपाल मंदिर से रेलवे स्टेशन होते हुए जिला कार्यालय आजादपुरा ललितपुर में संपन्न होने की सूचना प्राप्त हुई है।

संक्षिप्त खबरें

सरसौल में गो वंशों की मौत, ग्राम पंचायत सचिव, सस्पेंड

घाटमपुर। कानपुर के सरसौल ब्लाक स्थित सरसौल व्रहद गोशाला में गो वंशों की देखरेख में गंभीर लापरवाही सामने आने पर ग्राम पंचायत सचिव पुनीत मिश्रा को निलंबित कर दिया गया है,यह कार्यवाही जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर जिला विकास अधिकारी विजय कुमार ने की हैं, आपको बताते चलें कि क़रीब एक सप्ताह पहले गोशाला की बदहाली और व्यवस्थाओं में खामियो की शिकायते सामने आई थी इसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर स्थित का जायजा लिया, मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर एक सदस्यीय जांच टीम गठित कर जांच कराई गई,, जांच के दौरान गोशाला में गो वंश म्रत पाए गए, जबकि कई अन्य गो वंश बीमार हालत में मिले,, जांच रिपोर्ट में सचिव की घोर लापरवाही उजागर हुई जिसे उच्चाधिकारियों को सौंप दिया गया, खंड विकास सरसौल के खंड विकास अधिकारी निशांत राय ने बताया कि जांच में गंभीर गड़बड़ी पाए जाने के बाद सचिव पुनीत मिश्रा को निलंबित कर दिया गया है,साथ ही पूरे मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई भी की जा रही है।

एडीजी ने की जोन के जनपदों की अपराध समीक्षा

कानपुर। आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद इटावा, औरैया एवं झांसी में जी0एस0टी0 फ्रॉड से सम्बन्धित पंजीकृत अभियोगों की विस्तृत एवं गहन समीक्षा की गई। समीक्षा गोष्ठी में संबंधित जनपदों के वर्तमान विवेचनाधिकारी एवं पर्यवेक्षण अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान प्रत्येक अभियोग की विवेचनात्मक प्रगति, साक्ष्य संकलन की स्थिति, अभियुक्तों की भूमिका, वित्तीय लेन-देन की श्रृंखला तथा विधिक कार्यवाही की प्रगति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा निर्देशित किया गया कि समस्त अभियोगों में विवेचना निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए, ताकि दोषियों के विरुद्ध प्रभावी विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि तकनीकी एवं वित्तीय विशेषज्ञों का यथासंभव सहयोग लेकर सुदृढ़ साक्ष्य संकलन किया जाए तथा अभियोगों का शीघ्र, पारदर्शी एवं सफल विधिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

घंटाघर पर चंदेरी जौहर दिवस व दीपदान महोत्सव

ललितपुर। 29 जनवरी 1528 के उपलक्ष्य में शैलेंद्र सिंह परिहार जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में क्षत्रिय खंगार समाज के समाजबंधुओं ने चंदेरी नरेश महाराजा मेदिनी राय खंगार एवं महारानी मणिमाला खंगार तथा 5000 क्षत्रिय वीरों और 1600 रानियों को याद किया, दीप जलाकर श्रदांजलि अर्पित की, पुष्प माला अर्पित कर वंदना की। कार्यक्रम में बताया गया कि इतिहास में सन 1526 में बाबर और राणा सांगा के बीच लड़े गए खानवा के युद्ध में मेदिनी राय खंगार ने महत्तपूर्ण भूमिका निभाई,बाबर भी ऐसी वीरता देखकर हतप्रभ रह गया। उसके बाद बाबर ने सन 1528 को चंदेरी पर आक्रमण किया और बाबर की संधि का प्रस्ताव मेदिनी राय ने ठुकराकर युद्ध के लिए न्योता दिया। घनघोर युद्ध हुआ परंतु विश्वासघात के कारण हमारे 5000 खंगार वीर लड़ते लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए। 29 जनवरी सं 1528 को उसके पश्चात हमारी माँओ, बहनों 1600 क्षत्राणियों ने अग्निकुंड में अपनी देह समर्पित कर दी।अग्निकुंड से ही माता मणिमाला का एक तीर बाबर की पगड़ी को लगा और वह नीचे गिर गई। बाबर को किले के अंदर कुछ भी ना मिला, वह जीत कर भी हार चुका था।इस तरह क्षत्रिय खंगार वंश के राजपूतों ने अपनी आन बान शान तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इस तरह सभी ने उन्हें याद किया तथा अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। जिसमें उपस्थित श्रीकांत कुशवाहा (उपसभापति जिला सहकारी बैंक) विवेक जैन (अभिलाषा ग्रुप) राजवीर सिंह,नवीन नायक, अमन शर्मा, अभिषेक राय (पूर्व जिला अध्यक्ष) भूपत सिंह खंगार, हरिओम, नीरज सिंह,अभिषेक सिंह खंगार,देशपत सिंह परिहार(लोक कवि), दानवीर सिंह, धीरज सिंह,अंकित परिहार(बुंदेली गायक),राजाराम सिंह गोलू परिहार, सौरभ परिहार, राहुल परिहार, ऋतिक परिहार, आयुष परिहार, रोहित परिहार सभी क्षत्रिय खंगार समाज उपस्थित रही।

यूजीसी प्रस्ताव वापस न लेने पर हिन्दू रक्षा दल ने आंदोलन की चेतावनी दी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। हिन्दू रक्षा दल ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित यूजीसी (UGC) से जुड़े कानून/प्रावधानों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए विरोध प्रदर्शन और जनआंदोलन की घोषणा की है। संगठन का कहना है कि इतने संवेदनशील सामाजिक विषय पर बिना व्यापक जनसंवाद और विशेषज्ञ परामर्श के आगे बढ़ना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। हिन्दू रक्षा दल के जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी महत्वपूर्ण कानून को लागू करने से पहले विधि विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से संवाद आवश्यक है। उनका आरोप है कि वर्तमान स्थिति में यह प्रक्रिया पर्याप्त रूप से होती नहीं दिखाई दे रही। उन्होंने संविधान का उल्लेख करते हुए कहा कि अनुच्छेद 25 नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, अनुच्छेद 29 सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा करता है, तथा अनुच्छेद 19(1)(a) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। उनके अनुसार यदि कोई प्रस्तावित कानून समाज की परंपराओं, सांस्कृतिक ढांचे या वैचारिक स्वतंत्रता को प्रभावित करता है, तो उस पर खुली बहस और आवश्यक संशोधन की गुंजाइश रहनी चाहिए।

हिन्दू रक्षा दल की महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रीना मिश्रा ने भी सरकार पर जल्दबाज़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि इस विषय में धैर्य, संवाद और सर्वसम्मति अधिक आवश्यक है। उनका कहना है कि किसी भी कानून का उद्देश्य सामाजिक सौहार्द, पारिवारिक स्थिरता और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना होना चाहिए, न कि भ्रम और असंतोष को जन्म देना। वहीं संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने सरकार के समक्ष निम्न प्रमुख माँगें रखीं: प्रस्तावित कानून की संसदीय समिति द्वारा पुनः विस्तृत समीक्षा सभी सामाजिक और धार्मिक संगठनों से औपचारिक परामर्श,संभावित सामाजिक प्रभावों पर श्वेत पत्र (White Paper) जारी किया जाए, व्यापक सहमति बनने तक कानून लागू न किया जाए, आंदोलन की रूपरेखा (यदि माँगें नहीं मानी गई) हिन्दू रक्षा दल ने स्पष्ट किया है कि उनका आंदोलन पूर्णतः लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण रहेगा। प्रस्तावित कार्यक्रमों में शामिल हैं:जिला स्तर पर प्रशासन को ज्ञापन सौंपना, संविधान एवं कानून विशेषज्ञों के साथ जनजागरण सभाएँ, शांतिपूर्ण धरना और सत्याग्रह, कानूनी व तथ्यात्मक जानकारी के साथ सामाजिक जागरूकता अभियान, जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने दोहराया कि संगठन लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखता है और उसका हर कदम संवैधानिक दायरे में होगा। उन्होंने सरकार से अपील की कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए संवाद का मार्ग अपनाया जाए, ताकि किसी प्रकार का सामाजिक तनाव उत्पन्न न हो।

छत पर गंदगी फेंकने से मना करने पर वृद्ध से मारपीट

ललितपुर। रिपोर्टिंग पुलिस चौकी बिरधा क्षेत्र में रहने वाले जयराम साहू पुत्र छोटेलाल ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि बीती 26 जनवरी को उसकी मां जानकी साहू छत पर गयी तो वहां काफी गंदगी पड़ी थी। जब उन्होंने पड़ोसी अवधेश पांचाल पुत्र रामदीन पांचाल के मकान से थूका जाता रहा। बताया कि जब उसकी मां ने पान-मसाला, गुटखा, सिगरेट, शराब की बोतल फेंकने और थूकने से मना किया तो उक्त लोगों ने उसकी मां को धक्का मारकर गिरा दिया, जिससे उसकी मां को हाथ-पैर में चोटें आयीं। आरोप है कि उक्त लोग मकान के पीछे की ओर जंगला किए हुए हैं, जिससे उक्त लोग कचरा फैलाते हैं। पीड़ित ने बताया कि जब उसने स्थानीय चौकी बिरधा में शिकायत की, लेकिन मामला दर्ज नहीं किया गया। अब कोतवाली पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बिधनू में ट्रैक्टर ट्राली चोरी, सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। कानपुर नगर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना बिधनू क्षेत्र के जामू नहर पुल के पास से चोरों ने की ट्रैक्टर ट्राली, की चोरी की हैं,इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में चोर एक ट्रैक्टर सोनालिका,,समेत क़ैद हुए हैं, पीड़ित ने मामले की शिकायत बिधनू पुलिस से थाने पहुंचकर की हैं, पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे में कैद एक युवक और ट्रैक्टर ट्राली की तलाश शुरू की हैं पुलिस घटना की जांच पड़ताल शुरू की हैं, बिधनू थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं, थाना क्षेत्र के जामू नहर पुल के पास देर रात चोर ट्रैक्टर लेकर पहुंचे और मौके से ट्रैक्टर की ट्राली चोरी कर फरार हो गए,पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है,जिसका फुटेज अब सामने आया है, सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि चोर सोनालिका ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचे, इसके बाद बड़ी ही आसानी से ट्राली को ट्रैक्टर से जोड़ते हैं और कुछ ही मिनटों में ट्राली लेकर फरार हो जातें हैं चोरी की इस

घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, पीड़ित ने घटना की शिकायत बिधनू थाने पहुंच कर दर्ज कराई है, सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है फुटेज में एक युवक स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है,साथ ही ट्रैक्टर की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है , बिधनू थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है, मामले की जांच जांच की जा रही है, सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दे रहे युवक और ट्रैक्टर की तलाश तेज कर दी गई है जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार व पैदल जा रही महिला को मारी टककर, महिला की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- जिले के चिल्हिया थाना अंतर्गत एनएच-730 पर गुरुवार दोपहर हुए भीषण सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक और पैदल जा रही महिला को टक्कर मार दी। घटना के बाद कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया, लेकिन जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र के धेन्सा नानकार से नौगढ़-महनगा नहर मार्ग पर कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे एक बोर्ड से टकरा गई। इसके बाद चालक कार को छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटना में चिल्हिया थाना क्षेत्र के बसठा गांव निवासी गीता देवी 37 वर्ष पत्नी अखिलेश गुप्ता और सत्यम चौबे गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। ग्रामीणों की मदद से एंबुलेंस द्वारा दोनों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान गीता देवी की मौत हो गई। वहीं, सत्यम चौबे की हालत नाज़ुक बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही जोगिया उदयपुर पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि फरार चालक की पहचान की जा रही है। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता का कहना है कि मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कैरियर काउन्सलिंग कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को अपने कैरियर का चुनाव करने में मदद मिलेगी- जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- जिला मुख्यालय पर बीएसए ग्राउंड में आयोजित पांच दिवसीय सिद्धार्थनगर महोत्सव 2026 के दूसरे दिन गुरुवार को कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल एवं सांसद प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर तथा मॉ सरस्वती एवं महात्मा बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। राजकीय इण्टर कालेज तेतरी बाजार, सिद्धार्थनगर के छात्राओ द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत किया गया। कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम के अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 ने कहा कि बच्चों को आई0ए0एस0, पी0सी0एस0, एस0एस0सी0 आदि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में जानकारी नहीं होती है कि वह अपने कैरियर का चुनाव कर सकें। कैरियर काउन्सलिंग कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को अपने कैरियर का चुनाव करने में मदद मिलेगी। आप लोग सिविल सर्विस, नीट, इंजीनियरिंग की तैयारी कर अपना कैरियर बना सकते हैं। आज कैरियर काउंसलिंग में ध्येय आई0ए0एस0, आकाश कोचिंग, एलेन टीम, कैरियर बेल की टीम द्वारा बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं को क्रैक करने के बारे में जानकारी दिया जा रहा है जिसके माध्यम से तैयारी कर अपने लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी सिविल सर्विस की तैयारी करने से पहले अपना लक्ष्य निर्धारित कर लें। सिलेबस के अनुसार कड़ी मेहनत कर पढ़ाई करें। सभी लोगों के अन्दर अनुशासन व संस्कार आवश्यक है। अपने माता पिता का सम्मान करें। किसी भी क्षेत्र में जाने के लिए अच्छा इंसान बनना जरूरी है। अपने दिमाग को आराम देने के लिए योगा करें। आपके व्यक्तित्व में गरीबों की मदद, न्याय की भावना होनी चाहिए। आप लोग करियर काउंसलिंग फेयर के आयोजन का लाभ उठाएं और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर आगे बढ़ें।

कैरियर काउंसलिंग के सफलतापूर्वक आयोजन कराने के लिए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल को बधाई दिया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन ने कहा कि विभिन्न संस्थानों के काउंसलरों द्वारा आई0ए0एस0, पी0सी0एस0, एस0एस0सी0, नीट, इंजीनियरिंग की परीक्षाओं के बारे में बताया जा रहा है। उन्होने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि आप सभी अपने वर्तमान पर अपना फोकस करें भविष्य के बारे में चिंता न करें। हमे जो भी प्राप्त करना है उसके लिए लक्ष्य पूर्व से निर्धारित होना चाहिए। अपना प्लान तैयार कर, लक्ष्य बनाकर तैयारी करे। आप मेहनत करे अच्छी कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने कहा कि सभी लोग अपने रूचि के हिसाब से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें। आई0ए0एस0,

पी0सी0एस0, डाक्टर, इंजीनियर, उद्यमी जो भी बनना हो अपना एक लक्ष्य निर्धारित करके तैयारी करें सफलता अवश्य मिलेगी। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल द्वारा बच्चों को अपना करियर बनाने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया। कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम के प्रथम सत्र सिविल सर्विसेज के अन्तर्गत ध्येय आई0ए0एस0 के सी0ई0ओ0 वर्षा सिंह व उनकी टीम द्वारा सिविल सर्विसेज की तैयारियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। द्वितीय सत्र मेडिकल सेंशन (नीट) में आकाश कोचिंग से डॉ0 संजय पाण्डेय द्वारा उपस्थित बच्चों को मेडिकल क्षेत्र में कैरियर बनाने के बारे में जानकारी दिया गया। जनपद सिद्धार्थनगर के रहने वाले अजय राज पटेल द्वारा नीट में 364 रैंक प्राप्त कर एम्स भोपाल में सेवा दे रहे हैं उनके द्वारा अपना अनुभव साझा किया तथा जानकारी दी गयी। डा0 तनुषा द्वारा बच्चों को मेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने के बारे में अपना अनुभव साझा किया गया। तृतीय सत्र इंजीनियरिंग-जे.ई.ई. के अन्तर्गत एलेन टीम आनन्द श्रीवास्तव द्वारा जानकारी दिया गया। चतुर्थ सत्र कॅरियर बिल के सन्दीप

शर्मा द्वारा एस.एस.सी के बारे में जानकारी दिया गया। कैरियर काउंसलिंग के पंचम सत्र विविध में उद्यमिता के बारे में आशुतोष पाण्डेय द्वारा जानकारी दिया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल एवं सांसद प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं काला नमक चावल बॉक्स देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी नीरज अग्रवाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी राजन, प्रधानाचार्य राजकीय इन्टर कालेज नौगढ़ दयाशंकर यादव व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, बच्चे, एन0सी0सी0 के बच्चे आदि उपस्थित रहे।

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का जनपद स्तर के लिए चयन

महरौनी। वर्ल्ड फेस्टिवल कार्यक्रम के अंतर्गत पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, महरौनी में ब्लॉक स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में पीएमश्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज महरौनी, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज महरौनी, शांति निकेतन इंटर कॉलेज महरौनी, सीबी गुप्ता इंटर कॉलेज महरौनी, राजकीय हाई स्कूल पठा तथा मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज गुढ़ा के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने विभिन्न विधाओं में भाग लेते हुए ज्ञान, सृजनात्मकता एवं कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं के समापन पर निर्णायक मंडल द्वारा श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को स्थान प्रदान किया गया। चयनित विद्यार्थियों को आगामी जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा। विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों ने प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है तथा उनमें आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास होता।

सर्जिकल ब्लेड से एकतरफा प्यार के हमले में कानपुर की युवती घायल, आरोपी पुलिस के हवाले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां प्यार के नाम पर युवतियों को किसी ने किसी बहाने से शिकार बनाए जाने का सिलसिला लगातार जारी है, जिसके क्रम में एक तरफा प्यार में अंधे युवक ने साथ चलने से इनकार करने पर एक युवती को ब्लेड मारकर घायल कर दिया। युवती को घरवालों ने हैलट में भर्ती कराया है। इसके पहले मोहल्ले वालों ने युवक को पड़कर पुलिस के हवाले भी कर दिया ,जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एकतरफा प्यार में पागल इस युवक ने युवती पर सर्जिकल ब्लेड से युवती के चेहरे और कलाई पर 13 वार किए ,जिसकी चीख-पुकार सुनकर मोहल्ले के लोगों ने आरोपी को पकड़ पीट-पीट की अधमरा करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। परिजनों ने बताया कि 9 दिन बाद, 7 फरवरी को युवती की शादी होनी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक नजीराबाद थाना क्षेत्र के भदौरिया चौराहा इलाके में रहने वाली 24 वर्षीय युवती के परिवार में माता-पिता, दो बच्चे एक बेटा और एक बेटी है। लड़की का भाई ठेला लगाता है। परिजनों ने बताया कि उनके घर के पास एल्युमिनियम कारखाना है। फैक्ट्री में बीते दो साल से गोलू नाम का युवक काम करता है। गोलू का लड़की के घर आना-जाना था।

युवती ने बताया कि बुधवार देर शाम गोलू आया और उसने रेस्टोरेंट चलकर खाना खाने की बात कही। गोलू नशे में था। इस वजह से लड़की ने इनकार कर दिया और अपने घर जाने को कहा। आरोप है कि इस पर गोलू ने सर्जिकल ब्लेड से चेहरे और कलाई पर करीब 13 बार हमला कर दिया। युवती ने काफी संघर्ष कर खुद को बचाने की कोशिश भी की। युवती दोनों हाथ और चेहरे पर कई जगह ब्लेड लगने से लहुलूहान हो गई। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़े और गोलू को जमकर पीटा। हंगामे की सूचना पर नजीराबाद पुलिस मौके पर पहुंच फरार होने के पहले ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया । घटना से क्षेत्र के लोगों में रोष व्याप्त है। उन्होंने युवती और उसके परिवार वालों की सुरक्षा किए जाने की भी मांग की है।

यूजीसी अधिसूचना के खिलाफ सवर्णों में भारी आक्रोश, कई संगठनों ने दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी अधिसूचना को लेकर सवर्णो में सरकार की इस नीति के खिलाफ भारी आक्रोश है। अधिसूचना में उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से लाई गई बताई गई है। यूजीसी द्वारा लागू इस योजना के विरोध में अखिल भारतीय कल्याण परिषद प्रतापगढ़ के अध्यक्ष राम लखन सिंह ने कंपनी बाग के गेट पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह अधिसूचना समानता के समग्र अवधारणा को स्थापित करने के स्थान पर केवल एससी, एसटी एवं ओबीसी वर्ग के छात्रों के अधिकारों पर केंद्रित है और सामान्य वर्ग के छात्रों के अधिकारों व संवैधानिक संरक्षण को पूर्णतः नजरअंदाज किया गया है। ब्राह्मण समाज के नेता व लायंस क्लब हर्ष के अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी ने कहा है कि उत्तर प्रदेश समेत देश के

अनेक राज्यों में यह अधिसूचना विश्वविद्यालयों में लागू की जा चुकी है, जिसके परिणाम स्वरूप शैक्षणिक परिसरों में है असंतोष एवं असमानता का वातावरण उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की अनुमानित जनसंख्या लगभग 140 करोड़ में 40 से 50 करोड़ आबादी सवर्णो की है। इस निर्णय से सवर्णो के बच्चों के कैरियर में चुनौती पूर्ण संकट उत्पन्न हो गया है। परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला एडवोकेट ने इस अधिसूचना को सवर्ण विरोधी बताते हुए सामाजिक संतुलन को बचाने के लिए इसे तुरंत वापस करने की मांग की है। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद ने यूजीसी रेगुलेशन एक्ट 2026 वापस लेने संबंधी राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी प्रतापगढ़ को गुरुवार को कलेक्ट्रेट में दिया गया। ज्ञापन अखिल भारतीय कल्याण परिषद के जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह, करणी सेना के जिला अध्यक्ष अनुज सिंह एवं ब्रह्म समाज तथा कायस्थ महासभा के कई पदाधिकारियों ने दिया है। ज्ञापन के पूर्व कंपनी बाग गेट पर सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने आम सभा किया और वहां से कलेक्ट्रेट जाकर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि उप जिला मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रताप विक्रम सिंह, अनुज सिंह सूर्यभान सिंह दिनकर सिंह सुशील कुमार सिंह, नगर अध्यक्ष आरबी सिंह, नगर महामंत्री डीपी सिंह, अनिरुद्ध सिंह, दिनकर सिंह , संतोष भगवन, लल्लू सिंह एडवोकेट,विनय दूबे आदि भारी संख्या में मौजूद रहे।

बीस लीटर अवैध कच्ची शराब समेत युवक दबोचा

ललितपुर। सदर चौकी पुलिस ने गश्त के दौरान बीस लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। चौकी इंचार्ज उ.नि. प्रशान्त राणा ने बताया कि वह अपने हमराह कां.देवेन्द्र कुमार व कां.दिलीप कुमार के साथ गोविन्दनगर तिराहा पर गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर ने आकर बताया कि लकडय़ापुरा में मुन्ना पहलवान के घर के पास खाली प्लाट में प्लास्टिक की बोरी लिये खड़ा है, जिसमें अवैध शराब है और वह शराब बेच रहा है। सूचना मिलने पर चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दविश दी। मौके से मोहल्ला रैदासपुरा में रहने वाले सुनील कुशवाहा पुत्र खेत सिंह कुशवाहा को धर दबोचा। पुलिस ने उसके पास मौजूद बोरी से एक प्लास्टिक की पॉलीथीन बरामद की, जिसमें करीब 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस ने सुनील कुशवाहा के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 (1) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

319 पंचायत भवनों पर डिजिटल लाइब्रेरी की होगी स्थापना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डॉ दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन के कक्ष में डिजिटल लाइब्रेरी समिति की बैठक की गयी। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे ने बताया कि शासन द्वारा जनपद हेतु 319 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष जनपद के 17 विकास खण्डों मे क्रमशः आसपुर देवसरा 19,बाबा बेलखरनाथधाम 16,बाबागंज 15, बिहार 17,गौरा 12,कुण्डा 17, कालाकांकर 15,लालगंज 15,लक्ष्मणपुर 15, मंगरौरा 27, मानधाता 18,पट्टी 17, रामपुर संग्रामगढ़ 14, सदर 21, सण्ड़वा चन्द्रिका 13, सांगीपुर 51 व शिवगढ़ की 17 चयनित ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जानी है।डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन के लिये यूपी डेस्को को सामग्री की आपूर्ति एवं एनबीटी के द्वारा पुस्तक की आपूर्ति हेतु आदेश कर दिया गया है।पंचायत भवनों पर डिजिटल लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से सम्बन्धित

अध्ययन सामग्री, ई-बुक्स,आनलाइन कोर्स, शैक्षणिक वीडियो,समाचार पत्र एवं इण्टरनेट की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा से जोड़ना है।डिजिटल लाइब्रेरी ग्रामीण छात्रों के लिये एक नई राह खोलेगी और उन्हे तकनीक के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में समानता आयेगी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ग्राम पंचायत की यह पहल अच्छी साबित होगी।बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य, पुस्तकालयाध्यक्ष नसरत अली सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बार काउंसिल चुनाव में मतदान हेतु दो दिन टोल प्लाजा फ्री किया जाए - मुलायम सिंह यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चुनाव में मतदान हेतु बारा अकबरपुर कानपुर देहात टोल प्लाजा दिनांक 30 एवं 31जनवरी को अधिवक्ताओं द्वारा अपना बार कौंसिल पहचान पत्र दिखाने पर निशुल्क आवागमन कानपुर की तरफ से 22 नम्बर टोल गेट से जनपद न्यायालय माती कानपुर देहात की तरफ जाने पर एवं कानपुर की तरफ वापसी पर 3 नम्बर टोल गेट से हो सकेगी,यह जानकारी जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान एवं महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।उन्होंने बताया कि जनपद कानपुर देहात में कुल 940 मतदाता है। मतदान जनपद न्यायालय परिसर स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भवन में होगा जहां मतदान हेतु दस मतदान बूथ बनाए गए है।महिला एवं विकलांग अधिवक्ता मतदाताओं के लिए अलग मतदान बूथ बनाए गए है।मतदान प्रातः दस बजे से सायंकाल पांच बजे तक होगा।मतदाता को मतदान हेतु आपना नवीन सीओपी पहचान पत्र या प्रमाणपत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।कोई भी मतदाता मतदेय स्थल पर मोबाइल,डिजिटल घड़ी या अन्य कोई कैमरा आदि नहीं ले जा सकेगा।अकबरपुर की तरफ से आने वाले वाहन कलेक्ट्रेट तिराहे से जनपद न्यायालय की तरफ नहीं जा सकेंगे। वाहन जनपद न्यायालय पार्किंग स्थल में एवं न्यायालय के दो नम्बर गेट के पहले माती की तरफ खाली भूमि में पार्क हो सकेंगे। मुलायम सिंह यादव एवं जितेन्द्र चौहान ने बताया कि जनपद न्यायालय में 30 एवं 31जनवरी को एकमोंडेशन रहेगा।किसी पत्रावली में कोई विपरीत आदेश पारित नहीं किया जायेगा इसके सम्बन्ध में जिला जज रविन्द्र सिंह ने आदेश पारित किया है।

संक्षिप्त खबरें

सब्जी बेचने वाली किशोरी से मनचले ने की अश्लीलता ,किशोरी ने जमकर बरसाए डंडे

हमीरपुर :- जनपद मुख्यालय में एक सब्जी बेचने वाली किशोरी ने सब्जी बेचते समय मनचले द्वारा अश्लीलता करने पर जमकर डंडे बरसाए , जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस मनचले को पकड़कर कोतवाली ले गई। हमीरपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने सड़क पर सब्जी बेचने वाली एक किशोरी ने अपशब्द बोलने वाले मनचले पर डंडे बरसा दिए। सोशल मीडिया पर किशोरी के डंडे बरसाती हुई 13 सेकेंड का वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि स्वतंत्र प्रभात वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वायरल वीडियो के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मनचले को कोतवाली ले आई। वायरल वीडियो पुलिस अधीक्षक कार्यालय के ठीक सामने का है। यहां फुटपाथ पर सब्जी बेचने किशोरी के साथ एक मनचले ने छेड़खानी करते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया। जिससे किशोरी असहज हो गई और प्लास्टिक का डंडा लेकर मनचले पर टूट पड़ी। देखते ही देखते किशोरी ने मनचले पर जमकर डंडे बरसाए। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस मनचले को उठाकर कोतवाली ले गई।वायरल वीडियो मंगलवार की रात का बताया जा रहा है।

ट्रंप का एक फैसला और कच्चे तेल में आया उबाल, क्या पट्रोल-डीजल भी होगा महंगा!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है. ब्रेंट क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जो चार महीने का उच्च स्तर है. विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर संघर्ष बढ़ा तो वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित हो सकती है. अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब सीधे वैश्विक तेल बाजार पर दिखने लगा है. गुरुवार को ब्रेंट क्रूड की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई, जो सितंबर के बाद पहली बार है. कीमतों में यह तेज उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी के बाद देखा गया।

ब्रेंट और WTI में जोरदार तेजी

लंदन के बाजार में ब्रेंट नॉर्थ सी क्रूड 2.4% की बढ़त के साथ 70.06 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. वहीं अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) भी 2.6% चढ़कर 64.82 डॉलर प्रति बैरल हो गया. जानकारों का कहना है कि अगर तनाव और बढ़ा तो कीमतों में और उछाल आ सकता है।

ईरान को लेकर ट्रंप का सख्त रुख

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत के लिए तुरंत आगे आना चाहिए. उन्होंने लिखा कि कोई भी समझौता ऐसा होना चाहिए जिसमें कोई परमाणु हथियार न हों और जो सभी पक्षों के लिए सही हो. ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने बातचीत नहीं की तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

ईरान की पलटवार की चेतावनी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका को साफ शब्दों में चेताया है कि अगर कोई सैन्य कार्रवाई होती है तो ईरान उसका तुरंत और कड़ा जवाब देगा. इससे क्षेत्र में संघर्ष की आशंका और बढ़ गई है।

तेल सप्लाई पर संकट का खतरा

मार्केट एक्सपर्ट डेरेन नाथन के मुताबिक, अगर अमेरिका और ईरान के बीच टकराव

बढ़ता है तो ईरान के रोजाना लगभग 30 लाख बैरल तेल उत्पादन पर असर पड़ सकता है. इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल और गैस टैंकरों की आवाजाही भी बाधित हो सकती है. यह रास्ता दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम माना जाता है।

आगे और महंगा हो सकता है तेल

विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल बाजार में डर का माहौल है. जैसे-जैसे जुबानी जंग तेज हो रही है, निवेशक तेल को सुरक्षित निवेश के रूप में देख रहे हैं. यही वजह है कि ब्रेंट क्रूड चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है. अगर हालात नहीं सुधरे, तो आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी दबाव बढ़ सकता है।

अज्ञात डम्पर ने आटो में मारी टक्कर, मासूम सहित तीन घायल

हमीरपुर :- मौदहा कस्बे से होकर निकले नेशनल हाईवे 34 पर डम्पर ने आटो में टक्कर मार दी जिसमे मासूम बच्चे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बिवांर थाना क्षेत्र के ग्राम लदार निवासी विष्णु (30)पुत्र चंद्र श्याम अपने परिवार के साथ आटो से मौदहा आ रहे थे तभी मौदहा के निकट नेशनल हाईवे पर अज्ञात डम्पर ने आटो में टक्कर मार दी जिसमे विष्णु, हीरामनी (25)पत्नी विष्णु और मासूम अंश (05)पुत्र विष्णु गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हे एम्बुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां से मासूम बच्चे के गंभीर चोटें होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

दिल्ली की सड़कों से बसें ग़ायब अपने मंजिल पहुंचने के लिए लोग परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 15 साल पुरानी सीएनजी बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के कारण सार्वजानिक परिवहन में भारी कमी आई है, जिससे यात्रियों को लंबी प्रतीक्षा और भीड़भाड़ का सामना करना पड़ रहा है।सार्वजानिक परिवहन व्यवस्था गंभीर संकट से जूझ रही है। रोजाना लगभग 30 से 35 लाख लोग बसों से यात्रा करते हैं, लेकिन अब राजधानी में बसों की संख्या घट चुकी है। बसों की भारी कमी सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। खासकर दफ्तर के समय में बस स्टाप पर लंबी कतारें देखने को मिल रही है। हालांकि सरकार नए रुट रेशनलाइजेशन और इलेक्ट्रॉनिक बसों को जोड़कर स्थिति सुधारने का प्रयास कर रही है।यात्रीओ का कहना है कि पहले जहां हर 10 15 मिनट में बस आ जाती थी,अब 30 मिनट से ज्यादा इंतजार करना पड़ रहा है। कमोबेश पूरी दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट

के तहत चलने वाली बसों के यही हालात है। लोगों का कहना है कि कई रुट पर बस आती ही नहीं जिस के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है।बस स्टाप पर खड़े यात्री ने बताया कि प्रमुख बस मार्ग जो फतेहपुरी, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से शुरू होकर रोहणी के कुतुबगढ़ गांव तक जाती है इस रूट पर भी बसे नहीं मिलती। वहीं इस बारे में डीडीसी के एमडी व परिवहन विभाग के स्पेशल कमिश्नर जितेन्द्र यादव ने कहा कि लोगों की समस्या पर हमारा पूरा ध्यान है। इस बारे में संबंधित अधिकारियों को सूचित करके जल्द समस्या का सामाधान कराया जाएगा।

भूमि विवाद में मां-बेटे ने खाया जहरीला पदार्थ

● युवक की मौत ,मां की हालत गम्भीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- पुराने भूमि विवाद के चलते मां और पुत्र ने जहरीला पदार्थ खा लिया ,पुत्र की हालत गम्भीर होने की वजह से उसे कानपुर रिफर कर दिया गया।पुलिस को जिम्मेदार ठहराते हुए लिखा सुसाइड नोट। सगे चाचा द्वारा दो फीट बढ़ाकर मकान बनाने के चले आ रहे विवाद से आहत युवक ने अपनी मां संग बुधवार की रात जहरीला पदार्थ खा लिया। इससे दोनों की हालत बिगड़ गई। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को कानपुर रेफर किया गया था, जहां तड़के युवक की मौत हो गई। जबकि उसकी मां की हालत गंभीर बनी हुई है। युवक ने आत्महत्या करने से पूर्व डायरी में तीन पेज का लंबा-चौड़ा सुसाइट नोट भी लिखा है। जिसमें इस घटना के लिए पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है। कुरारा थाना क्षेत्र के रिठारी गांव निवासी कुंवर देवी पत्नी स्व.सूरज पाल सिंह तीन बेटों की मां है।लेकिन पति की मौत के बाद गांव छोड़कर

हमीरपुर में रहने लगी। कुंवर देवी ने अपने ही देवर शिवनरेश सिंह उर्फ लालू पर उसके प्लाट में दो फीट बढ़ाकर मकान बनाने का आरोप लगाते हुए कई बार शिकायतें की थी। कुंवर देवी का पुत्र गिरधारी सिंह भी इस प्रकरण में उच्चाधिकारियों के चक्कर लगाता रहा। लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। बुधवार की रात गिरधारी सिंह ने स्वयं और अपनी मां को जहरीला पदार्थ खिला दिया, जिससे दोनों की हालत बिगड़ गई। रात में ही दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां से कानपुर रेफर किया गया। गुरुवार को तड़के इलाज के दौरान गिरधारी की मौत हो गई। जबकि उसकी मां की हालत गंभीर बनी हुई है। मरने से पहले गिरधारी ने डायरी में तीन पेज का सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें उसने अपनी मौत का जिम्मेदार पुलिस और प्रशासन को ठहराया है।

सडक पर इण्टरलाकिंग की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हमीरपुर :- मौदहा कस्बे की मुख्य सडक में मलीकुआं चौराहा से लेकर छिमौली रोड तक होने वाले हादसों से बचने के उद्देश्य से इण्टर लाकिंग की मांग उठाते हुए संगठन की ओर से ज्ञापन सौंपा गया है। नैशनल ह्यूमन राईट एण्ड जस्टिस मूवमेंट के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को सम्बोधित करते हुए एक ज्ञापन तहसीलदार शिखर मिश्रा को सौंपा जिसमें कस्बे के मलीकुआं चौराहे से छिमोली रोड तक भीडभाड और पडने वाले स्कूलों के चलते बच्चों की आवाजाही के कारण सम्भावित हादसों को देखते हुए सडक के दोनों ओर इण्टर लाकिंग की मांग उठाई गई है। इतना ही नहीं संगठन ने सडक पर तेज रफ्तार चलने वाले बालू और लकडी लदे वाहनों पर भी रोक लगाने की मांग उठाई है क्योंकि इन वाहनों से अक्सर बडे हादसे होते हैं। इस दौरान डा. मुबीन खान, मुन्ना बार्डर, नईम प्रवक्ता, अरशद मामा सहित संगठन के एक दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

यूजीसी के नये नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, मोदी सरकार पर तमाचा-प्रमोद तिवारी

● राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता ने केंद्र सरकार पर सत्ता के लिए नफरत फैलाने का लगाया कड़ा आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने यूजीसी के नए नियमों इक्विटी रेगुलेशन 2026 पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा तत्काल प्रभाव से रोक लगाए जाने के अंतरिम निर्णय को स्वागत योग्य कहा है। उन्होने कहा कि इस अंतरिम रोक से यह स्पष्ट हो गया है कि विशेषज्ञों एवं स्कालर्स की एक समिति बने और तब तक यूजीसी के पुराने नियम ही लागू रहेंगे। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि भाजपा सरकार बांटो और राज करो की तर्ज पर अंग्रेजी हुकूमत की तरह काम कर रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार जाति, धर्म, वर्ग और क्षेत्र के नाम पर लोगों को बांटकर सत्ता में बने रहना चाहती है। सासंद प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार पर तगड़ा तंज कसा कि इसके डीएनए में अंग्रेजों का जहर चला गया है। उन्होने कहा कि पिछले लगभग ग्यारह सालों से मोदी सरकार जाति और धर्म के नाम पर लोगों में नफरत फैला रही है। उन्होने कहा कि भाजपा जब से सत्ता में आयी है संविधान की शपथ लेकर संविधान की हत्या कर रही है।उन्होने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम निर्णय के बाद अब पीएम मोदी को पूरे राष्ट्र से क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री की गलत नीतियों के कारण लोगों में वर्ग संघर्ष फैल गया है।कहा कि केन्द्र की बीजेपी सरकार उस सिद्धान्त को पूरी तरह भूल गयी है कि सरकार का उत्तरदायित्व है कि जहां भी अशांति हो वहां

शांति का माहौल तैयार किया जाय। सांसद प्रमोद तिवारी ने यूजीसी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय को देश में शांति का मार्ग प्रशस्त होने का निर्णय कहा। उन्होने यह भी कहा कि देश के मुख्य न्यायाधीश की इस निर्णय को लेकर यह टिप्पणी भी स्वागत योग्य है, जिसमें केन्द्र सरकार की नीति व नीयति पर सवालिया निशान लगाया गया है। सांसद प्रमोद तिवारी का यह बयान गुरूवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

विशाल भण्डारें में हजारों भक्तों ने छका प्रसाद

हमीरपुर :- मौदहा विकासखण्ड क्षेत्र के छिमौली गांव में कलशयात्रा के साथ शुरू हुई भागवत कथा पुराण, केवट संवाद और संत सम्मेलन गुरुवार को विशाल भण्डारे के साथ सम्पन्न हो गया इस दौरान हजारों भक्तों ने प्रसाद छका। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छिमौली में गोसाई बाबा के धाम पर लगभग तीन दशक से चला आ रहा दस दिवसीय धार्मिक आयोजन इस साल भी हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बीते 19जनवरी को निकाली गई कलशयात्रा के साथ एक सप्ताह भागवत कथा पुराण का आयोजन किया गया जबकि 26जनवरी को धाम के नीचे से निकली चंद्रावल नदी में केवट संवाद का आयोजन किया गया। केवट संवाद के बाद शुरू हुआ निरंतर चलने वाले अखण्ड भजनो का कार्यक्रम गुरुवार तक चलता रहा और गुरुवार को हुए विशाल भण्डारे के साथ दस दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस दौरान समय समय समाज सेवियों, नेताओं और वीआईपीज ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का आयोजन पूरे गांव के सहयोग से किया गया जबकि ब्लॉक प्रमुख सुशीला निषाद, प्रतिनिधि लाला राम निषाद और ग्राम प्रधान सहित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मीलू निषाद सहित गांव के युवा दिनरात मेहनत करते रहे। इस दौरान क्षेत्र के हजारों लोगों ने प्रतिभाग किया और सुरक्षा की दृष्टि से कोतवाली पुलिस भी मौजूद रही जबकि क्षेत्र सहित बाहर से आये संतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई।

अभाविप सदैव से शैक्षणिक परिसरों में समता, सौहार्द एवं समान अवसरों की पक्षधर रही है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानो में समता संवर्धन हेतु) विनियम, 2026 पर स्थगन आदेश का स्वागत करती है। यह आदेश वर्तमान में देशभर में यूजीसी समता नियमों में अस्पष्टता को लेकर चल रही भ्रांति को रोकते हुए संवैधानिक समता और समानता के अंतर्निहित मूल्यों के पक्ष में महत्वपूर्ण है और यह आदेश अभाविप द्वारा उक्त विषय पर जारी वक्तव्य में यूजीसी नियमों पर स्पष्टीकरण की मांगों के भी अनुरूप है। इस विषय संबंधी वर्ष 2012 के विनियम पूर्ववत जारी रहेंगे। अभाविप का मानना है कि यूजीसी और सभी शैक्षणिक संस्थानों को लोकतंत्र की उस अंतर्निहित भावना को अक्षुण्ण रखना चाहिए, जहाँ प्रत्येक नागरिक के पास समान अधिकार हों और भारत भेदभाव मुक्त तथा समता युक्त बने। यह बात अभाविप ने अपने पूर्व वक्तव्य में भी स्पष्ट करते हुए जारी किये गए विनियम पर स्पष्टता और संतुलन बनाए रखने की मांग की थी। माननीय उच्चतम न्यायालय की खंडपीठ द्वारा इस निर्णय की काफी आवश्यकता थी क्योंकि वर्तमान परिदृश्य में इस विनियम को लेकर काफी भ्रांति भी फैली थी, जिससे विभिन्न सामाजिक वर्गों के मध्य वैमनस्य पैदा होने की आशंका थी। अभाविप का यह स्पष्ट मत है कि शैक्षिक परिसर में सदैव ही सकारात्मक, भेदभावमुक्त एवं समतायुक्त परिवेश रहे और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा मिले। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि, 'माननीय उच्चतम न्यायालय का यूजीसी रेगुलेशन पर स्थगन का आदेश स्वागतयोग्य है। अभाविप सदैव से शैक्षणिक परिसरों में समता, सौहार्द एवं समान अवसरों की पक्षधर रही है। यूजीसी द्वारा जारी किए गए विनियमों में स्पष्टता एवं संतुलन का अभाव छात्रों के बीच भ्रम और असंतोष को जन्म दे सकता है। न्यायालय का यह हस्तक्षेप समयोचित है और इससे संवाद व विमर्श के लिए एक सकारात्मक वातावरण बनेगा। अभाविप सभी वर्गों, छात्रों एवं शिक्षण संस्थानों से अपील करती है कि वे शांति, संयम और सौहार्द बनाए रखें तथा राष्ट्रहित में रचनात्मक संवाद के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।' अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री दिनेश यादव ने कहा कि, 'माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा यूजीसी समता विनियम, 2026 पर स्थगन का आदेश स्वागतयोग्य है। यह निर्णय शैक्षिक परिसरों में व्याप्त भ्रम को दूर करेगा और सभी वर्गों के मध्य सौहार्द बनाए रखने में सहायक होगा। '

विद्यालय परिसर में मरणासन्न मिली युवती, पति गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय परिसर में युवती के मरणासन्न मिलने की घटना से हडकंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मरणासन्न लहूलुहान युवती को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। वहीं घटना की छानबीन में पुलिस पति द्वारा वारदात को अंजाम दिये जाने का दावा कर रही है। पति को गिरफ्तार कर पुलिस पूंछताछ में जुटी है।लालगंज कोतवाली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पूरे मीतन जगन्नाथपुर में गुरूवार की सुबह शिक्षक मनोज वर्मा ने विद्यालय का ताला खोला तो परिसर में एक युवती को मरणासन्न लहूलुहान पड़े देख आवाक रह गया। उसने इसकी सूचना प्रधान व पुलिस को दी। पुलिस की छानबीन में महिला के पास से मिले आधार कार्ड से उसकी शिनाख्त संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के पूरे चिरंजीव धनगढ़ गांव की निशा सरोज 22 पुत्री मेवालाल सरोज के रूप में हुई। पुलिस घायल महिला को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लालगंज ले आयी। यहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने घायल महिला को सरकारी अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया। इधर घटना की छानबीन में जुटी पुलिस महिला के पति को गिरफ्तार कर पूंछताछ कर रही है। सीओ आशुतोष मिश्र ने बताया कि महिला का पति से विवाद चल रहा है। कई माह से वह मायके में रह रही थी। छानबीन में पति द्वारा घटना को अंजाम दिये जाने की बात सामने आ रही है। आरोपी पति को गिरफ्तार कर पूछतांछ की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ईंट से हमला कर मौत के मामले में सजाः अभियुक्त को 5 साल का कठोर कारावास

बलिया। जनपद में गैर इरादतन हत्या के एक मामले में न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए अभियुक्त को दोषी करार दिया है। अदालत ने अभियुक्त को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा के साथ 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। यह फैसला अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट संख्या-1 द्वारा सुनाया गया। न्यायालय ने अभियुक्त राम नरेश यादव पुत्र स्व. शिव वचन यादव, निवासी तुर्तीपार, थाना उभांव, जनपद बलिया को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 के तहत दोषी ठहराया। अभियोजन पक्ष के अनुसार यह घटना 5 मई 2022 की है। वादी की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में आरोप था कि अभियुक्त ने उनके पिता पर ईंट से हमला किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में थाना रसड़ा में मुकदमा दर्ज कर विवेचना की गई और आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। यह सजा उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक, लखनऊ द्वारा संचालित 'ऑपरेशन कनविक्शन' अभियान के तहत मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन विभाग की सशक्त पैरवी का परिणाम है। इस प्रकरण में अभियोजन अधिकारी एडीजीसी अनिल कुमार पाण्डेय रहे।

माता-पिता और गुरु की सेवा से ही मिलता है यश और सम्मानः कथा व्यास लखनलाल

हमीरपुर :- सुमेरपुर विकासखण्ड के छानी खुर्द में चल रहे ग्यारह कुंडीय गायत्री महायज्ञ परिसर में आयोजित भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास पंडित लखनलाल ने माता-पिता और गुरु की महिमा का वर्णन किया।कहा कि जो व्यक्ति अपने माता-पिता और गुरु का आदर करता है, उसे संसार के सभी लोकों का सम्मान प्राप्त होता है।उन्होंने शास्त्रों का हवाला देते हुए बताया कि सेवा भाव से न केवल जीवन में यश और कीर्ति बढ़ती है, बल्कि व्यक्ति को दीर्घायु (लंबी आयु) का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। कथा व्यास ने कहा कि माता हमें संस्कार देती है और पिता जीवन का मार्ग प्रशस्त करते हैं, इसलिए वे हमारे प्रथम गुरु हैं। धरती पर माता-पिता ही साक्षात ईश्वर के अंश हैं; उनकी उपेक्षा कर भगवान की प्राप्ति संभव नहीं है। सफलता का सूत्र बताते हुए कहा , यदि सच्चे मन से माता-पिता की सेवा की जाए, तो जीवन में कभी शांति और सुख-सुविधाओं की कमी नहीं रहती। कथा के दौरान भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।अंत में श्री संकट मोचन कल्याण समिति द्वारा आरती और प्रसाद वितरण किया गया।

सडक सुरक्षा जागरूकता रैली को एसपी ने दिखाई झण्डी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- सुमेरपुर फैक्ट्री एरिया स्थित जेके सीमेंट में आयोजित 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता गोष्ठी एवं बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक डा. दीक्षा शर्मा ने फैक्ट्री कर्मियों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाकर बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली फैक्ट्री से चलकर इंगोहटा गांव पहुंची और वापस आकर फैक्ट्री में संपन्न हुई।37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत गुरुवार को जेके सीमेंट में जागरूकता गोष्ठी एवं बाइक रैली का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक ने किया। जागरूकता गोष्ठी को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से जागरूकता बढ़ती है। यही कारण है कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष जनवरी माह में हादसे कम हुए हैं। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री का यह कार्यक्रम सराहनीय है। ऐसे कार्यक्रम होना बेहद जरूरी है। इस मौके पर उन्होंने यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाकर बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। फैक्ट्री के यूनिट हेड पंकज त्रिवेदी ने सभी के प्रति आभार जताते हुए बताया कि फैक्ट्री प्रबंधन समय समय पर सुरक्षा के प्रति कर्मियों को जागरूक करके नियमों का पाठ पढ़ाता रहता है। इस मौके पर प्रबंधक द्वारा फैक्ट्री कर्मियों को हेलमेट बांटे गए। जागरूकता गोष्ठी को सीओ सदर राजेश कमल, एआरटीओ अमिताभ राय ने भी संबोधित किया। इस मौके पर यातायात प्रभारी हरेंद्र सिंह, पीटीओ चंदन पांडे, प्रधान प्रतिनिधि गुरु प्रताप सिंह, सुरेंद्र सिंह, नीरज ओझा, अविनाश, अंकित पालीवाल, विनय यादव, बाबा रंजन फरीदा, जय कुमार, अभिषेक तिवारी आदि फैक्ट्री कर्मी मौजूद रहे।

थाना सनलाइट कॉलोनी सराय काले खां पुलिस चौकी द्वारा एक सप्ताह में चोरी के 4 मामलों का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के थाना सनलाइट कॉलोनी अंतर्गत पुलिस चौकी सराय काले खां की टीम ने एक सप्ताह के सघन और अथक प्रयासों के बाद चोरी के कई मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने चोरी के कीमती जेवरात, मोबाइल फोन और अपराध में प्रयुक्त ऑटो रिक्शा भी बरामद किया है। इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय एक संगठित चोरी गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साजिद उर्फ साहिल और फहीम के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 02 शुद्ध सोने की चूड़ियां, 01 चांदी की अंगूठी, 01 जोड़ी कान की बाली, 01 चोरी किया गया नोकिया मोबाइल फोन, 02 अन्य मोबाइल फोन जो अपराध में इस्तेमाल किए गए थे तथा 01 ऑटो रिक्शा बरामद किया है, जिसका उपयोग वारदातों को अंजाम देने में किया जाता था। पुलिस के अनुसार, इन दोनों की गिरफ्तारी से कुल चार मामलों का खुलासा हुआ है।मामलों की शुरुआत 13 जनवरी 2026 को हुई, जब श्री उमर अली ने अपने घर से 12,000 रुपये नकद चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में थाना सनलाइट कॉलोनी में ई-एफआईआर संख्या 80004159, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद 17 जनवरी 2026 को सुश्री खुशबू ने एक सोने की चेन, एक मंगलसूत्र, तीन चांदी की अंगूठियां, 800 रुपये नकद और एक नोकिया कीपैड मोबाइल चोरी होने की रिपोर्ट दी, जिस पर ई-एफआईआर संख्या 80005275 दर्ज की गई। तीसरी घटना 26 जनवरी 2026 को सामने आई, जब सुश्री कंचन वर्मा ने अपनी दो सोने की चूड़ियों की चोरी की शिकायत पुलिस को दी और ई-एफआईआर संख्या 80007876 दर्ज की गई।

इसके अतिरिक्त पीपी आनंद विहार आईएसबीटी, थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया क्षेत्र में एक महिला की कान की बालियों की चोरी/लूट का मामला भी सामने आया है, जिसकी पुष्टि की जा रही है।मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस चौकी सराय काले खां के प्रभारी एसआई नागेंद्र कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में पीएसआई दीपक, हवलदार सुरेंद्र, हवलदार वीरेंद्र, हवलदार गौरव, हवलदार रंजीत और सिपाही राकेश शामिल थे। पूरी जांच प्रक्रिया थाना सनलाइट कॉलोनी के एसएचओ श्री अशोक कुमार तथा एसीपी लाजपत नगर श्री मिहिर सकरिया की देखरेख में की गई। 17 जनवरी 2026 को ई-एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस टीम ने तुरंत जांच शुरू कर दी। इसी दौरान एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि पीड़िता एक ऑटो में यात्रा कर रही थी और ऑटो चालक ने पुलिस चेकिंग का हवाला देकर महिला को अपने जेवरात और सामान बैग में रखने को कहा, जिसके बाद वह सामान लेकर फरार हो गया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। सघन जांच के बाद एक संदिग्ध ऑटो (नंबर ष्ठरु1 ऋकङ्गङ्गङ्गङ्ग) की पहचान हुई। ऑटो मालिक पंजीकृत पते पर नहीं मिला, जिसके बाद ट्रैफिक चालान के रिकॉर्ड निकाले गए। जांच में सामने आया कि फहीम के नाम पर भारी मात्रा में ट्रैफिक चालान लंबित थे। हवलदार सुरेंद्र द्वारा जुटाई गई खुफिया जानकारी और टीम की तकनीकी सर्विलांस के आधार पर फहीम को बटला हाउस इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर सह-आरोपी साजिद उर्फ साहिल को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने उपरोक्त चोरी के मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी एक सुनियोजित तरीके से वारदातों को अंजाम देते थे। ऑटो चालक फहीम रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों के आसपास कम किराए का लालच देकर अकेले यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को निशाना बनाता था। ऑटो में पीछे की सीट पर पहले से बैठा साजिद उर्फ साहिल यात्रियों को पुलिस चेकिंग का डर दिखाकर उनके जेवरात और नकदी बैग में रखने को कहता था। जैसे ही मौका मिलता,

वह बैग से कीमती सामान चोरी कर लेता था और फहीम किसी आपात स्थिति का बहाना बनाकर यात्रियों को रास्ते में उतार देता था, जिसके बाद दोनों मौके से फरार हो जाते थे।पुलिस ने अब तक थाना सनलाइट कॉलोनी के तीन ई-एफआईआर मामलों—80004159, 80005275 और 80007876—को पूरी तरह सुलझा लिया है, जबकि थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया से जुड़े एक अन्य मामले की जांच जारी है। आरोपी साजिद उर्फ साहिल, उम्र 27 वर्ष, निवासी खजूरी खास, दिल्ली, पहले भी चोरी के मामलों सहित उत्तर प्रदेश में हत्या के एक मामले समेत कुल छह आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। वहीं फहीम, उम्र 46 वर्ष, निवासी जनता मजदूर कॉलोनी, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, पूर्व में भी एक आपराधिक मामले में संलिप्त रह चुका है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर आम जनता में भरोसा मजबूत हुआ है और पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने व किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है।